डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹73600 10 ग्राम
₹94000 01 किलो
सेंसेक्स 76,499.63 +169.62
डॉलर 86.529 -0.117

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

माघ कृष्ण पक्ष 02, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), बुधवार, 15 जनवरी 2025, वर्ष-31, अंक-92, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 दिसंबर 2024 के लिए प्लेयर...

लोहरदगा में गोली मारकर एक की हत्या, एक गिरफ्तार

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड पर मंगलवार को दिनदहाड़े गैंगवार में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मारे गए युवक की पहचान सुभाष जायसवाल उर्फ छोटू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतक का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। रांची में करीब पंद्रह दिन पहले पंडरा में 13 लाख रुपए के लूटकांड में पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में एक युवक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि सुभाष जायसवाल मंगलवार को अपने एक साथी के साथ अपाचे बाइक पर कुडू बस स्टैंड पहुंचा था। दोनों ने बस एजेंट संतु पासवान की हत्या करने के इरादे से गोली चलाई। संतु पासवान बचने के लिए भाग गया। फायरिंग की आवाज से बस स्टैंड में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। इस बीच, एक दूसरे आपराधिक गिरोह के बदमाश ने सुभाष जायसवाल पर जवाबी फायरिंग की। गोली सुभाष के सिर पर लगी। वह मौके पर गिर पड़ा, जबकि उसका साथी भाग खड़ा हुआ। फायरिंग की सूचना पाकर पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल हालत में सुभाष को स्थानीय हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां से उसे रिम्स रांची के लिए रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। जिस बस एजेंट संतु पासवान पर सुभाष ने फायरिंग की थी, उसके भाई की कुछ समय पहले गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने फायरिंग करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान एनामुल अंसारी के रूप में हुई है। एनामुल भी पूर्व में कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। उस पर कुडू के पूर्व अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। बहरहाल, पूरे मामले में हर एंगल से तहकीकात की जा रही है। जिले के वरीय अफसर भी घटना की जानकारी मिलने के बाद कुडू पहुंचे हैं।

धर्म के साथ राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली आवाजें दे रहीं हैं सुनाई

तिरंगा थामे अमृत स्नान करने पहुंचा झारखंड का जत्था

गूंज रहा था 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' का उद्घोष

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ के मकर संक्रांति अमृत स्नान पर्व पर मंगलवार को प्रयागराज संगम तट पर उमड़ी भीड़ में सामाजिक एकता के साथ ही राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली आवाजें भी सुनाई देती रहीं। एक ओर अमृत स्नान के लिए निकलने वाले अखाड़ों के साथ चल रहे श्रद्धालु जगह-जगह पर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का नारा लगाते दिखे, तो दूसरी ओर स्नान करने के लिए आए श्रद्धालुओं का जत्था हाथों में तिरंगा थामे राष्ट्रीय एकता का संदेश देता दिखाई दिया। झारखंड से मकर संक्रांति स्नान पर्व पर अमृत स्नान करने महाकुंभ प्रयागराज पहुंचे मनोज कुमार श्रीवास्तव अपने जत्थे के साथ हाथों में तिरंगा थामे और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' के नारे लगाते संगम की ओर बढ़ते दिखे। उनके जत्थे में मौजूद सभी सदस्य उनके साथ 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का उद्घोष कर रहे थे। मनोज के साथ स्नान करने महाकुंभ मेले में पहुंचा 55 लोगों का जत्था काफी उत्साहित था। मनोज ने कहा कि महाकुंभ पर्व हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का

प्रतीक है। इस अवसर पर वे हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर और राष्ट्र प्रेम के नारे लगाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। मनोज ने इस मौके पर महाकुंभ मेले में स्नान के दौरान साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की तारीफ की। उनके साथ आए श्रद्धालुओं ने भी कुंभ स्नान के लिए की गई व्यवस्थाओं की तारीफ की। बता दें कि महाकुंभ के प्रथम अमृत स्नान का शुभारंभ मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हुआ। संगम के त्रिवेणी तट पर लाखों श्रद्धालुओं और साधु-संतों का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर स्नान कर श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को नया आयाम दिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर ही अपने ईष्ट देव की पूजा-अर्चना की। इस पूजन में तिल, खिचड़ी और अन्य पूजन सामग्रियों का उपयोग किया गया। श्रद्धालुओं ने तिल और खिचड़ी का दान कर धर्म लाभ प्राप्त किया। दान-पुण्य के इस क्रम ने पर्व को और पवित्र बना दिया। मकर संक्रांति के इस पावन दिन संगम के घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर पुण्य और मोक्ष की कामना की। मकर संक्रांति भगवान सूर्य को ही समर्पित पर्व है। मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और दिन लंबे और रात छोटी होने लगती है। स्नान के दौरान ही कई श्रद्धालुओं ने गंगा आरती की। वहीं, श्रद्धालुओं ने घाट पर ही मकर संक्रांति का पूजन-अर्चन किया और तिल-खिचड़ी का दान कर पुण्य कमाया।

रांची में कोल इंडिया के सेवानिवृत्त अधिकारी से 2.27 करोड़ रुपये की ठगी

साइबर अपराधियों ने 11 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। साइबर क्रिमिनल के एक गैंग ने रांची में रहने वाले कोयला कंपनी के एक सेवानिवृत्त अफसर को 11 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 2.27 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। जेल भेजने और सख्त एक्शन का खौफ दिखाकर उनसे यह रकम आठ अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कराई गई। इस मामले की एफआईआर सीआईडी साइबर थाना में दर्ज कराई गई है। इसके अलावा साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराई गई है। सीआईडी की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि इस ठगी को अंजाम देने वाला गिरोह महाराष्ट्र का है। गिरोह ने जिन बैंक अकाउंट में रकम ली है, वे महाराष्ट्र के हैं। ठगी का शिकार हुए कोल इंडिया के सेवानिवृत्त अफसर रांची के बरियातू इलाके में रहते हैं। उन्होंने एफआईआर में

बताया है कि 10 दिसंबर, 2024 को उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम अभिराज शुक्ला बताया और अपना परिचय ट्राई (टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के अफसर के रूप में दिया। उनसे कहा गया कि उनके नंबर से कई लोगों को भ्रामक विज्ञापन और मैसेज ट्रांसफर किए गए हैं। भुक्तभोगी ने जब अपने नंबर से किसी तरह का मैसेज भेजे जाने से इनकार किया, तो उन्हें बताया गया कि हो सकता है कि किसी जगह पर जमा किए गए उनके दस्तावेज के आधार पर सिम कार्ड लेकर साइबर क्रिमिनल ने इस तरह की हरकत की हो। उन्हें बताया गया कि चूंकि आपके नंबर के जरिए बड़े पैमाने पर ठगी की गई है, इसलिए उनके खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस बन रहा है। उन्हें अरेस्ट करने की धमकी दी गई। इसके साथ ही कॉल करने वाले ने उन्हें भरोसा दिया कि अगर वे खुद को निर्दोष मानते हैं, तो गिरफ्तारी और कार्रवाई से बचाने के लिए दिल्ली साइबर ब्रांच से उनकी मदद कराई जा सकती है। इसके बाद उन्हें दिल्ली साइबर क्राइम ब्रांच की अफसर बताने वाली पूनम गुप्ता नामक महिला का कॉल आया। उन्हें मोबाइल कैमरा ऑन करने कर उसके सामने रहने को कहा गया। फिर, उनकी बात कई लोगों से कराई गई, जिसमें एक व्यक्ति को सीनियर आईपीएस बताया गया। उन्हें लगातार धमकी देकर असली अपराधियों के पकड़े जाने तक वीडियो कॉल पर रहने की हिदायत की गई। यह सिलसिला लगातार 11 दिनों तक जारी रहा। इस दौरान उनसे अलग-अलग अकाउंट में यह कहकर रकम ट्रांसफर कराई गई कि ऐसा करने से ही यह साबित होगा कि उन्होंने मनी लांड्रिंग नहीं की है। भयभीत भुक्तभोगी ने खुद और अपनी पत्नी के अकाउंट में जमा 2.27 करोड़ की राशि ट्रांसफर कर दी। इस घटना में पीड़ित की जिंदगीभर की जमा पूंजी चली गई। जब उन्हें ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने ठगों के नबंर पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन नबंर ब्लॉक कर दिया गया था।

सच्चाई क्या है गृहरक्षक संख्या 13409 की पुनर्बहाली की

समादेष्टा ने किया बर्खास्त डीआईजी ने किया बहाल

छोटे भाई ने बड़े के खिलाफ की थी शिकायत

कहा था, अपनी वास्तविक जन्मतिथि छिपाई है

मनोज मिश्रा

रांची। गृह रक्षा वहिनी में एक गृहरक्षक को समादेष्टा 22 अगस्त 2023 को बर्खास्त कर देते हैं। वहीं, पुलिस उपमहानिरीक्षक उस गृहरक्षक की बर्खास्तगी को 9 जनवरी 2025 को निरस्त करते हुए उसे सेवा में पुनः बहाल कर देते हैं। वह गृहरक्षक है सत्यनारायण बिरुवा (संख्या 13409) और उसके खिलाफ आरोप लगाया है उसके छोटे भाई चंद्रमोहन बिरुवा ने। चंद्रमोहन बिरुवा राज्य में गृहरक्षक है। उसका कहना है कि उसके बड़े भाई ने अपनी वास्तविक जन्मतिथि को छुपाकर पश्चिमी सिंहभूम जिले में गृहरक्षक के रूप में नव-नामांकन कराया है। इसमें एक और ट्विस्ट है कि झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने सत्यनारायण बिरुवा की बर्खास्तगी खत्म कर पुनः बहाली के खिलाफ आंदोलन करने की ठान ली है। कहना कि झारखंड सरकार एवं होमगार्ड डीजी संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। इससे होमगार्ड विभाग की छवि धूमिल हो रही है। अब प्रश्न यह उठता है कि सही क्या है? सभी के अपने तर्क हैं। लेकिन, सच्चाई स्थापित करने के लिए विभाग को तो संज्ञान लेते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करना ही होगा। आइए, जानने की कोशिश करते हैं कि बर्खास्तगी और पुनर्बहाली की कहानी क्या है। गृहरक्षक चंद्रमोहन बिरुवा ने अपने बड़े भाई पश्चिमी सिंहभूम जिला के गृहरक्षक सत्यनारायण

बिरुवा (संख्या 13409) के विरुद्ध उपायुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, चाईबासा को शिकायत पत्र समर्पित करते हुए यह आरोप लगाया था कि सत्यनारायण बिरुवा ने अपनी वास्तविक जन्मतिथि को छुपाकर पश्चिमी सिंहभूम जिले में गृह रक्षक के रूप में अपना नव-नामांकन कराया है। चंद्रमोहन बिरुवा ने अपने आरोप में यह भी कहा था कि मेरी जन्मतिथि 02/10/1983 है, जबकि मेरे बड़े भाई ने नव-नामांकन के समय अपनी जन्मतिथि 25/01/1988 दशार्या है। चंद्रमोहन बिरुवा ने अपने शिकायत पत्र में

मामला होमगार्ड का

आरोप लगाते हुए कहा था कि उसके बड़े भाई सत्यनारायण बिरुवा ने दो बार मैट्रिक की परीक्षा दी थी। पहली बार जब मैट्रिक की परीक्षा वर्ष 1997 में दी थी, उस वक्त उसने अपनी जन्मतिथि 25/01/1980 दशार्या था। जब दूसरी बार मैट्रिक की परीक्षा वर्ष 2007 में दी, उस वक्त उसने अपनी जन्मतिथि 25/01/1988 दशार्या था।

दो अलग-अलग जन्मतिथि का आरोप हुआ था प्रमाणित : सत्यनारायण बिरुवा की जन्मतिथि सत्यापन के संबंध में विभाग द्वारा संबंधित विद्यालय से पत्राचार किया गया था। इसके आलोक में आरके हाई स्कूल, पुटूसिया द्वारा वर्ष 1997 के अंक पत्र में उसकी जन्म तिथि 25.01.1980 तथा स्कॉट हिंदी गर्ल्स हाई स्कूल चाईबासा द्वारा वर्ष 2007 के अंक पत्र में उसकी जन्म तिथि 25.01.1988 प्रमाणित करते हुए संबंधित दस्तावेज संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद सत्यनारायण बिरुवा के विरुद्ध दो जन्मतिथि का मामला संज्ञान में आने के बाद पूर्व जिला समादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी, पश्चिमी सिंहभूम ने सत्यनारायण को पुनः नामांकन से वंचित कर दिया था।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

आज | कल

नीरू शांति भगत ने दिया आजसू पार्टी से इस्तीफा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विधानसभा चुनाव 2024 में लोहरदगा से एनडीए से आजसू पार्टी की प्रत्याशी रहीं आंदोलनकारी पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने मंगलवार को आजसू पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो को अपना इस्तीफा भेजा है। सूत्रों के अनुसार नीरू शांति भगत अब झामुमो का दामन थाम सकती हैं। सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात के बाद उन्होंने आजसू पार्टी छोड़ा है। उन्होंने इस्तीफे में लिखा है- मैं झारखंड आंदोलनकारी, लोहरदगा के पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत बिना किसी राग-द्वेष, भेदभाव के आजसू पार्टी के सभी पद तथा प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं। उन्होंने पार्टी

सुप्रीमो को भेजे इस्तीफा में यह भी लिखा है कि आजसू पार्टी ने मुझे एक झारखंड आंदोलनकारी की पत्नी के रूप में जो मान, सम्मान और प्यार दिया, उसके लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। पर, एक छोटी सलाह भी देना चाहूंगी कि पार्टी के पदाधिकारियों-कार्यकताओं को अपनी बोली-चाली, बात-व्यवहार एवं लेखनी में भद्रता और सौम्यता लाने का प्रशिक्षण जरूर दें। यह आजसू पार्टी के लिए हितकारी होगा। साथ ही, झारखंड आंदोलन के इतिहास का प्रशिक्षण पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अवश्य देने की कृपा करें। इसके साथ मिठास के पर्व मकर संक्रांति की आपको ढेरों बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने आजसू परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

भारत सरकार के खिलाफ गलतबयानी पर गोड्डा सांसद ने कहा, मांगनी पड़ेगी माफी

मेटा के सीईओ जुकरबर्ग को तलब करेगी संसदीय समिति : निशिकांत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, यह स्वीकार्य नहीं

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची। गोड्डा से भाजपा सांसद और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मामलों की स्थायी संसदीय समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने भारत सरकार को लेकर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की गलतबयानी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि उनकी अध्यक्षता वाली संसदीय समिति मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को तलब करेगी। इसके लिए मेटा को भारतीय संसद और यहां की जनता से माफी मांगनी पड़ेगी। भाजपा सांसद ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश के बारे में गलत जानकारी प्रसारित करने से देश की छवि धूमिल होती है। यह स्वीकार्य नहीं है। इसके पहले, भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फेसबुक और मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग की ओर से भारत की सरकार को लेकर दिए गए बयान को खारिज करते हुए इसे तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया था। जुकरबर्ग ने 'द जो रोगन एक्सपीरियंस' नामक पॉडकास्ट के दौरान कहा था कि कोविड-19 के बाद दुनिया भर में उथल-पुथल का दौर रहा और इसके बाद अधिकांश मौजूदा सरकारें चुनाव में हार गईं। इनमें भारत भी शामिल है, जहां की सरकार 2024 के चुनावों में हार गई। मंत्री वैष्णव ने जुकरबर्ग के बयान पर कड़ा विरोध जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 2024 के चुनावों में 640 मिलियन से अधिक मतदाताओं ने हिस्सा लिया। भारतीय जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए पर अपना भरोसा फिर से जताया। ऐसे में जुकरबर्ग का दावा कि भारत में कोविड के बाद की सरकार चुनाव हार गई, तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने आगे लिखा था, कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने 800 मिलियन लोगों को मुफ्त भोजन, 2.2 बिलियन मुफ्त टीकों की खुराक और वैश्विक स्तर पर कई देशों को सहायता प्रदान की। इसके अलावा, भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक नेतृत्व क्षमता के चलते एनडीए को 2024 के चुनावों में तीसरी बार बड़ी जीत हासिल हुई, जो अच्छे शासन और जनता के विश्वास का प्रमाण है। मेटा और जुकरबर्ग के बयान पर नाराजगी जताते हुए मंत्री ने कहा था, यह निराशाजनक है कि स्वयं जुकरबर्ग की ओर से इस तरह की भ्रामक जानकारी दी गई।

इंडिया

मकर संक्रांति संस्कृतियों का संगम और विश्व के लिए आकर्षण

भारत विविधरंगी सांस्कृतिक पहचान वाला देश है जिसके एकसमान रीति रिवाज और संस्कृति देश को एकसूत्र में जोड़ती है जबकि राजनीति उसे तोड़ने का प्रयास करती है। उत्तर भारत हो या दक्षिण पूरब या पश्चिम देश के हर कोने की हर संस्कृति के अपने त्यौहार होते हैं जिनका सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक होता है।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

जनवरी के महीने में लोहड़ी, मकर संक्रांति, सकरात, पोंगल,बिशु, बिसुत, टुसू और माघ बिहू जैसे कुछ त्यौहार मनाए जाते हैं। इनमें से प्रत्येक का अपना इतिहास और महत्व है। लोहड़ी एक भारतीय त्यौहार है जिसका पंजाब प्रांत में बहुत पारंपरिक महत्व है। यह मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है, जहां लोग अलाव के चारों ओर प्रार्थना करते हैं और जश्न मनाते हैं। यह त्यौहार मुख्य रूप से भारत के उत्तरी भागों में बहुत ऊर्जा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। लोहड़ी को फसलों का त्यौहार भी कहा जाता है, जिसमें किसान लोकगीत संस्कृति का जश्न मनाते हैं और बुवाई के मौसम के अंत का प्रतीक होते हैं।पंजाब की कहानियों में दुल्ला भट्टी की कहानी का उल्लेख मिलता है, जो एक महान नायक थे और जिन्होंने मुगल साम्राज्य के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था। उनकी बहादुरी के कारनामों ने उन्हें पंजाब में इतना मशहूर कर दिया कि लगभग हर लोहड़ी गीत में उनका नाम जरूर आता है।मकर संक्रांति जिसे माघी के नाम से भी जाना जाता है, एक सनातनी त्यौहार है, जिसे पूरे भारत में अलग-अलग सांस्कृतिक रूपों में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार, जो लंबे दिनों की शुरूआत का प्रतीक है, आमतौर पर जनवरी के दूसरे सप्ताह (14 जनवरी) में मनाया जाता है।किंवदंती है कि संक्रांति एक देवी थी जिसने शंकरासुर नामक एक शैतान का वध किया था। यह भी माना जाता है कि भीष्म पितामह ने उत्तरायण के दिन ही अपनी अंतिम सांस ली थी। मकर संक्रांति सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरूआत का प्रतीक है। इसे देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मकर संक्रांति के बाद पोंगल आता है। पोंगल भारत में मनाया जाने वाला चार दिवसीय फसल उत्सव है जो फसल कटाई की परंपरा से जुड़ा है। यह त्यौहार आमतौर पर जनवरी के महीने में आता है जब चावल, हल्दी और गन्ने जैसी फसलें काटी जाती हैं। यह त्यौहार तमिलनाडु में व्यापक रूप से मनाया जाता है। इस साल पोंगल 14 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाएगा।पोंगल का इतिहास लगभग 2000 साल पुराना है। इसकी शुरूआत द्रविड़ फसल उत्सव के रूप में हुई थी जिसे थाई अन और थाई निरादल के रूप में मनाया जाता था। एक किंवदंती के अनुसार, भगवान शिव ने एक बार अपने बैल, बसवा से कहा कि वह धरती पर जाए और लोगों से कहे कि वे हर दिन तेल मालिश करें और स्नान करें और महीने में एक बार भोजन करें। बसवा ने गलती से घोषणा की कि शिव ने लोगों को प्रतिदिन भोजन करने और महीने में एक बार तेल स्नान करने के लिए कहा है। क्रोधित शिव ने बावसा को हमेशा के लिए धरती पर रहने के लिए निर्वासित कर दिया। उसे लोगों को अधिक भोजन पैदा करने में मदद करने के लिए खेतों की जुताई करनी होगी। इस प्रकार, यह दिन मवेशियों से जुड़ा हुआ है। माघ बिहू वह समय होता है जब असम में वार्षिक फसल की कटाई होती है। असमिया नव वर्ष की शुरूआत और फसल के मौसम के अंत को चिह्नित करने के लिए लोग रोंगाली बिहू मनाते हैं।झारखंड में आदिवासियों के पारंपरिक 'विशु शिकार' के दौरान अनेक जंगली जानवरों का शिकार करने की परंपरा है। आदिवासियों समुदाय की यह परंपरा सैंकड़ों वर्ष पुरानी है जिसके तहत बैसाखी के दिन ही आदिवासी पुजारियों और मुखियाओं द्वारा पूजा के बाद 'विशु' के पारंपरिक शिकार का दिन तय होता है। वीरता के प्रतीक के रूप में 'वीर दिशुवा' (आदिवासी योद्धा) हाथों में पारंपरिक हथियार उठा ढोल-नगाड़े बजाते आसपास के जंगलों से लेकर दलमा में शिकार खेलने जाते हैं। वन विभाग की अपील की बाद इसमें कमी आई है और यह सांकेतिक रूप से ही मनाया जाता है। केरल में मकर संक्रांति को मकरविलक्कू के नाम से मनाया जाता है। यह सबरीमाला मंदिर में आयोजित होने वाला एक वार्षिक त्योहार है। इस दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है और मकर ज्योति के दर्शन किए जाते हैं। कर्नाटक में इसे 'एलु बिरोधु' के नाम से मनाया जाता है। बिहार और झारखंड में इसे सकरात के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति के इस मौके को खिचड़ी भी कहा जाता है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में इस दिन खिचड़ी चढ़ाने, दान करने, बनाने और सहभोज करने का बहुत महत्व है। खिचड़ी भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण व्यंजन और प्रतीकात्मक भोजन है, जिसका महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और पोषणीय दृष्टिकोण से है विश्व की पांचवी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दौड़ में आज का भारत लगा है और इसके अलावा कुंभ जैसी हमारी सांस्कृतिक विरासत विश्व के लिए शांति की खोज का मार्ग है जिसे सम्मान देने और राजनीति से दूर रखने की आवश्यकता है।

'मिशन मौसम' लांच, पीएम मोदी ने कहा

भारत को बनाना है जलवायु स्मार्ट देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत मंडपम में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में 'मिशन मौसम' का शुभारंभ किया किया। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज और आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एक जलवायु-स्मार्ट राष्ट्र बने, इसके लिए हमने 'मिशन मौसम' लांच किया है। 'मिशन मौसम' टिकाऊ भविष्य और भविष्य की तत्परता को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों से भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है और वैज्ञानिकों तथा शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौसम विज्ञान में प्रगति से देश को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएमडी की स्थापना 15 जनवरी, 1875 को मकर संक्रांति के त्योहार के करीब हुई थी। हम सभी भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति के महत्व को जानते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम आईएमडी के 150 वर्ष सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है। आईएमडी ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा का भी प्रतीक बना है।

सीएसपी से पिस्टल का भय दिखाकर 80 हजार रुपए की लूट

अपराधी आराम से भागने में सफल रहें, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी

बाजार क्षेत्र में हुई इस घटना से दहशत का माहौल

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड के बाजार क्षेत्र के बभंडी मोड़ पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से संचालित सीएसपी से 80 हजार रुपया दिन दहाड़े लूट ली गई। इसके संचालक शिव प्रसाद ने बताया कि उनका भारतीय स्टेट बैंक अधीन सीएसपी कोड संख्या 1 ए 761999 प्रतिदिन संचालित होता है। मंगलवार को अपराह्न करीब दो बजे घर पर खाना खाने चले गये। इस दौरान तीन अपराधी हेलमेट पहने पिस्टल के साथ उनके सीएसपी पर आये। तीन अपराधी में दो अपराधी हाथ में पिस्टल लिए सीएसपी के अंदर प्रवेश कर शटर को बंद कर दिया। उस वक्त उनका कर्मी कुंदन कुमार काउंटर संभाल रहा था। कर्मी के कनपटी में पिस्टल सटाकर चुपचाप बैठे रहने की चेतावनी देते रहे। दूसरा अपराधी स्वयं उनके काउंटर में रखे करीब 80 हजार रुपया निकालकर भाग गए। इस दौरान सीएसपी के अंदर फंसे चार-पांच ग्राहकों को भी अपराधी पिस्टल दिखाकर शांत रहने को धमकाते रहे। शटर के बाहर खड़ा एक अपराधी भी बाहर खड़े ग्राहकों को धमकी देते रहा। बाजार क्षेत्र में हुई इस घटना से दहशत का माहौल हैं। अपराधियों के घटनास्थल से भागने के बाद सैकड़ों की ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना फैलते ही वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अजय जायसवाल, सीकेश सिंह, उपप्रमुख पप्पू कुमार पासवान ने घटनास्थल पर पहुंचे। अति व्यस्तम इलाके की इस घटना की निंदा कर अविलंब अपराधियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की मांग प्रशासन से की है, जिससे सुदूर इलाके के भयमुक्त बाजार तक आवागमन कर सकें। इस घटना के एसआई आजम अंसारी के नेतृत्व में दलबल के साथ पुलिस घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इसके साथ ही सीएसपी सहित आसपास के सीसीटीवी के फुटेज भी खंगालने का काम पुलिस कर रही है।

चोरी की दो गाड़ियों के साथ युवक गिरफ्तार

मेदिनीनगर। जिला के छतरपुर पुलिस ने चोरी की दो गाड़ियों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार युवक लव कुमार रजक छतरपुर थाना क्षेत्र के खोंढ़ी गांव का रहने वाला है। जब्त दोनों गाड़ियों में मोटरसइकिल व स्कूटी है। इस बावत पुलिस ने बताया कि छतरपुर थाना गेट के सामने दूसरे पाली का वाहन चेकिंग किया जा रहा था। इस दौरान बिना हेलमेट, ट्रिपल लोड व वाहन के दस्तावेज की जांच की जा रही थी। वाहन चेकिंग के क्रम में समय दोपहर 2 बजे एक व्यक्ति बिना हेलमेट के काला रंग का मोटरसाइकिल पर सवार होकर छतरपुर के तरफ से रामगढ़ की तरफ आ रहा था। थाना गेट के सामने पुलिस बल को चेकिंग करता देख उक्त व्यक्ति गाड़ी मोड़कर वापस उसी दिशा में भागने लगा। संदेह होने पर उपलब्ध बल की मदद से उक्त व्यक्ति को दौड़ाकर गाड़ी सहित पकड़ा गया। पूछताछ करने पर बताया कि मोटरसाइकिल चोरी का है। उक्त अभियुक्त ने बताया कि एक चोरी का स्कूटी घर में छुपा कर रखा है। दोनों गाड़ी को बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

मकर संक्रांति पर बराही धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पूजा अर्चना कर मांगी मन्नत

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मकर संक्रांति पर्व को लेकर श्रद्धालुओं ने बराही, दंगवार के सोन घाट पर स्नान किया। स्नान के बाद सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ बराही धाम में पहुंचने लगी। बराही धाम परिसर में स्थित माता रानी की मंदिर में पूजा अर्चना करने को लेकर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। पूरा धाम परिसर माता की जयकारों से गूंज रहा था। साथ ही मंगलवार होने के चलते हनुमान मंदिर में भी श्रद्धालुओं की हुजूम उमड़ पड़ा था। मकर संक्रांति में उमड़ी भीड़ को लेकर बराही धाम समिति सदस्य काफी तत्पर देखे गए। इस दौरान लोगों ने दक्षिणमुखी भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं द्वारा बीच बीच में जय जय हनुमान जी की जयकारे लगाते रहे। इससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर धाम परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मालूम हो कि धाम परिसर में प्रत्येक मंगलवार को दो वर्षों से अधिक समय से भंडारे का आयोजन किया जाता है।

एक नजर

मकर संक्रांति पर क्षेत्र में दो जगह लगा मेला

विश्रामपुर। प्रखंड के घरटिया स्थित झारनेश्वर शिव मंदिर में मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को भव्य मेला लगा। विशेष पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु अहले सुबह से ही झारनेश्वर मंदिर पहुंच कर पूजा-पाठ में जुट गये थे। पूजा अर्चना का सिलसिला सारा दिन चलता रहा। मेला परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। वहां स्थानीय भोजपुरी गायको ने एक से बढ़ कर एक भक्ति गीत गाकर लोगो का मन मोह लिया। रेहला कोयल नदी तट पर भी वार्षिक मेला लगा। वहां भी श्रद्धालु कोयल नदी में अहले सुबह से ही आस्था की डुबकी लगाने लगे थे।

चूड़ा-गुड़ व तिलकुट का किया वितरण

विश्रामपुर। जिला योजना समिति सदस्य सह निवर्तमान पार्षद संजय बैठा ने मंगलवार को मकर संक्रांति के अवसर पर चूड़ा-गुड़ व तिलकुट का वितरण किया। विश्रामपुर बस स्टैंड पर स्टॉल लगाकर उन्हेंने टेंपो चालकों व स्थानीय लोगों के बीच चूड़ा-गुड़ तथा तिलकुट बांटा। उन्होंने सभी को मकर संक्रांति की शुभ कामना देते हुए कहा कि जो लोग अभाव के चलते मकर संक्रांति नहीं मना पाते हैं उन्हें प्रत्येक वर्ष अपनी ओर से चूड़ा-गुड़ व तिलकुट देत रहें हैं, ताकि ताकि अभावग्रस्त लोगों के घर मे भी पर्व मन सकें। मौके पर राजेश मार्शल, मुकेश चौधरी, इश्फाक अंसारी, सोनू कुमार,महेंद्र राम,कुंदन कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

नवाचार और रचनात्मकता से समाज को बना सकते हैं बेहतर : कुलपति

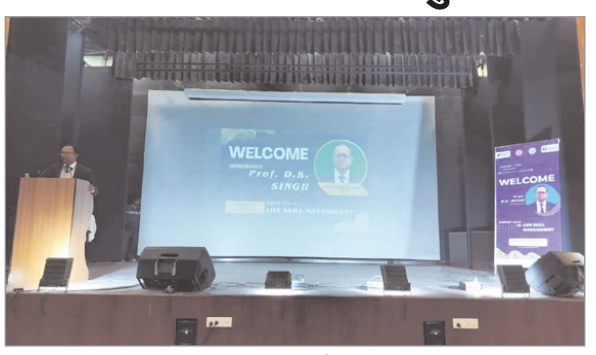

नवीन मेल संवाददाता

नीलाम्बर पीतांबरपुर। झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) के कुलपति प्रो. डीके सिंह के जीवन प्रबंधन पर दिए गए व्याख्यान और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह के कॉलेज के शैक्षणिक और संरचनात्मक विस्तार पर विचार-विमर्श के साथ कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को जीवन प्रबंधन, रचनात्मकता, सामाजिक दृष्टिकोण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ. एसके सिंह के संबोधन से हुई। उन्होंने कॉलेज के शैक्षणिक और संरचनात्मक विस्तार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं और नए पाठ्यक्रम शुरू करने की महत्त्वाकांक्षी योजनाओं का उल्लेख किया। जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता और संसाधनों में सुधार हो। कुलपति प्रो. डीके सिंह ने जीवन प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रकृति की समावेशिता और इसकी असीमितता पर जोर दिया। बताया कि नवाचार और रचनात्मकता से हम समाज को बेहतर बना सकते हैं। विज्ञान को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए यह भी कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 'जॉय ऑफ गिविंग' की विचारधारा को अपनाने से हम समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने एलन मस्क जैसे वैज्ञानिकों के विज्ञान पर निवेश के दृष्टिकोण की सराहना की। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, और अतिथियों ने भाग लिया।

बीईईओ पर प्रपत्र 'क' गठित, बीआरसी से पद मुक्त

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड (उत्तरी) में पदस्थापित बीईईओ राम नेरश राम के उपर विभाग द्वारा अपने कार्य के प्रति लापरवाही के कारण प्रपत्र 'क' गठित हुआ है, जिसके कारण विभाग द्वारा उनको बीआरसीसी के पद से मुक्त किया है। उनके स्थान पर छत्तरपुर बीईईओ को हुसैनाबाद बीआरसीसी का कार्य निस्पादन के लिए प्राधिकृत किया गया है। बीईईओ राम नेरश राम ने कहा कि मेरे उपर प्रपत्र 'क' कार्यालय कमियों द्वारा गठित कराया गया है। वह किसी को नहीं छोड़ेगें। 13 जनवरी को कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया कि फर्जी बायोमैट्रिक उपस्थिति घोटाला प्रखंड संसाधन केन्द्र हुसैनाबाद में एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है, से संबंधित जो समाचार छपी हैं, वह बिलकुल ही हुसैनाबाद बीईईओं राम नरेश राम का एक झूठा षडयंत्र हैं। बीआरसी कर्मियों ने बताया कि उनके द्वारा अपने ही कमियों को फंसाने का प्रयास किया गया है। क्योंकि उनके द्वारा जो पदाधिकारी को शिकायत किया गया हैं। वह कार्यालय का पत्र फर्जी है। इस मामले का पूर्व में विभाग द्वारा जांच कराया गया था वह वह फर्जी निकला था। यह बीईईओं का अपने उपर हुए विभागीय कार्रवाई का गुस्सा है। जिसके कारण बीआरसी कमियों को झूठे बायोमेट्रिक में फंसाने का एक षडयंत्र है। बीईईओं राम नरेश राम द्वारा आज तक कल्याण विभाग का पूर्व में वर्ष 2023 का कुल 308 साइकिल का वितरण नहीं किया गया है, जिसके कारण उक्त साइकिल बीआरसी कार्यालय के बाहर खुले आसमान में सड़ने के कागार पर है।

सात दिवसीय मेला का एसडीओ ने किया उद्घाटन

हुसैनाबाद। मकर संक्रांति पर्व के अवसर हुसैनाबाद दंगवार के सोन नदी तट स्थित ऐतिहासिक सूर्य मंदिर परिसर में सात दिनों तक चलने वाला भव्य मेला का आयोजन किया गया। इसका आयोजन श्री श्री सूर्य मंदिर मेला कमेटी द्वारा की गई। हुसैनाबाद के भूमि उपसमाहर्ता सह अनुमंडल पदाधिकारी गोरांग महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील वर्मा, मुखिया अमरेंद्र कुमार ठाकुर ने फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया। इस दौरान एसडीओ गोरांग महतो ने कहा कि मेला का आयोजन से अपनी संस्कृति व सभ्यता के बारे में समझने और जानने का अवसर मिलता है। मेला के आयोजन को लेकर उन्होंने कमिटी को धन्यवाद का पात्र बताया। मुखिया अमरेंद्र कुमार ठाकुर ने बताया कि दंगवार में 50 वर्ष पूर्व से ही मेला का आयोजन होता आ रहा है। यह मेला लगातार सात दिनों तक लगता है। यहां पलामू के अलावा रोहतास, औरंगाबाद आदि जिलों से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष आते हैं। और मेला का आनंद उठाते हैं। नौका विहार व यहां की मनोहर दृश्य का लुफ्त उठाते हैं। वकील सिंह, विवेक गुप्ता, मनोज गुप्ता, संतोष राम, प्रशांत सिंह, लखन यादव, हसन खलीफा आदि हजारों की संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे। इधर देवरी कला व सोनपुरवा में भी मेला आयोजित की गई।

न्यूज बॉक्स

डॉ. शशिभूषण मेहता के विधायक प्रतिनिधि बने अजय

सतबरवा। पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने प्रखंड के चार पंचायत का विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव को बनाया है। वह मंगलवार को अपने मौर्य फॉर्म हाउस सगालिम अवास पर सतबरवा निवासी अजय उरांव को सतबरवा प्रतिनिधि, महेश यादव को शोसल मीडिया प्रभारी अपने लेटर पैड पर चिट्ठी बनाकर दिया। साथ ही माला पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने कहा कि मेरी अनुपस्थिति में मेरे प्रतिनिधि काम करेंगे। विधायक प्रतिनिधि बनने पर जिप सदस्या सुधा कमारी, धावाडीह मुखिया रिंकी यादव,उप मुखिया मुधीर साव,सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा,अशोक पासवान, मुकेश यादव, मनोज कुमार गुप्ता, किशुन साव, मनु राम, परमेश्वर सिंह, ललन साव, प्रवेश यादव, उमेश यादव, रामप्रवेश साव, विश्वनाथ यादव, धर्मेंद्र सिंह, रामनिवास साव, सुरेंद्र भुईयां, दशरथ यादव, धर्मेंद्र सिंह चेरो, महामंत्री चंचल यादव, दुर्गा प्रसाद समेत दर्जनों लोगों ने बधाई दी।

जहरीला पदार्थ खाने से महिला की मौत

हुसैनाबाद। वार्ड नंबर तीन के रामविगहा निवासी अमरेश प्रजापति की 30 वर्षीया पत्नी रूबा देवी ने मानसिक तनाव में आकर मंगलवार को जहरीला पदार्थ खा ली। बेहोशी की हालत में परिजनों ने इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। वहां स्थिति गंभीर देखते हुए मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। इस संबंध में महिला के मायके वालों ने अपने दामाद व बेटी के ससुराल वालों पर जबरन जहरीला पदार्थ खिलाकर मार डालने का आरोप लगाया हैं। समाचार के अनुसार हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के कुसुआ गांव के टोला गडेडियाडीह निवासी नरेश प्रजापति की पुत्री की शादी करीब दस वर्ष पहले शहर के राम विगहा निवासी अमरेश प्रजापति के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। इसके बाद भी अमरेश प्रजापति ने दूसरी शादी कर लिया था। जिसके बाद दोनों में पूर्व से विवाद हो रही थी, जिसको लेकर कई बार दोनों पक्षों में कहा सुनी भी होने की बात कही जा रही हैं, जिसके कारण मकर संक्रांति के दिन मौत हो गई। मृतका का मेदिनीनगर में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में मृतका के मायके वालों ने हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन देकर रूबी देवी को पूर्व से पड़ताड़ना व जहरीला पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाया हैं। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मां तारा शक्ति दुर्गा मंदिर महायज्ञ की तैयारी पूरी, कलश यात्रा आज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला के हुसैनाबाद अनुमंडल मैदान स्थित मां तारा शक्ति दुर्गा मंदिर में मां दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पांच दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। यज्ञशाला से लेकर प्रवचन स्थल की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा व महायज्ञ को सफल बनाने को लेकर मां तारा शक्ति मंदिर महायज्ञ कमेटी के पदाधिकारी तैयारी में दिन रात जुटे हैं। कमेटी में संरक्षक पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह, पूर्व मुखिया राम प्रवेश सिंह, मिथलेश पाठक, संयोजक सूर्या सिंह,अध्यक्ष प्रकाश लाल अग्रवाल, सचिव चंदन सिंह, कोषाध्यक्ष पवन अग्रवाल एवं रतन लाल, मीडिया प्रभारी प्रिंस शर्मा, उपाध्यक्ष राम प्रवेश सिंह, रणजीत पासवान, संजय सिंह, रामराज मेहता, विमलेश सिंह, सह सचिव अजय गुप्ता, मनु सिंह, विनय पासवान, व्यवस्थापक, सुधीर सिंह, बलराम मेहता, बसंत चौहान, दुर्गा शर्मा, लल्लू, सीबी रमन सिंह, हंसराज सिंह, चिराग पासवान, व्यवस्थापक उदय विश्वकर्मा, जल यात्रा प्रमुख रविन्द्र कांस्यकर, पूजा प्रमुख, बीटू बाबा, विपुल बाबा, अखिलेश बाबा, केएन गिरी, जयप्रकाश आदि मूर्ति स्थापित करने आदि में जुटे हैं। पूर्व मंत्री सह यज्ञ कमेटी के संरक्षक कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि 15 जनवरी 2025 को अनुमंडल मैदान हुसैनाबाद स्थित मां तारा शक्ति मंदिर परिसर से भव्य जल यात्रा निकला जाएगा। जल यात्रा जपला शहर भ्रमण करते हुए देवरी स्थित सोन नदी से वैदिक मंत्रोचारण के साथ जल उठाया जायेगा। जल उठाने के बाद पुनः मां तारा शक्ति मंदिर हुसैनाबाद पहुंचेंगे। पांच दिवसीय महायज्ञ की शुरूआत भी 15 जनवरी से होगी, जो 19 जनवरी तक चलेगी। 19 जनवरी को पूर्णाहुति व भंडारा के बाद यज्ञ कार्यक्रम संपन्न होगा। उन्होंने अनुमंडल क्षेत्र के धर्म प्रेमियों से यज्ञ में शामिल होकर पुण्य के भागी बनने का आह्वान किया है।

दुखहरना बाबा दरबार में मकर संक्रांति के अवसर पर लगा मेला

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महावीर मोड़ दुखहरना बाबा दरबार में मकर संक्रांति के अवसर पर मेला का आयोजन किया गया। प्रखंड व मेदिनीनगर की सीमा पर स्थित मेला लगा। जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में इस बार बिहार के सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायक गुंजन बादशाह, नेहा राज द्वारा एक से बढ़कर एक गाना गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेला में आस पास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। मेला में खिलौने, श्रृंगार सामग्री, रसोई का सामान, बच्चों के लिए लगे मनोरंजन के विशेष स्टॉलो पर भीड़ लगी रही हैं। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लोगों ने जम कर आनंद लिया। मेला में लगा झूला बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। वर्ष 2006 से आयोजित होने वाला यह मेला मलय नदी के तट पर लगता है, जहां लोग नदी के सुंदर दृश्य के साथ आसपास के प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते हैं।

त्योहार

मकर संक्रांति पर भीम चूल्हा मेला में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

माता कुंती और पांडव पुत्रों की प्रतिमाओं के साथ सेल्फी की होड़ लगी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। मकर संक्रांति के मौके पर ऐतिहासिक महत्व के भीम चूल्हा में लगे मेला में मंगलवार को भारी भीड़ लगी। आधा किमी क्षेत्र में लोगों की भीड़ लगी रही। सुबह के शून्य दृश्यता का कोहरा छंटते ही आस पास के गांव-गांव से महिलाओं, युवाओं और बच्चों का झुंड मेला में पहुंचा। लोग ऑटो रिक्शा, चारपहिया और दोपहिया वाहनों से परिवार व मित्रों के साथ पहुंचे। मेले में लोगों को परेशानी नहीं हो, इसे देखते हुए थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अन्य पुलिस अधिकारियों ने मुख्य नहर से पहले ही वाहनों को खड़ा करा दिया। इसके साथ ही गश्ती करते हुए शांति और सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किया। सुबह से ही कोयल नदी में स्नान करते हुए लोगों ने शिव मंदिर के अलावा अन्य देवताओं की पूजा-अर्चना की। दान-पुण्य किया। बाद में पहुंचे अन्य लोगों ने भी दर्शन-पूजन किया। प्रसाद भी चढाया। ध्वनि विस्तारक यंत्र से भक्ति गीतों की बयार बहती रही। इससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर में पुजारी सह गाइड गंगा तिवारी के अलावा धर्मप्रेमी द्वारिका, रामलखन चौरसिया और अन्य लोगों ने मंत्रोच्चारण कर श्रद्धालुओं का चढ़ावा अर्पित कराया।

मेल में लोगों ने व्यंजनों का लुत्फ उठाया

पूजा सामग्रियों, श्रृंगार के सामान, खिलौने, गुब्बारे और अन्य वस्तुओं की खरीदारी भी की। वाच टॉवर से भी खासकर, बच्चों ने आस पास के प्राकृतिक सौंदर्य और भीम बराज के विहंगम नजारे का अवलोकन किया। इसके अलावा मेला परिसर में स्थापित माता कुंती और पांडव पुत्रों की आदमकद प्रतिमाओं के साथ फोटो शूट करवाया। सेल्फी भी ली। पुजारी सह गाइड ने कहा कि अन्य वर्षों की अपेक्षाकृत अधिक भीड़ जमा हुआ था।

पंसा में मकर संक्रांति शांति पूर्वक मनाया गया

मोहम्मदगंज पंसा में मकर संक्रांति पर मंगलवार को सूर्य और शिव मंदिर प्रांगण में कोयल-सोन नदी संगम तट पर लगा मेला आस्था और उल्लास के बीच शांति पूर्वक संपन्न हुआ। इसकी देख-रेख व सफलता पूर्वक संचालन जिला परिषद सदस्य अंजू देवी और युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह के अलावा अन्य ग्रामीणों ने किया। संगम में स्नान कर लोगों ने भगवान भास्कर और शिव की उपासना की। अन्य लोगों ने भी दर्शन-पूजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद और तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इसमें आस पास के अलावा गढ़वा जिले की सीमा व पड़ोसी प्रखंडों के लोग भी पहुंचते थे। विभिन्न व्यंजनों व सामग्रियों की दुकानों से मेले का रौनक बढ़ा रहा।

ज्वाय ऑफ गिविंग परियोजना का शुभारंभ

सीएसआर व ग्रासिम परिवार सामाजिक कार्यों के प्रति सजगः हितेंद्र अवस्थी

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रेहला ग्रासिम के सीएसआर द्वारा जनवरी 2025 को ज्वाय ऑफ गिविंग के रूप में मनाया जा रहा है। इसका आधिकारिक शुरूआत मंगलवार को मंकर संक्रान्ति के अवसर पर समारोह पूर्वक किया गया। इसके लिये आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मंगलवार को समारोह आयोजित किया गया। उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि ग्रासिम इंडस्ट्रीज के इकाई प्रमुख हितेंद्र अवस्थी,मानव संसाधन प्रमुख पद्माकर लाल दास व आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक नुरुल हक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क प्रबंधक विकास कुमार ने किया। ज्वाय ऑफ का गिविंग के तहत विभिन्न सरकारी विद्यालयों के लगभग 150 स्कूली बच्चों के बीच स्कूल किट,हाइजीन किट व खेल सामग्री का वितरण कर किया गया। इकाई प्रमुख हितेंद्र अवस्थी ने कहा कि हम अपने सामाजिक दायित्व के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं, जिससे समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। उन्होंने नये सत्र में सीएसआर के माध्यम से संचालित किए जाने वाले कई अनूठे कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी।

महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा रहा

दीदी की दुकान योजना के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण,मोबाइल मेडिकल वाहन द्वारा आसपास के क्षेत्र में लगातार मेडिकल कैंप की व्यवस्था,शिक्षा में गुणवत्ता व उत्थान के लिये स्कूलों में पुस्तकालय सुविधा व विशेष अभियान चलाना,क्षय रोग के उन्मूलन के लिये क्षय रोगियों के निरंतर मॉनिटरिंग की आधुनिक सुविधायुक्त व्यवस्था और युवाओं के रोजगारपरक बनाने हेतु उन्हें विभिन्न विभिन्न प्रकार के कौशल विकास की गतिविधियों से जोड़ना हमारी इस वर्ष की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जॉय आफ गिविंग में 50 प्रतिशत की राशि कंपनी के अधिकारियों,कर्मचारियों व महिला मंडल के सदस्यों द्वारा इकट्ठा की गयी है,जो यह प्रदर्शित करता है कि सीएसआर के साथ-साथ पूरा ग्रासिम परिवार सामाजिक कार्यों के प्रति सजग व संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हम सालों भर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।लेकिन यह महीना विशेष इसीलिए है कि इसमें ग्रासिम परिवार के प्रत्येक सदस्य की भागीदारी हो रही है। उन्होंने कहा कि बांटने की खुशी सब खुशियों से ऊपर है। समाज के अभावग्रस्त तबके की समस्या को साझा कर उसे दूर करने में सहायक बने तो इससे बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं हो सकता।मौके पर अनुपम मिश्रा,वंदना झा,प्रीति दास,निशा पाठक, ब्रजराज चौबे,राजेश चौबे,व्रज किशोर शुक्ला,शशि भूषण शुक्ला, सीएसआर के अनिल गिरि,नागेंद्र यादव सहित जन सेवा ट्रस्ट के कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

अंकित कुमार सिंह ने कांस्य पदक जीता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला स्टेडियम बारालोटा मेदिनीनगर में संचालित डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र पलामू के प्रशिक्षु अंकित कुमार सिंह ने 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 14 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 4100 मीटर रिले दौड़ में कांस्य पदक जीता। बताते चलें कि खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वाधान में 11 से 14 जनवरी तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम,रांची में संपन्न हुआ। इस उपलब्धि पर एथलेटिक्स प्रशिक्षक मोनू कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पलामू जिला के खिलाड़ी ने बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। मोनू कुमार ने बताया कि पूर्व जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, जिसके कारण पलामू जिले से लगातार खिलाड़ी खेल में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अंकित कुमार सिंह के कांस्य पदक जीतने पर जिला खेल पदाधिकारी सेवा राम साहू ,जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आजाद शत्रु प्रसाद सिन्हा,सचिव संजय कुमार त्रिपाठी,जिला खेल समन्वयक निधि उपाध्याय,सहोदय स्कूल के प्राचार्य विनोद केरकेट्टा एथलेटिक्स कोच रिया कुमारी,रेशमा पांडेय,उपेंद्र कुमार,खेल विभाग से सिकंदर प्रजापति,सुशील द्विवेदी समेत जिले वासियों ने बधाई दी।

जिला प्रशासन के साथ पाटन के सुदूरवर्ती चेतमा गांव पहुंचे वित्त मंत्री

हेमंत सरकार बेहतर ढंग से काम करने का निर्णय लिया है: किशोर

■ **ग्रामीणों के बीच कंबल का किया वितरण**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पाटन प्रखंड के सुदूरवर्ती चेतमा गांव मे झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से जनसंवाद किया। बता दें कि पाटन प्रखंड का चेतमा गांव पूर्व में नक्सलियों का वर्चस्व हुआ करता था, जिस कारण मूलभूत सुविधाओं से अछूता था। कार्यक्रम में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया। लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का भी वितरण किया गया। इस बीच उपस्थित ग्रामीणों के कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि चेतमा गांव के ग्रामीणों को सारी सुविधाएं दी जाएगी। सड़क, बिजली, पानी और अबुआ आवास के लिए अब लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा, क्योंकि हेमंत सोरेन की सरकार ने हर कार्य को बेहतरीन ढंग से करने का निर्णय लिया है मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की नजरे राज्य के सभी स्थानों पर है। मौके पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि पहले नक्सलियों के चलते इस गांव में आना मुश्किल था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल प्रयास के बाद यहां पिकेट खुलने के बाद लोगों को राहत मिली है। प्रधानमंत्री ने जन मन योजना की शुरूआत की है 2023-24 में 1500 करोड़ रुपए की योजना की स्वीकृति की गई है। योजना के माध्यम से इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में उपायुक्त शशि रंजन,एसपी रिष्मा रमेशन ,डीडीसी शब्बीर अहमद, एसडीएम सुलोचना मीणा, सिविल सर्जन अनिल सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

शराब पी रहे युवक को लगी गोली, खतरे से बाहर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना के माली मोहल्ला निवासी मुन्ना पांडेय का 32 वर्षीय पुत्र मोंटी पांडेय पैर में संदेहास्पद स्थिति में गोली लगने से घायल हो गया। यह घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में तब घटी जब मोंटी अपने चार दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। बताते चले कि घायल मोंटी 7 फरवरी 2024 को हुए नमिता देवी हत्याकांड मामले में जेल जा चुका है। जानकारी के मुताबिक दो महीने पूर्व वह जेल से बाहर आया था, और वर्तमान में शहर से बाहर रह रहा था। मोंटी ने बताया कि वह सोमवार को व्यवहार न्यायालय में अपनी तारीख होने के कारण मेदिनीनगर आया था। इसके बाद उसके पुराने दोस्त पिंकू तिवारी, सोनू तिवारी, रिंकू दुबे, नागा पांडेय से अचानक मुलाकात हुई। इसके बाद पांचों एक साथ शहर से सटे चैनपुर के कल्याणपुर में शराब पीने पहुंचे। मोंटी के अनुसार उसे एकराम कुरैशी नामक व्यक्ति ने आत्मरक्षा के लिए पिस्टल दिया था। शराब के नशे में अपने पास रखे पिस्टल से अचानक गोली चल गई, जो सीधे उसके पैर के निचले हिस्से को छेदते पार हो गई। इसके बाद उसके दोस्तों ने मिलकर उसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर उसके दोस्त मौके से फरार हो गए। मौके से पुलिस ने अवैध हथियार को जब्त कर लिया है। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि मोंटी के अवैध हथियार से ही उसे गोली लगी है। उन्होंने कहा कि पुलिस मोंटी को हथियार देने वाले व्यक्ति की जांच कर रही है। पुलिस कस्टडी में मोंटी का इलाज किया जा रहा है। इसके बाद आर्म्स एक्ट के तहत उसे जेल भेजा जाएगा।

मकर संक्रांति पर पूर्वडीहा में मेला का आयोजन

मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं : पूर्व मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से सटे कोयल नदी के तट पर पूर्वडीहा गांव में मकर संक्रांति के अवसर पर मेला का आयोजन किया गया। मेला का विधिवत उद्घाटन के बाद भोजपुरी के प्रसिद्ध गायक राकेश मिश्रा एवं अन्य कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, जिला परिषद सदस्य रामलव चौरसिया, मुखिया पप्लू दुबे व अन्य ने दीप जला कर मेला का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद पूर्व मंत्री ने कहा कि इस मेला का आयोजन लगभग तीन दशकों से किया जा रहा है, जिसमें अधिकतर समय में इसका हिस्सा बनते आ रहा हूं। पूरे गांव के लोग तथा कमेटी बधाई की पात्र हैं, जिन्होंने अपने इस धरोहर को लगातार जीवित रखा है। मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। मेला से आपसी भाईचारा और मेल-मिलाप बढ़ता है। मकर संक्रांति पर लगने वाले इस मेला में पूरे शहर सहित आसपास के गांव से लोग आते हैं। मेला के आयोजन में कोयल नदी के तट पर भोजपुरी कलाकार का भी संगम हुआ। इस दौरान भोजपुरी के प्रसिद्ध कलाकार राकेश मिश्रा ,शिवानी सिंह और अक्षरा गुप्ता ने विभिन्न प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। स्थानीय लोगों की माने तो यह मेला करीब तीस सालों से आयोजित हो रहा है। मेला में जहां मीना बाजार में विभिन्न प्रकार की सामग्री की बिक्री की गई, वहीं छोटे बच्चों के लिए झूले व अन्य मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध थे। इस मेला में जहां आसपास के इलाके से लोग पहुंचे वहीं शहर क्षेत्र के भी हजारों लोगों ने मेला में भाग लिया।

सेवा कार्य ही ईश्वर की पूजा : मनोज सिंह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में कड़ाके की ठंड को देखते मेदिनीनगर नगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज सिंह ने लोगों का हाल चाल जानने के लिए सड़कों पर निकल रहे है। इस दौरान उन्होंने लोगो से मुलाकात कर नववर्ष की शुभकामना दी। साथ ही उनके बीच गर्म कपड़ा, शॉल और कंबल का वितरण किया। उन्होंने इस कार्यक्रम की शुरूआत बेलवाटिका से की। उसके बाद कान्दू मुहल्ला, सेमरटांड, पंपूकल का दौरा किया। मौकै पर उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए सेवा का भाव हैं। वह राजनीति में सेवा भाव को लेकर आये हैं।उन्हें सेवा का संस्कार विरासत मिला है। सेवा के संस्कार के विरासत को वह पूरी सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि सेवा का बेहतर माहौल तैयार करने के लिए काम करना चाहिए। सभी को सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्य करना चाहिए।सही मायने में सेवा कार्य ही ईश्वर की पूजा हैं। सेवा के इस मर्म को समझने की आवश्यकता हैं। उन्होने कडाके की ठंड में लोगो को राहत मिले इसके लिए यह छोटा प्रयास कर रहे है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को पूरे नगर निगम क्षेत्र में घर-घर जाकर जरूरतमंदों के बीच कंबल और शॉल देकर ठंड से राहत दिलाने का प्रयास करेंगे। मौके पर किशोर कुमार, मुन्ना प्रसाद, राजू खान सहित कई लोग मौजूद थे।

गुरुद्वारा में उत्साह के साथ मनी लोहड़ी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सोमवार की रात पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। गुरुद्वारा में सिख धर्म के लोगों ने लोहड़ी जलाई और उसके इर्द-गिर्द परिक्रमा लगाया। सुख-समृद्धि के लिए मनाए जाने वाले लोहड़ी त्योहार में अग्नि देवता का पूजन किया गया। सिख समुदाय के लोग नवाटोली स्थित गुरुद्वारे में एकत्रित हुए और लोहिड़ी पर्व धूमधाम के साथ मनाया। नव विवाहिताओं ने भी लोहड़ी की परिक्रमा लगाई। इस दौरान भांगड़े पर जमकर नृत्य किया। लोगों ने आग में काले तिल, रेवड़ी समेत अन्य सामग्री डालकर परिजनों और बच्चों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। लोकगीत व संगीत के के बीच बड़ों का आशीर्वाद भी लिया। देर रात तक कार्यक्रम चलता रहा। नव विवाहिताओं और नवजात बच्चों वाले परिवारों के लिए भी लोहड़ी का खास महत्व रहता है। शिशु या विवाहित जोड़े की पहली लोहड़ी पर पूजन के बाद सभी बड़े-बुजुर्ग आशीर्वाद देते हैं और सुखमय जीवन की कामना करते हैं।

इस दौरान इंद्रजीत सिंह डिंपल ने लोहड़ी पर्व के पीछे की कहानी तथा इसकी विशेषताओं का उल्लेख किया। लोहड़ी कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज के प्रधान सतबीर सिंह राजा,त्रिलोक सिंह,गोलू ,राजेंद्र सिंह बंटी,भूपेंद्र सिंह,इंद्रजीत सिंह जॉली,हरदीप काकू, जसप्रीत के अलावा सैकड़ो की संख्या में सिख समाज के महिला पुरुष एकत्रित हुए थे। सभी ने लोहड़ी के अलावा की परिक्रमा की और ईश्वर से सुख संपदा और अच्छे गृहस्थ जीवन की कामना की।

दो बाइक की टक्कर में दो की मौत, दो गंभीर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगनर। जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में दो बाइक की टक्कर में दो लड़कों की मौत हो गई है, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों घायलों को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सभी मकर संक्रांति के मौके पर मेला घूमकर घर लौट रहे थे। मृत युवकों की पहचान 17 वर्षीय धीरज कुमार और मंदेया के रहने वाले 19 वर्षीय सरीकुश अंसारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि छतरपुर के खेंद्रा में मकर संक्रांति के मौके पर मेला का आयोजन किया गया था। मेला स्थल से एक बाइक छतरपुर की तरफ जा रही थी, जबकि दूसरी बाइक हुसैनाबाद की तरफ जा रही थी। खेंद्रा के इलाके में ही दोनों बाइक की आपस में टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गयी। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को छतरपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में भेजा, जहां धीरज व सरीकुश को मृत घोषित कर दिया गया। छतरपुर के थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में दो लड़कों की मौत हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में भेज दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार की सास जानकी देवी का निधन, शोक की लहर

मोहम्मदगंज। मोहम्मदगंज के कोलहुआ गांव में 13 जनवरी को वरिष्ठ पत्रकार और राष्ट्रीय नवीन मेल हिंदी दैनिक के स्थानीय संपादक राणा अरुण सिंह की सास जानकी देवी का निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकी देवी एक प्रतिष्ठित परिवार की सदस्य थीं और अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके पति साहेब राज सिंह असम के जागीरोड में फोरमैन के पद पर कार्यरत थे और सेवा निवृत्ति के बाद अपने पैतृक गांव में रहते थे। जानकी देवी के पांच पुत्र हैं, जो सभी प्रतिष्ठित नौकरियों में कार्यरत हैं। उनके असामयिक निधन पर गांव कोलहुआ सोनबरसा और मोहम्मदगंज क्षेत्र के कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की। 14 जनवरी को उनका अंतिम संस्कार कोयल नदी के तट पर विधि-विधान से किया गया। इस दुःखद घटना पर समाज के विभिन्न वर्गों ने परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

पलामू में बनी 'बाज इन बिहार' फीचर फिल्म का ट्रेलर हुआ लॉन्च

लोगों के आशीर्वाद से फिल्म रचेगी इतिहास : प्रवीण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के कलाकारों से सजी प्रवीण तिवारी फिल्म(पीटीएफ) बैनर तले निर्मित हिन्दी फिचर फिल्म 'बाज इन बिहार' का ट्रेलर ओम ब्रिक्स फार्म हाउस में लॉन्च किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े सभी कलाकार और अन्य लोग मौजूद रहे। ट्रेलर लॉन्च के दौरान फिल्म के निदेशक प्रवीण तिवारी ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों में फिल्म का चयन छह फिल्म फेस्टिवल में हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों का अगर सहयोग मिलेगा तो फिल्म जरूर इतिहास रचेगी। उन्होंने इस फिल्म के निर्माण का श्रेय स्थानीय लोगों तथा प्रशासन को भी दिया। मौके पर उपस्थित लोग ट्रेलर लॉन्च के दौरान काफी उत्साहित दिखे। लोगों ने कहा कि मुख्यतः पलामू और पूरे झारखंड के युवा फिल्मकार के लिए यह गौरव की बात है। पलामू जैसे छोटे और सुदूरवर्ती क्षेत्र में विषम परिस्थितियों के साथ हिंदी फीचर फिल्म का निर्माण करना और फिल्म फेस्टिवल में स्थान बनाना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। जानकारी के अनुसार जल्द ही यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। बताते चलें कि इस फिल्म के निमार्ता,निर्देशक सहित अभिनय करने वाले सभी कलाकार पलामू के ही अलग-अलग स्थानों के रहने वाले हैं। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसमें लोग जहां बॉलीवुड में बनने वाली फिल्म जैसा रोमांच दिखेगा, वहीं बिहार के वर्तमान हालात से फिल्म रूबरू कराएगी। फिल्म की सबसे अनूठी बात है कि इसकी शूटिंग पलामू के अलग-अलग लोकेशन पर हुई है। फिल्म के निमार्ता नवीन तिवारी ने बताया कि इस फिल्म के निर्माण के दौरान उन्हें सीमित बजट और संसाधन की वजह से काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके साथ सीमित उपकरणों का प्रयोग करके कुछ गुणवत्ता भी बनाए रखी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फिल्म अब तक के पलामू व झारखंड के इतिहास में काफी अलग और अनूठी होगी।

वेटरन्स डे पर कार्यक्रम का आयोजित

मेदिनीनगर। मंगलवार को वेटरन्स डे के उपलक्ष्य पर पलामू में रांची सेना मुख्यालय 123 इन्फेंट्री ब्रिगेड की 2/5 जीआर (एफएफ) यूनिट की सतत मिलाप टीम, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य और एनसीसी कैडेट्स द्वारा जिला स्कूल मैदान में पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर टीम की ओर से स्थानीय जिला स्कूल के प्रांगण में पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के लिए मेडिकल चेकअप कैंप और वीरांगना सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व सैनिकों के लिए जिला स्कूल के मैदान में ही मोबाइल सीएसडी कैंटीन भी उपलब्ध कराया गया। रांची से आए सतत मिलाप टीम के इंचार्ज नायब सूबेदार कुबेर पंत, नायब सूबेदार रूपेश थापा, ऑल 2/5 जी आर (एफएफ) टीम, ईसीएचएस डालटनगंज के ओआईसी कर्नल संजय श्रीवास्तव, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद पलामू के जिलाध्यक्ष दामोदर मिश्र, कार्यकारी अध्यक्ष शंभू सिंह, उपाध्यक्ष गिरवर प्रजापति, महासचिव दिनेश गुप्ता, कार्यकारी महासचिव सुनील कुमार सिंह, पूर्व प्रमंडलीय महा सचिव ब्रजेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष दयाशंकर शर्मा, पेंशन अधिकारी कामाख्या नारायण सिंह, प्रणव तिवारी, धीरेंद्र कुमार, प्रेमचंद शुक्ल, विकास तिवारी सहित सैकड़ों पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों की सहभागिता रही।

नगर निगम ने वार्ड 21 में कंबल का किया वितरण

मेदिनीनगर। नगर निगम आयुक्त जावेद हुसैन के निर्देश पर शहर के विभिन्न वार्डों में कंबल का वितरण किया जाना है। इस निर्देश के आलोक में नगर निगम की टीम निगम के वार्ड संख्या 21 में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। बताते चले कि नगर निगम आयुक्त द्वारा बढ़ते ठंड के प्रभाव से लोगों को बचाने के लिए कंबल वितरण करने का निर्देश दिया गया है। सिटी मैनेजर शाहीद हसन ने बताया कि सभी वार्ड के जमादारों को इस बाबत जरूरतमंदों की सूची बनाकर निगम को सौंपने का आदेश दिया गया है। उसके बाद सत्यापन कर उन्हें कंबल वितरित किया जाएगा। इस दौरान त्रुटि होने पर संबंधित कर्मी के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। कंबल वितरण के दौरान जमादार विशुन राम, इश्तियाक शाह व अन्य निगम कर्मी उपस्थित थे।

मानवाधिकार परिषद ने खिचड़ी व बिस्कुट का किया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद की जिलाध्यक्ष संध्या देवी व टीम के सहयोग से मकर संक्रांति के उपलक्ष्य पर डालटनगंज रेलवे स्टेशन व आंबेडकर पार्क में लोगों के बीच प्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण किया गया। इस दौरान असहाय लोगों के बीच कपड़ा, बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया। मानव अधिकार परिषद के जिला अध्यक्ष संध्या देवी ने बताया कि उनकी टीम हमेशा सामाजिक दायित्वों का निर्माण करते रहती है। इसके पूर्व भी ठंड में जरूरतमंद लोगों के बीच में कंबल बांटने का कार्य किया गया था। परिषद की सचिव चंचला देवी ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच प्रसाद तथा अन्य जरूर कि वस्तुओं का वितरण करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर कपड़े एवं बिस्कुट आदि प्राप्त कर जरूरतमंद लोग काफी खुश दिखे। मौके पर उपाध्यक्ष डॉ. सीमा कुमारी,चेयरपर्सन बलिराम शर्मा, महासचिव महेंद्रनाथ शर्मा, महिला विंग महासचिव मंजू कुमारी,सचिव चंचला देवी, संयुक्त सचिव किरण कुमारी,कोऑर्डिनेटर शीला कुजूर, सदस्य एसतोरा देवी,अंकित कश्यप आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी, की पूजा-अर्चना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मकर संक्रांति के अवसर पर मेदिनी नगर में भी हजारों लोगों ने कोयल अमानत सहित अन्य प्राकृतिक जलाशयों में आस्था की डुबकी लगाई। भीषण ठंड होने के बाद भी आस्था ठंड पर भारी पड़ी। इस दौरान स्नान के बाद लोगों ने दान पुण्य भी किया। भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर लोगों ने जहां तिल का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं मकर संक्रांति के दिन चूड़ा दही तथा तिलकुट खाने की परंपरा का भी निर्वाह किया। मकर संक्रांति के अवसर पर शहर के सभी मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर में पूजा पाठ करने के पश्चात लोगों ने दान भी किया। शहर के कई स्थानों पर मकर संक्रांति के अवसर पर चूड़ा, दही, तिलकुट तथा खिचड़ी का प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। कोयल नदी के तट पर पूर्वडीहा सहित कई स्थानों पर मेले का भी आयोजन किया गया। मेले में जहां एक और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, वहीं लोगों ने स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठाया। पंडित मनीष मिश्रा के मुताबिक ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन प्राकृतिक जलाशय में डुबकी लगाकर वहां दीन दुखियों को तिल का दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर जाता है। उन्होंने बताया कि सूर्य के धुन से मकर राशि में जाने से खरमास भी समाप्त हो जाता है और शुभ कार्य प्रारंभ हो जाता हैं।

मकर संक्रांति : लोगों ने कोयल नदी में लगाई आस्था की डुबकी

श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पूजा अर्चना की

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। मकर संक्रांति के अवसर पर पवित्र कोयल नदी में लाखों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई। अमृत स्नान कर दान-पुण्य करने के लिए मझिआंव प्रखंड के विभिन्न कोयल नदी घाटों पर हजारों भक्तों ने स्नान किया। सूर्योदय से ही कोयल नदी तट पर महिलाएं-पुरुष ही नहीं बच्चों में भी स्नान करने के लिए जैकेट,स्वेटर में लिपटे अपने निकट के नदी में आस्था की डुबकी लगाया। तत्पश्चात अपने-अपने क्षेत्र के स्थानीय मंदिरों में पूजा अर्चना की। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर मकर संक्रांति का पर्व मनाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इस अवसर पर स्नान करने के बाद गरीबों में अन्न, वस्त्र के साथ तिलकुट,चूड़ा,लाई आदि दान किया गया। इसके बाद तिलकुट, दही लाई,चूड़ा आदि ग्रहण किया। बूढ़ीखांड हनुमान मंदिर परिसर में पांच दिवसीय मेला का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिन ही श्रद्धालुओं प्रातः 8:00 बजे से ही मेला में आना शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले मेला में आने के पश्चात बाबा बजरंगबली का पूजा अर्चना किया। पूजा सामग्री में धूप अगरबत्ती नारियल चुनरी आदि कई प्रकार के चढ़ावा चढ़ाया तत्पश्चात हनुमान जी का सच्चा दर्शन किया इसके बाद पहाड़ों के शिखर पर विराजमान देवों में देव महादेव पहाड़ों की पगडंडी रास्तों से लोगों ने चढ़कर उनका दर्शन किया। ज्ञात होगी मेला में आए श्रद्धालुओं ने अपनी जरूरतमंद के अनुसार अन्य प्रकार की सामग्रियां खरीदी। खासकर मेला में जलेबी पकौड़ी तथा बच्चों के खिलौने वाले दुकानों पर अधिक भीड़ देखा गया। वही मेला में आए ब्रेक डाउन झूला, ट्रेन जहाज जंपिंग अन्य प्रकार की खेल सुविधाओं पर चढ़कर लुफ्त उठाया। मेला में संध्या 5:00 बजे तक मेला में देखने आए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के तहत जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर मेराल प्रखंड मेला में आए लोंगो तथा वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। इसके तहत बाइक चलाने वक्त हेलमेट का प्रयोग जरूर करने,नाबालिग को वाहन चलाने की अनुमति नहीं देने, गति सीमा को पार नहीं करने, हिट एंड रन व गुड सेमिरिटन योजना के बारे में भी जागरूक किया गया। बताया गया कि सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन जरूर करें। सभी लोगों से अनुरोध किया कि कभी भी दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को देखने पर आगे बढ़कर दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को मदद करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधन संजय बैठा आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के हाई स्कूल के समीप अनियंत्रित हो कर बाइक गिरने से चालक समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों में थाना क्षेत्र के अरसली निवासी राजन बैठा, सगमा निवासी आशीष बैठा का नाम शामिल हैं। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉ. जी प्रसाद ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि सामने से आ रहे बाइक को देख कर अनियंत्रित हो कर बाइक गिरने से दोनों घायल हो गए।

युवाओं को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता: विधायक

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनन्त प्रताप देव ने बनिहार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास और युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनके पिता भैया शंकर प्रताप देव ने एशिया का सबसे बड़ा क्रशर प्लांट लगाकर क्षेत्र के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया था। उन्होंने दावा किया कि उनका सपना भवनाथपुर में पावर प्लांट स्थापित करना है और इसे पूरा किए बिना वह चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा, क्षेत्र के युवाओं, और बहनों को रोजगार से जोड़ना मेरी प्राथमिकता है। जनता ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया है। वह उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। विधायक ने केंद्र सरकार पर झारखंड सरकार के 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया रखने का आरोप लगाया, जिससे वृद्धा पेंशन और अन्य योजनाओं को लागू करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर यह राशि मिल जाए, तो किसी को रोजगार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। कार्यक्रम में झामुमो के कई नेताओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। विधायक ने क्षेत्र में रोजगार और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कनहर नदी तट पर मकर संक्रांति मेला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। थाना क्षेत्र के कनहर नदी के तट पर मकर संक्रांति के अवसर पर मेला का आयोजन किया गया। सुबह से ही कनहर नदी में आस्था की डुबकी लोगों ने लगाकर सूर्य देव को याद करते हुए, काला तील ,चावल, दाल, मुद्रा के मिश्रण को स्पर्श करते हुए दही चूड़ा, लाई, मीठे गुड़ के मिष्ठानों को ग्रहण करते हैं। कनहर नदी तट पर जगह-जगह खिचड़ी बनाकर एक दूसरे को वितरण किया। साथ ही अपने परिवारों के साथ नदी तट पर बैठकर मकर संक्रांति मेला का आनंद लिया। मेला में लगभग आठ से दस हजार लोगों की भीड़ थी। आस्था के पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर कनहर नदी तट पर ऐतिहासिक भीड़ हर वर्ष उमड़ती है। धुरकी प्रखंड क्षेत्र के टाटीदीरी, रक्सी, खाला, खुटीया, भंडार अंबाखोरिया, गनियारी, महुली, विंढ़मगंज, कोरगी, डुमरा, पोलवा सहित दर्जनों गांव के ग्रामीण व झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के भी लोग इस मेला में अपने परिवारों के साथ मकर संक्रांति का त्यौहार मनाने आते हैं और मेला का लुफ्त उठाकर चले जाते हैं। मेला में अत्याधिक भीड़ के सुरक्षा के लिए धुरकी थाना सर्कल के अंतर्गत आने वाले सभी थानों से पुरूष, महिला पुलिस व पीएसी बल कनहर पुल के दोनों तरफ व मेला में जगह जगह सुरक्षा के दृष्टिकोण से मौजूद थे। मेला में बच्चों के खिलौना, चाट, छोला, बादाम पिज्जा मिष्ठान की दुकान की दुकान जगह-जगह लगी थी। मेला में लोगो ने जमकर खरीदारी की। मकर संक्रांति मेला में बच्चे युवा भी पतंग उड़ाते दिखे। मेला में सुरक्षा के लिए धुरकी थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने मोर्चा संभाल रखा था।

शहीद बनीहार बेदी पर पूर्व विधायक ने श्रद्धांजलि अर्पित किया

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड के भगवान घाटी में मंगलवार को 30 बनीहारों के बेदी पर 15वीं पुण्यतिथि व श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही ने बनीहारों के परिजनों व कार्यकर्ताओं के साथ शहीद बनीहार बेदी पर पुष्प अर्पित कर व मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम के बाद बनीहारों के परिजनों के बीच अंगवस्त्र और सैकड़ों गरीब, असहायों के बीच कंबल वितरण किया गया। पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही ने कहा कि आज ज्यादातर लोग भी अपने माता-पिता का पुण्यतिथि लगातार 15 वर्षों तक नहीं मनाते हैं, लेकिन आपका बेटा भानू प्रताप शाही 15 वर्षों से बनीहार बेदी पर आकर दो पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उन्होंने कहा कि विधायक अनंत प्रताप देव बनीहरों के घर जाकर 14 जनवरी के बजाय 13 जनवरी को ही श्रद्धांजलि देकर गरीब मजदूरों का उपहास उड़ानें का काम किया है। जब वह विधायक थे उस समय बनीहारों के परिजनों को मुआवजा नहीं दिलवा पाएं। उस समय मजदूरों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए मुआवजा भानू ने दिलवाने का काम किया। उन्होंने कहा की जिस दिन इस क्षेत्र के गरीब अपना और पराया समझ जायेंगे। उस दिन देश से मोदी और भवनाथपुर क्षेत्र से भानू प्रताप शाही कभी नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार में भ्रष्टाचार और अफसरशाही हावी है। मंईयां योजना के तहत महिलाओं को 2500 रूपए देकर मोटरसाइकिल का 5 हजार रुपए का चालान काटा जा रहा है। बुजुर्गो का पेंशन रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक जिंदा हैं तब तक बनीहार बेदी पर आकर श्रद्धांजलि अर्पित करते रहें। मौके पर पूर्व सासंद घुरन राम, भाजपा नेता दयानंद भगत, मनोज पहाड़ियां, ज्वाला प्रसाद, पंकज सिंह,विक्रमा सिंह, राजू सिंह,सोनू सिंह, रविन्द्र सोनी, विजयालक्ष्मी देवी, मुखिया मुंगा साह, आलोक तिवारी, गोरखनाथ चौधरी, उपेन्द्र दास, राजेश रजक, सिताराम जयसवाल संध्याकंर विश्वकर्मा, बैजू गुप्ता, अनिल पासवान, गुडन पासवान सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

एक नजर

भाजपा नेता के पुत्र का निधन, शोक

मेराल। हासनदाग गांव निवासी व भाजपा नेता विनय चौबे के 25 वर्षीय पुत्र पीयूष कुमार चौबे का आकस्मिक निधन होने से लोगों में शोक व्याप्त है। उनका निधन चिनियां रोड में मंगलवार की सुबह 6 बजे हो गया। मृत्यु की खबर सुनते ही परिजनों व शुभचिंतकों का सांत्वना देने के लिए तांता लगा रहा। मृतक का अंतिम संस्कार पैतृक गांव हासनदाग के यूरिया नदी के तट पर किया गया। अग्नि संस्कार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मृतक पीयूष नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में फाइनल ईयर का छात्र था। लोगों ने बताया कि चार माह से गंभीर असाध्य बीमारी के चपेट में आने से टाटा मेमोरियल मुंबई में इलाज चल रहा था। पैतृक गांव हासनदाग पहुंचकर संत्वना देने वालों में विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी उर्फ रिंकू तिवारी, ओमकार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, राम उदार पाण्डेय ,कांग्रेसी नेता श्रीकांत तिवारी,व्यवसाई अनु दुबे ,भुट्टकुन बाबू ,बंशीधर नगर से मुकेश चौबे, सोनू दुबे, जितेंद्र चौबे ,अनिल कुमार, मुखिया अनिल चौधरी, प्रतिनिधि हरेंद्र चौधरी,अनंत दुबे, विजय प्रसाद गुप्ता चंद्रमणि पाठक विजय प्रसाद महेंद्र सिंह सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

हर्षोल्लास के साथ मना मकर संक्रांति

डंडई । प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मंगलवार को मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। उक्त अवसर पर शुभ मुहूर्त में लोगों ने स्नान करना शुरू कर दिया गया। इस दौरान कई लोगों को अपने-अपने घर के चापानल और कुआं पर स्नान करते देखा गया। कई लोगों को दानरो नदी में स्नान किया। उसके बाद घर में बनाया तील का तिलुआ और चावल जुड़ा, मकई का लाई मंत्र उच्चारण के बाद ग्रहण किया। हडहवा दामर, उरीया नदी, राधा कृष्ण मंदिर व केहुनियां आदि जगहों पर लगे मेला में बच्चों ने खिलौने की खूब खरीदारी की।

मेला का ग्रामीणों ने उठाया लुत्फ

मेराल। प्रखंड के बाना गांव सर्फदाहा उरिया नदी पुल के पास मकर संक्रांति पर मेला का आयोजन किया गया। मेला में बाना, लखेया, गोंदा, रेजो, हासनदाग, गेरुआ, कजराठ, देवगाना, हारादाग, मेराल, करके सहित दर्जनों गांवों के हजारों महिला व पुरुष भाग लिया। मेला में आए लोगों ने बताया कि सर्फदाहा पुल शिव बाबा स्थान पर प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में विवाह कार्यक्रम संपन्न होता है। लगभग 50 वर्ष पूर्व से ही यहां पर विशाल मेला लगता है। मेला में आने वाले लोग विधि विधान से शिव बाबा के पूजन करने के बाद खरीदारी करते हैं। मेला का लुत्फ उठाते है। इस मेला में लाखों रुपए का कारोबार होता है।

विधायक ने किया मकर संक्रांति मेला का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रमना। मंगलवार को सिलिदाग पंचायत अंतर्गत पर्यटन स्थल के रूप में घोषित चांदराज पहाड़ी पर मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले मेला का उदघाटन विधायक अनंत प्रताप देव, जिप अध्यक्षा शांति देवी,जेएमएम के केंद्रीय सदस्य ताहिर अंसारी, सिलिदाग मुखिया अनीता देवी, रमना मुखिया दुलारी देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर जेएमएम विधायक अनंत प्रताप देव ने मेला आयोजन समिति को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही करीब 50 वर्ष पूर्व से चले आ रहे यह मेला जो बीच में बंद हो गया था। उसे फिर से चालू करने के लिए बनारसी ठाकुर,मंतोष चंद्रवंशी गोपाल साह की तारीफ की। कहा कि पहाड़ी की चोटी पर स्थित बाबा चांद राज से हिन्दुओं और इस क्षेत्र के सभी लोगो के लिए आस्था का केंद्र है, जहां मकर संक्रांति के अवसर पर मेला लगा है। इस पहाड़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए मेला कमंटी के साथ बैठकर इस संबंध में कारगर पहल किया जायेगा। ताहिर अंसारी ने कहा कि इस प्रखंड के दो स्थान एक जिरुआ जलाशय और यह चांद राज पहाड़ी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो जाने से इस प्रखंड और इस क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही पालायन पर भी रोक लगेगा। मेला को जिप अध्यक्षा, सिलिदाग मुखिया रमना मुखिया और प्रमुख पति अजित कुमार,ने भी सम्बोधित किया। साथ ही सभी जनप्रतिनिधियों ने संतोषी माता, शिव मंदिर और चाँद राज बाबा का दर्शन कर आशीर्वाद लिए।

गुरु सिंधु जलप्रपात पर मेला का आयोजन

चिनियां। प्रखंड के प्रसिद्ध गुरु सिंधु जलप्रपात पर्यटक स्थल पर मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को मेला का आयोजन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित हजारों की संख्या में लोग पहुंचे कर कनहर नदी के पवित्र जल में स्नान कर नदी के तट पर शिवजी का स्थापित पर जलाभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना कर श्रद्धालुओं ने की। इसके बाद दही चूड़ा, तिलकुट का प्रसाद चढ़ाया। मेला में सुरक्षा को लेकर थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात थे।

फुलवार धाम: गर्म कुंड में नहाने पहुंचे श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड के कैलान पंचायत के फुलवार गांव में मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर लगने वाला दो दिवसीय मेला के पहले दिन 14 जनवरी को फुलवार धाम पर गर्म कुंड नहाने पहुंचे दूर-दूर से लोग। हर साल की तरह इस वर्ष ज्यादा संख्या में लोगों का भीड़ देखने को मिला। बता दें कि फुलवार धाम शिव जी का स्थान है, जो यहां चारों दिशा में जंगल से गिरे हुए एक उच्च स्थान पर पहाड़ स्थित गर्म कुंड लोगों को आकर्षित करता है। दूर-दूर से नहाने और पूजा पाठ करने यहां लोग आते हैं। धर्मिक मान्यता के अनुसार इस गर्म कुंड में नहाने से अनेकों प्रकार के रोगों का नाश होता है। यहां पर ग्रामीणों की मदद से मंडप भी तैयार किया जा रहा है। सुरक्षा में थाने के एसआई निरंजन शर्मा के साथ पुलिस जवान सुरक्षा में लगे थे। फुलवार धाम कमेटी के लालनाथ यादव, ब्रजेश यादव, आलोक यादव,मनोज यादव, लाल विहारी कोरवा, निरंजन सिंह, दिलीप यादव, धर्मेंद्र यादव, नरेश कोरवा, अशोक यादव, विजय कोरवा, सुखाडी सिंह, गोपाल कोरवा सहित कई लोग मेला को सफल बनाने में लगे हुए हैं। यह मेला दो दिनों तक लगता है।

सर्तकता

वन विभाग ने ग्रामीणों को किया जागरूक

हाथियों से सावधान रहने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना क्षेत्र के तांडिल गांव में हाथी से सुरक्षा को लेकर कार्यक्रम के तहत दूसरे राज्य से आए विशेषज्ञ द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किया गया। हाथी से बचाव को लेकर लोगों को कई तरह का टिप्स बताया गया। मौके पर गढ़वा दक्षिणी वन प्रमंडल पदाधिकारी एविन अब्राहम बेनी मौजूद थे। कर्नाटक के डॉक्टर रुद्रा आदित्य ने हाथी से बचाव को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया। कार्यक्रम हाथी से लोगों की सुरक्षा के लिए आयोजित की गई थी। इस दौरान रुद्रा आदित्य ने बताया कि जंगल के किनारे गांव व खेत होने के कारण हमेशा हाथियों का खतरा बना रहता है, जिससे सुरक्षा के लिए सतर्कता बहुत जरूरी है। घर के आस-पास सफाई रखें। उजाले की व्यवस्था के साथ हाथी दिखने पर उसके साथ छेड़छाड़ नहीं करते हुए इसकी सूचना तुरंत वन विभाग के कर्मियों को देने की बात कही। कहा कि हाथी भगाते समय निश्चित दूरी बनाए रखें। अपने हाथों में मशाल जलाकर व मिर्ची पाउडर का उपयोग करने सहित कई महत्वपूर्ण बातों की जानकारी ग्रामीणों को दी। वन प्रमंडल पदाधिकारी एवीन अब्राहम बेनी ने कहा कि चिनियां वन क्षेत्रों में हाथी लगातार विचरण कर रहें हैं और कभी भी गांव में पहुंच सकते हैं। इसलिए लोग सतर्क रहें, बेवजह में जंगलों की ओर न जाएं। अगर हाथी दिखने तुरंत इसकी सूचना वन कर्मियों को देने व शराब की हालत में तो बिलकुल जंगलों की ओर नहीं जाने की बात कही,क्योंकि हाथी को शराब की गंध आकर्षित करती है। हाथी को भगाते समय अपनी दूरी जरूर बनाए रखें। हाथी भगाते समय अपने दाएं बाएं भी जरूर देखें। मौके पर मुखिया चिंता देवी, मुखिया प्रतिनिधि चरकू परहिया, प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार, वन कर्मी प्रेमचंद दास, हेमंत तिर्की, विपिन मेहता, राधेश्याम प्रसाद सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद थे।

जनता का निर्णय सर्वोपरी: रामचंद्र चंद्रवंशी

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी ने प्रेसवार्ता में अपने राजनीतिक सफर और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जनता के सहयोग और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। चंद्रवंशी ने चार बार विधायक बनने और दो राज्यों में मंत्री पद पर काम करने का श्रेय जनता के आशीर्वाद को दिया। चुनावी हार पर चंद्रवंशी ने कहा, लोकतंत्र में हार-जीत स्वाभाविक है। जनता का निर्णय सर्वोपरि है। उन्होंने उम्र का हवाला देते हुए चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का निर्णय लिया, लेकिन समाजसेवा और विकास कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। सतबहिनी झरना के विकास को लेकर चंद्रवंशी ने कहा कि अपने कार्यकाल में मैंने जितना संभव था, विकास कार्य किए। अब इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी नए विधायक पर है। यदि जनता को मेरी आवश्यकता होगी, तो मैं हमेशा सहयोग के लिए तैयार हूं। उन्होंने विश्रामपुर और मझिआंव को अनुमंडल बनाने की जरूरत बताई। कहा कि 102 योजनाओं का शिलान्यास क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी नरेश प्रसाद सिंह की जीत को स्वीकारते हुए उन्हें जनता के निर्णय का सही प्रतिनिधि बताया।

मकर संक्रांति पर बलबल गर्म कुंड में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

- 15 दिवसीय पशु मेला का जिप अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को प्रखंड के बलबल में स्नान दान को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। यहां श्रद्धालुओं ने गर्म जलकुंड में स्नान किया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चूड़ा, गुड़, दही व तिलकुट का सेवन किया। इसके पूर्व यथा शक्ति ब्राह्मणों को दान भी दिया गया। मंगलवार को 65 हजार श्रद्धालुओं ने गर्म जलकुंड में स्नान किया और माता बागेश्वरी के मंदिर में मत्था टेका। श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह तीन बजे से ही पहुंचने लगी थी। पास के लीलाजन नदी में लोगों की भीड़ देखी गई।

दोपहर तक संपूर्ण मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से पट गया। मेला में झारखंड, बिहार, बंगाल सहित अन्य प्रदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचे थे। छह दशक से लग रहा बलबल में मकर संक्रांति के मौके पर पशु मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला का शुभारंभ चतरा के चतरा के पूर्व विधायक सह दुआरी के पूर्व मुखिया स्व. महेंद्र सिंह भोक्ता, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष कपिल कुमार सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार जवाहर लाल अग्रवाल, बालेश्वर प्रसाद कुशवाहा, पूर्व शिक्षक विजय कुमार सिन्हा, हाजी ताज मोहम्मद व पत्थलगड़ा की मुखिया सहित अन्य लोगों के सहयोग से किया गया था। प्रारंभ में मेला में काफी कम भीड़ लगती थी।

परंतु दस से बारह वर्ष के बाद इसका विस्तार हो गया और अब यहां वृहद पैमाने पर खरीद बिक्री होती है। यहां पर झारखंड-बिहार के अलावा बंगाल, उत्तरप्रदेश, ओडिशा, मध्य प्रदेश,हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों से व्यापारी खरीद बिक्री के लिए पहुंचते हैं। मेला में चार सौ के करीब अस्थायी दुकानें लगी हैं।

जिप अध्यक्ष ने किया मेला का उद्घाटन

मकर संक्रांति के अवसर पर बलबल के गर्म जलकुंड में 15 दिवसीय पशु मेले का उदघाटन जिप अध्यक्ष ममता कुमारी,जिप सदस्य अनीता देवी, प्रमुख अनीता यादव, पूर्व विधायक जयप्रकाश सिंह भोक्ता व मुखिया जगदीश यादव ने माता बागेश्वरी को आरती दिखाकर व नारियल तोड़कर किया। मेला के पहले दिन पशु व्यापारियों ने जमकर खरीद-बिक्री की।

मेला में बच्चों ने हिडोला, ब्रेक डांस सहित अन्य झूलों का लुत्फ उठाया। मेला की सुरक्षा व्यवस्था पुलिस इंस्पेक्टर अवधेश सिंह, थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता संभाले हुए हैं।

मौके पर वरीय पदाधिकारी देवंती देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव,अंचल अधिकारी अनंत शयनम विश्वकर्मा, अध्यक्ष दीपेंद्र पांडेय, निर्मल गोप, कलियुग गोप, बिदेश्वरी यादव, सुरेश प्रसाद यादव, पूर्व मुखिया जवाहर यादव,जवाहर अग्रवाल, शशि कुमार गुप्ता, अजय अग्रवाल, निर्मल गोप सहित अन्य उपस्थित थे। प्रखंड के बलबल में मकर संक्रांति के मौके पर लगने वाला 15 दिवसीय पशु मेला का विधिवत उद्घाटन सांसद कालीचरण सिंह, विधायक कुमार उज्ज्वल, सदर विधायक जनार्दन पासवान व हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद को करना था, परंतु सांसद व कोई भी विधायक मेला के उद्घाटन में नहीं पहुंचा।

गाड़ियों की लगी लंबी कतारें

पत्थलगड़ा (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत बलबल में लगे मेला का असर बलबल पहुंचने वालें सड़कों पर भी देखने को मिल रहा है। गिद्धौर से लगभग 15 किलोमीटर बलबल, पत्थलगड़ा, हजारीबाग के कटकमसांड़ी के सड़कों पर भी दिखा। दिनभर मेले के कारण अहले सुबह से देर रात तक भारी संख्या में वाहनों का आवागमन होते रहा। गिद्धौर चौक में बलबल तक 15 किलोमीटर सड़क पर मेले का असर वाहनों के परिचालन में दिखा। दूसरी ओर देर शाम गिद्धौर मैन चौक से बड़की नदी, चतरा रोड में सलिमपुर तक चार पहिया, तीन पहिया व बस की लंबी कतारें घंटों तक लगी रही।

चोरी का पशु बरामद

गिद्धौर (चतरा)। सदर थाना क्षेत्र के असढ़िया गांव से सोमवार की रात रघु साव की एक पशु की चोरी हो गई थी। चोरी पशु की बरामद गिद्धौर थाना क्षेत्र के किरकिरा गांव निवासी मो.अब्दुल रहमान पुत्र मो. जुलकर नैन के घर से किया गया। सूचना मिलते ही गिद्धौर पुलिस किरकिरा गांव पहुंची और घटना की विस्तृत जानकारी लिया। बताया गया कि असढ़िया गांव के विशेश्वर यादव के पुत्र आदित्य यादव पशु को चोरी कर किरकिरा गांव के मो. जुलकर नैन में के पास 7500 रुपया में बेचा था। पशु चोरी होने के बाद पीड़ित परिवार द्वारा खोजबीन शुरू कर दी गई। मंगलवार को अपना पशु किरकिरा गांव में देखा। इसके पश्चात गिद्धौर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस चोरी गए पशु को जब्त कर लिया।

मोरशेरवा मंदिर सपरिवार पहुंचे एसपी

नवीन मेल संवाददाता

पत्थलगड़ा(चतरा)। मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को जिले के पुलिस अधिक्षक विकास कुमार पांडेय सपरिवार पत्थलगड़ा के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल व पर्यटक स्थल देवी स्थान व नावाड़ीह के मोरशेरवा मंदिर पहुंचे। माता के मंदिर पहुंचकर एसपी सपरिवार पूजा अर्चना कर अपने परिवार व जिले के सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर के विधि व्यवस्था की जानकारी लिया। मोरशेरवा पहाड़ी पर मकर संक्रांति के अवसर पर चूड़, तिलकुट, दही और गुड़ का आनंद लिया। साथ ही बलबल मेल में अवागमन को लेकर पत्थलगड़ा थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया। मौके पर पूर्व मुखिया मेघन दांगी, महादेव साव, नरेश प्रसाद, महावीर प्रसाद, महेंद्र ठाकुर, निराशों देवी, सबित देवी, बसंती देवी के अलावे भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मकर संक्रांति पर श्रद्धालु समेत अधिकारियों ने की पूजा-अर्चना

नवीन मेल संवाददाता

इटखोरी (चतरा)। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ स्थली माता भद्रकाली मंदिर में मकर संक्रांति पर श्रद्धालु पूरे दिन पूजा-अर्चना कर चूड़ा-गुड़ व तिलकुट का भी आनंद लिया। मकर संक्रांति पर उपायुक्त रमेश घोलप ने भी सपरिचार माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना की और जिले वासियों के लिए सुख-शांति की कामना की। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि 19, 20 व 21 फरवरी को होने वाला इटखोरी महोत्सव इस वर्ष ऐतिहासिक होगा। इसके लिए जल्द ही तैयारी शुरू कर दी जाएगी। अवैध खनन को लेकर उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन को लेकर कार्रवाई जारी रहेगा। इसके लिए टीम बनाकर कार्रवाई की जा रही है। अभी अभी मयूरहंड में बालू के भंडारण को जब्त कर 10 लोगों पर मुकदमा भी किया गया है। जबकी माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना के के लिए अहले सुबस सेही श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी हुआ जो देर शाम ताक जारी रहा। वहीं मकर संक्रांति को लेकर माता भद्रकाली का दरबार दिन भर श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। पूजा के क्रम में उपायुक्त के साथ सीओ सबिता कुमारी, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह, प्रबंधन समिति के सदस्य रामदहिन सिंह, रतन शर्मा, सुरेंद्र सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

कोयला साइडिंग से रैक लोडिंग कार्य शुरू

चंदवा। टोरी शिवपुर रेल लाइन स्थित बीरा टोली कोल साइडिंग में मंगलवार से कोयले का रैक लोडिंग कार्य का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना के बाद किया गया। रैक लोडिंग का काम कर रहे युवराज कंस्ट्रक्शन के धीरज जायसवाल के नेतृत्व में विधिवत पूजन के उपरांत रैक में कोयला लोडिंग का कार्य शुरू कर दिया गया। मौके पर श्री जायसवाल ने बताया कि रैक लोडिंग का कार्य शुरू होने से बड़ी संख्या में लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। जहां एक ओर चंदवा में दो-दो पावर प्लांट शुरू होने से पहले ही बंद हो गये, जिससे क्षेत्र के लोगों का रोजगार के सपने चकनाचूर हो गये थे। ऐसे में बिराटोली कोल साइडिंग खुलने से यहां के लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। गोदावरी कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया कि बीरा टोली से पहली रेक भुरकुंडा के लिए भेजी जा रही है। मौके पर गोदावरी कमोडिटीज के प्रतिनिधि युगल कपूर के अलावा शितमोहन मुंडा, मो. इजहार, मनोज पाठक, राजेन्द्र उरांव, ब्रह्मदेव प्रजापति, डब्लू प्रजापति,आरिफ खान,रेलवे अधिकारी समेत सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

सीओ व मुखिया ने बिरहोर परिवारों के बीच किया चूड़ा, तिलकुट का वितरण

नवीन मेल सवाददाता

पत्थलगड़ा (चतरा)। मंगलवार को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह पंचायत अंतर्गत शीतलपुर टोला में निवास करने वाले बिरहोर परिवारों के बीच अंचलाधिकारी उदल राम व मुखिया संदीप सुमन के संयुक्त रूप में चूड़ा, तिलकुट व गुड़ का वितरण कर मकर संक्रांति का पर्व मनाया। अंचलाधिकारी ने बताया कि हर सुख-दुःख में क्षेत्र के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कर्मी बिरहोर परिवारों को हर संभव मदद के लिए तैयार रहते हैं। प्रत्येक त्योहार व कार्यक्रमों में प्रतिनिधि इनके निवास स्थान पर पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होकर हर संभव मदद करने के साथ सहयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि शीतलपुर में बिरहोर परिवारों की संख्या 28 है। मौके पर समाज सेवी तुलसी महतो, सहायक शिक्षक देवकी राम दांगी, लालू बिरहोर, सोना बिरहोर, शुक्र बिरहोर, सरती देवी, रंजू देवी बबीता देवी आदि बिरहोर पिरवार के लोग उपस्थित थे।

चूड़ीहार वेलफेयर ट्रस्ट का रक्तदान शिविर आज

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। झारखंड चूड़ीदार वेलफेयर ट्रस्ट के बैनर तले बुधवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रांची के कांटाटोली स्थित मन्नत बैंक्विट हॉल के प्रांगण में आयोजित रक्तदान शिविर में ट्रस्ट के कई पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होकर अपना रक्तदान करेंगे। यह जानकारी झारखंड चूड़ीदार वेलफेयर ट्रस्ट के प्रदेश कोषाध्यक्ष बालूमाथ निवासी मो. जफर आलम ने दी। बताया कि रक्तदान कर किसी की जान बचाना पुण्य का कार्य है। झारखंड बिहार राज्य के प्रभारी मो. रफी एवं झारखंड चूड़ीदार वेलफेयर ट्रस्ट के संस्थापक मो इरफान, प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद, सचिव फिरोज हसन नायब, मो.असलम के साथ साथ ट्रस्ट के कई सदस्यों के नेतृत्व में यह ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। ब्लड डोनेशन कैंप में झारखंड सरकार के कई मंत्री, विधायक शामिल रहेंगे। मौके पर बालूमाथ, हेरहंज, बारियातू प्रखंड के मो. मिस्टर, मो. जलालुद्दीन, मो. अफरोज, मो. जसीम, गुलाम साबरी, मो. जुबैर, मो. अलीम,मो. दानिश, मो. इरशाद, मो. निकाइल, मो. इम्तियाज, मो. सरफराज, मो. जमील सहित समाज के कई लोग रक्तदान शिविर में पहुंचकर अपना रक्तदान करेंगे।

न्यूज बॉक्स

मजदूर रास्ते से लापता, विधायक व उपायुक्त से सकुशल वापसी की मांग

बारियातू। थाना क्षेत्र के अमरवाडीह फूलबसिया गांव के विनोद गंझू पिता महादेव गंझू मजदूरी करने जा रहे थे, लेकिन रास्ते से ही लापता हो गए हैं। महिला ने विधायक व उपायुक्त से पति के सकुशल वापसी की मांग की है। लापता व्यक्ति की पत्नी सुनीता देवी ने बताया कि पति गांव के कुछ अपने साथियों के साथ मजदूरी करने के लिए छत्तीसगढ़ निकले थे। अचनाक शनिवार शाम को उन्होंने फोन पर सूचना दिए कि हम घर वापस लौटकर आ रहे हैं। कुछ देर तक बातचीत हुई उसके बाद से उनका मोबाइल स्वीच ऑफ आ रहा है, जिससे अनहोनी होने की आशंका हो रही है। सोमवार को अपने भतीजे मंजय गंझू के साथ थाना जाकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन थाना में आवेदन भी स्वीकार नहीं की गयी। बताया की गांव की गरीब व अशिक्षित महिला हैं। पति आर्थिक तंगी के कारण बाहर मेहनत मजदूरी कर भरण पोषण करने के लिए बाहर मजदूरी के लिए जा रहे थे। मेरे चार बच्चे हैं। पति की लापता होने से पूरा परिवार परेशान हैं।

जरूरतमंदो के बीच कंबल का वितरण

बारियातू। प्रखंड के शिबला पंचायत अंतर्गत ग्राम मकरा, कुशमाहा, बेसरा सहित विभिन्न टोला मुहल्ला में ग्राम प्रधान दिलीप सिंह व समाज सेवी डब्लू सिंह द्वारा असहाय व जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरण किया। समाज सेवी डब्लू सिंह ने कहा की कड़ाके की ठंड को देखते हुए चतरा सांसद कालीचरण सिंह द्वारा कंबल उपलब्ध कराया गया था। कंबल सभी जरूरतमंदो के बीच प्रथमिकता के तहत बांट दिया गया। कंबल गरीब, असहाय, दिव्यांग वृद्ध के बीच सभी पंचायतों में वितरण किया जा रहा है।

पांचवी अनुसूची को लेकर विचार गोष्ठी का आयोजन

बारियातू। प्रखंड के सरना देवस्थल सरहुल मांडर के प्रांगण में एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता खरवार भोगता विकास संघ के अध्यक्ष प्रेम गंझू ने की। संचालन राजू रामवृक्ष लोहरा ने किया। बैठक में ज्वलंत व ताकाबन राजकीय व राज्य के अंतिम शासनिक, प्रशानिक इकाई ग्राम स्तरीय सामानिक व संवैधानिक व्यवस्था को लेकर चर्चा की। पांचवी अनुसूचित क्षेत्र के पेसा अधिनियम 1992-93 पीपेसा विस्तार अधिनियम 1996, झारखंड पंचायत राजा अधिनियम 2001, झारखंड पंचायत राज अधिनियम, झारखंड पंचायत उपबंध, अनुसूचित पर विस्तार नियमावली-2022 वरिष्ठ अन्य सभा व बैसल में जनहित, राज्य हित, आदीवासी हित में सर्वसम्मत विचार किया गया। मौके पर फूलदेव लोहरा,मनोज लोहरा, प्रवीण लोहरा, प्रवीण लोहरा, कुलदीप भोगता, विनय भोगता, उमेश गंझू, बब्लू गंझू, दिलीप लोहरा सहित अन्य मौजूद थे।

वाहन चेकिंग अभियान में 99500 हजार रुपए का चालान काटा

बारियातू। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार बारियातू थाना व एमवीआई के संयुक्त कार्रवाई के क्रम में बारियातू थाना के सामने एनएनएच पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि बढ़ते सड़क दुर्घटना व सड़क सुरक्षा के मद्देनजर बारियातू थाना गेट के सामने उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान टैफिक नियमों का उल्लंघन, बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन नहीं रखने वालों विरुद्ध करवाई की गई। कुल 99500 रुपए का चालान काटा गया।

आरएसएस ने मनाया मकर संक्रांति उत्सव

चंदवा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चंदवा प्रखंड ने स्थानीय हाई स्कूल खेल स्टेडियम में शाखा लगाकर मकर संक्रांति उत्सव मनाया। मकर संक्रांति उत्सव में बौद्धिक के रूप में संघ के नरेश प्रसाद शामिल हुए। उन्होंने मकर संक्रांति के प्राचीन इतिहास का वर्णन किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राजेश चंद्र पांडेय ने सनातन संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दिन सनातन धर्म के लिए महपूर्ण दिन हैं। आज भगवान सूर्य उतरायण हो गये हैं। आज से सभी मांगलिक कार्य शुरू किये जा सकते हैं। कार्यक्रम में प्रखंड कार्यवाह डॉ. अनिल ने शाखा लगाया। उसके बाद सभी ने चूड़ा,गुड़,तिलकुट का आनंद लिया। कार्यक्रम में नरेंद्र अग्रवाल,गोविन्द अग्रवाल,जयेश वरु,रमण महतो,बबलू सोनी,अंकित कुमार,मोहिनीश कुमार,नमन वरु,सौरभ पांडेय समेत बड़ी संख्या मे बाल व तरुण स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कोल वाहन ने दूसरे कोल वाहन में मारी टक्कर

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड के गांगपुर स्थित दतुआ आहार के समीप मंगलवार की सुबह एक खड़े कोल वाहन में दूसरी कोल वाहन अनियंत्रित होकर टक्कर मार दिया। जिससे दोनों वाहनों को काफी नुकसान हुआ है। टक्कर में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि गांगपुर के दतुआ आहार के समीप पहले से एक सड़क के किनारे कोल वाहन खड़ा था, जबकि दूसरा कोल वाहन टंडवा से कोयला लेकर कटकमसांडी जा रहा था। इस क्रम में वाहन अनियंत्रित हो गई और खड़े कोल वाहन से जा टकराई। जिससे दोनों कोल वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि किसी की भी इस घटना में हताहत होने की सूचना नहीं है। मौके पर पुलिस पहुंचकर घटना की तहकीकात किया। समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल से क्षतिग्रस्त वाहनों को नहीं हटाया गया था।

मकर संक्रांति पर लोगों ने स्नान व दान किया

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय समेत आस पास के क्षेत्रों में मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मौके पर श्रद्धालुओं ने अहले सुबह शहर के विभिन्न जलाशयों मे स्नान किया। औरंगा नदी समेत आस पास के कई नदियों में श्रद्धालुओं को स्नान करते देखा गया। शहर से सटे ततहा गरम जल स्त्रोत में भी लोगों को स्नान करते देखा गया। लातेहार से दुमुहान नदी में भी जा कर कई लोगों ने स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान पुण्य किया। पूजा अर्चना की और चूड़ा, गुड़, दही व तिलकुट ग्रहण किया। सुबह से ही शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गयी। धर्मपुर स्थित शिव मंदिर, थाना चौक स्थित श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर में अहले सुबह से भी लोगों की कतार लगे थी। बाजारटांड़ स्थित शिव मंदिर, थाना चौक स्थित मनोकामना हनुमान मंदिर, मेन रोड स्थित ठाकुरबाड़ी, काली मंदिर, अंबाकोठी स्थित देवी मंडप, जुबली चौक व बिजली विभाग स्थित शिव मंदिर, बस स्टैंड समीप काली मंदिर, लघु सिंचाई विभाग स्थित सोमेश्वर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर दान किया। रेलवे स्टेशन क्षेत्र के सोमेश्वर शिव मंदिर और पंचमुखी मंदिर राजहार में भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गयी। मकर संक्रांति के दिन भी चूड़ा, गुड़ व तिल से बने सामग्रियों की खुब बिक्री हुई।

मकर संक्रांति पर पतंग प्रतियोगिता का आयोजन

लातेहार। मकर संक्रांति के अवसर पर लातेहार प्रखंड में ततहा गरम जल कुंड स्थल पर पर्यटन विभाग द्वारा पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पतंग प्रतियोगिता मे बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। खास कर बच्चों, किशोरों में पतंग प्रतियोगिता को ले कर खासा उत्साह देखा गया। पतंग प्रतियोगिता मे शावश्त को विजेता घोषित किया गया। सदर थाना के एएसआई मनीष राय और पर्यटन विभाग के जिला समन्वयक संजीत कुमार ने संयुक्त रूप से पुरस्कार प्रदान किया गया। मौके पर कई लोग मौजूद थे। बता दें कि पिछले कई वर्षों से ततहा में मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, इसमें काफी संख्या में लोग भाग लेते हैं। ततहा में गरम जल के कई कुंड हैं। यहां जमीन के अंदर से गरम पानी निकलता है। ठंड के मौसम में गरम जल कुंड में बैठ कर स्नान करना बहुत ही सुकून देता है। बताया जाता है कि यहां का पानी औषधीय गुणों से भरपूर है। यहां नहाने से चर्म रोग दूर होते हैं। ततहा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग वर्षों से की जा रही है।

मकर संक्रांति पर शिव माल्हनेश्वर धाम में जतरा का आयोजन

हमारे संस्कृति की पहचान है जतरा मेला : मुखिया

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माल्हन गांव के समीप मंगलवार को मकर संक्रांति के अवसर पर शिव माल्हनेश्वर स्थान के समीप जतरा मेला का आयोजन किया गया। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे माल्हन पंचायत के मुखिया जतरू कुमार मुंडा का मेला समिति द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। मेला का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। मुखिया जतरु मुंडा द्वारा शिव माल्हनेश्वर स्थल पर पूजा अर्चना कर मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया। जतरा मेला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया जतरु मुंडा ने कहा कि जतरा मेला हमारे संस्कृति की पहचान है। मेले के आयोजन से लोगो के बीच सांस्कृतिक विरासत का आदान-प्रदान होता है। इससे समाज में एक रूपता आती है। उन्होंने कहा कि माल्हन पहाड़ पर कई देवी देवताओं का निवास हुआ है, जिसके दर्शन के लिए लोग दूर दराज से पहुंचते हैं। वह राज्य सरकार से इस स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित करने का आग्रह करेंगे। मौके पर राजकुमार तिर्की, धनेश्वर मुंडा, अबुल अंसारी, जयमंगल गंझु, रामकिशुन गंझु,भीम गंझु, रोहित तुरी, अशोक तुरी, सुशील भगत, अनिल उंराव, रमेश मुंडा समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थें।

एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला कुडू

ताबड़तोड़ फायरिंग में एक शूटर को लगी गोली, गंभीर अवस्था में रिम्स रेफर

दो 9 एमएम लोडेड पिस्तौल, दो खोखा और एक अपाची बाइक जब्त

नवीन मेल संवाददाता

कुडू-लोहरदगा। मंगलवार की सुबह कुडू बस स्टैंड एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। अपराधियों ने कुडू अखरा टोली निवासी बस एजेंट संतु पासवान पर गोलियों की बौछार कर दी। पीड़ित ने किसी तरह से अपनी अपनी जान बचायी वहीं दुसरे अपराधी के द्वारा चलाई गई गोली से एक अपराधकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गोली उसके सर के पीछे के हिस्से में लगी है। प्रशासन से प्राप्त सूचना के अनुसार घायल अपराधकर्मी सुभाष चौधरी जयसवाल बीते वर्ष संतु पासवान के बड़े भाई और पुर्व पंचायत समिति सदस्य मंगलु पासवान की हत्या में शामिल था और फिलहाल जमानत पर बाहर था। मिली जानकारी के अनुसार संतु पासवान रोजाना की तरह मंगलवार की सुबह करीब 9:30 बजे बस स्टैंड में अपना एजेंटी का काम करने पहुंचा था तभी सफेद रंग की टीवीएस अपाची बाइक संख्या जेच01ई डब्ल्यू - 0775 से पहुंचे अपराधकर्मी सुभाष ने उसपर सामने से गोली चला दी गनीमत रही कि गोली संतु के बगल से निकल गयी अपराधी द्वारा दूसरा फायर करने पर गोली बैरल में फंस गई। इसी बीच भीड़ ने अपराधी को पकड़ लिया और धुनाई शुरू कर दी तभी दूसरे अपराधी ने अपने पिस्तौल से गोली चलाई जो पब्लिक के हत्थे चढ़े आपराधकर्मी के सर में लग गयी जिससे वह वहीं पर गिर गया जिसके बाद अफरा तफरी मच गई और आनन फानन में मौके पर पहुंची कुडू थाना पुलिस ने पब्लिक की मदद से दूसरे अपराधी को भी दबोच लिया। पकड़ा गया अपराधकर्मी कुडू हमीद नगर निवासी रफीक अंसारी का पुत्र एनामुल अंसारी उर्फ मंगरा के रूप में हुई है।

बीते वर्ष फरवरी में संतु के बड़े भाई को गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

गौर तलब है कि बीते वर्ष 4 फरवरी रविवार की सुबह 8:30 बजे संतु पासवान के बड़े भाई और पूर्व पंचायत समिति सदस्य और वर्तमान पंचायत समिति सदस्य पुनम देवी के पति संतोष मांझी उर्फ मंगलू की दिन दहाड़े सरे राह गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। संतोष मांझी उर्फ मंगलू साप्ताहिक हाट कूडू के संवेदक थे। और कूडू बाजार टांड़ स्थित बिजली ऑफिस के सामने चुंगी वसूलने बैठे थे। तभी पैदल पहुंचे दो आज्ञात अपराधकर्मियों ने नजदीक से पांच गोली मार दी। जिससे मौके पर ही मौत हो गयी थी।

आक्रोशित लोगों ने एनएच 75 को किया जाम

फिर गोली चालन की खबर जैसे ही फैली महिला, पुरुष और बच्चे घटना स्थल पर पहुंचना शुरू हो गए। मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर संदीप रंजन थाना प्रभारी अजीम अंसारी ने जामकताओं से बात करने का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित लोगों ने बार बार और दिनदहाड़े लगातार हो रही घटना का हवाला देते हुए और एक नही सुनी और जमकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ भड़ास निकाली। पुलिस और कुछ प्रबुद्ध लोगों के समझाने और बैठ कर बात करने के आग्रह पर माने और इसमे शामिल अन्य अपराधियों और साजिशकताओं को गिरफ्तार करने के आश्वासन के बाद जाम खोलने पर राजी हुए।

इससे पूर्व भी कई बार गोलियों से थरार्या है कुडू

उल्लेखनीय है कि थाना क्षेत्र के टाटी निवासी बैंक मित्र अमर पासवान 20 वर्ष पिता भुनु पासवान शुक्रवार 4 नवंबर 2022 की सुबह 10 : 30 बजे लुटेरों ने गोली मारी थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं इस घटना के एक सप्ताह बाद लक्ष्मी नगर मुहल्ला में 15 नवंबर 2022 की संध्या लगभग सात बजे बढ़ई मिस्त्री का काम करनेवाले सुदेश्वर साहू के 27 वर्षीय पुत्र विकास साहू की गोली मारकर हत्या कर दी थी, और उसे बचाने गए उसकी पत्नी 20 वर्षीय प्रतिमा देवी चचेरा भाई 40 वर्षीय राजेश साहू को भी गोली मारकर घायल कर दिया था। और एक माह बाद कूडू बस स्टैंड में मुर्गी दुकान चलाने वाले अरबिंद पासवान उर्फ गुड्डू को गोली मारकर घायल कर दिया था। और अब इस घटना से कूडू के लोग भयाक्रान्त हैं।

सेन्हा में चोरी कांड का खुलासा, सिंचाई मशीन के साथ तीन गिरफ्तार, नाबालिग निरुद्ध

- चोरी कांड उतभेदन में सेन्हा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, नाबालिक को बाल सुधार गृह गुमला भेजा

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र से सिंचाई मशीन चोरी होने की मौखिक सूचना पूर्व में थाना प्रभारी अजित कुमार को प्राप्त हो रहा था। जिससे बढ़ते चोरी का अपराध पर अंकुश लगाने की स्वयं थाना प्रभारी और गस्ती दल द्वारा क्षेत्र में पुलिस नजर बनाई हुई थी। उसी क्रम में सेन्हा थाना क्षेत्र के रियाडा रोड में चोरी का सिंचाई मशीन के साथ एक लड़का का होने की सूचना पर सेन्हा पुलिस द्वारा कारवाई कर लड़का को धर दबोचा गया। जो चोरी में संलिप्त होने का बात बताया। वही सिंचाई मशीन के साथ बरही निवासी बालक बैठा का 20 वर्षीय पुत्र राहुल बैठा को पकड़ कर सेन्हा थाना लाया गया। जिसे पूछताछ करने पर चोरी की घटना को स्वीकार करते हुए घटने में संलिप्त अन्य आरोपी साथियों का नाम का खुलासा किया। जिसकी निशानदेही पर सेन्हा पुलिस बरही निवासी कीर्तन उराँव का 24 वर्षीय पुत्र बीरेंद्र उरांव,करमा उरांव का 19 वर्षीय पुत्र बाबूराम उराँव को गिरफ्तार तथा एक नाबालिक युवक को निरुद्ध किया। इन लोगो के निशानदेही पर चोरी का सिंचाई मशीन खरीदार दुकानदार हमजा रेहान उम्र 25 वर्ष पिता मोहम्मद रेहान ग्राम राहत नगर थाना जिला लोहरदगा को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत लोहरदगा जेल भेजा दिया गया। वही नाबालिक को बाल सुधार गृह गुमला भेजा गया। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अजित कुमार ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि चोरी घटना की गुप्त सूचना सत्यापन के पश्चात थाना कांड संख्या 05/25 दर्ज कर धारा 303(2),317(4) बी एन एस के तहत नाबालिक लड़का को निरुद्ध करते हुए बाकी युवक को गिरफ्तार कर नियम संगत कारवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि बरामद सभी सिंचाई मशीन की चोरी भंडरा थाना क्षेत्र के मसमनो पंचायत ग्राम से किया गया था।

मकर संक्रांति पर्व का हमारी सनातनी संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान

यह हमारी गौरवपूर्ण संस्कृति का अटूट हिस्सा : आचार्य शरतचंद्र

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान लोहरदगा के तत्वावधान में स्थानीय गुरुकुल शांति आश्रम में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया गया। सर्वप्रथम आचार्य गणेश शास्त्री, अर्जुनदेव आर्य, किशन आर्य के द्वारा आचार्य शरतचन्द्र आर्य एवं भारत स्वाभिमान पतंजलि के जिला प्रभारी प्रवीण कुमार भारती की उपस्थिति में यज्ञ हवन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ब्रह्मचारियों एवं लोगों को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी प्रवीण भारती ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व हमारी सनातनी संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, आज ही के दिन महर्षि भगीरथ के अखण्ड तप से माँ गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ, भीष्म पितामह ने सूर्य भगवान के उत्तरायण होने पर ही अपने प्राण त्यागे थे। इस दिन हवन यज्ञ, तप, स्वाध्याय एवं दान का विशेष महत्व है। हमें अपनी सनातनी संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। हमें वेदानुकूल जीवन जीना चाहिए, आचरण करना चाहिए। तभी स्वयं का,समाज का एवं देश का कल्याण सम्भव है।आज हम भटक गए हैं और अपनी गौरवपूर्ण संस्कृति को भूल बैठे हैं। आज हरेक घर में यज्ञ हवन होना चाहिए जिससे घर का वातावरण विशुद्ध रहे एवं चारित्रिक दोषों का शमन हो। इसके बाद सभी उपस्थित जनों एवं ब्रह्मचारियों को चूड़ा दही तिलकुट गुड़ आदि का सामूहिक भोजन प्रसाद कराया गया। आचार्य शरतचन्द्र आर्य ने कहा कि आज के दिन हवन यज्ञ अध्यात्म का अवश्य अनुष्ठान करना चाहिए। यह हमारी गौरवपूर्ण संस्कृति का अटूट हिस्सा है। राज्य कार्यकारिणी सदस्य शिवशंकर सिंह पतंजलि परिवार के द्वारा योग आयुर्वेद के प्रचार प्रसार हेतु पदाधिकारियों से पुरुषार्थ करने हेतु आह्वान किया गया। इसके बाद आचार्य दयाशंकर जी की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु पुष्पांजलि दी गयी।पतंजलि परिवार लोहरदगा की ओर से आचार्य शरतचंद्र जी, गणेश जी एवं अर्जुन जी को वस्त्र प्रदान किया गया एवं सम्मानित किया गया।

मकर संक्रांति के दिन मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

कैरो/लोहरदगा। मकर संक्रांति पर प्रखंड के विभिन्न गांवो मे श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान सूर्य को किया जल अर्पित किया गया। वहीं पुजा स्थलों मन्दिरों पर भी पुजा अर्चना करते पुरे दिन श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। वहीं प्रखंड के खरता-हनहट कोयल नदी तट स्थित मनोकामना सिद्ध बाबा भोलेनाथ मंदिर प्रांगण में हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर पूजा अर्चना सह मेला का आयोजन किया गया।इस त्यौहार पर बच्चो युवाओं के बीच स्व निर्मित पतंगबाजी को लेकर भी एक-दूसरे से अधिक उंचाईयों में अपने-अपने पतंग को पहूँचाने की भी होड़ लगी रही। इस प्रकार मक्कर संक्रांति का त्यौहार प्रखंड क्षेत्र में शांति और उल्लास के साथ संपन्न हो गया।

एसपी की पहल के बाद दुखा उरांव के अंतिम संस्कार का रास्ता साफ

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। थाना क्षेत्र के महुवरी निवासी दुखा उरांव पिता स्व पकलु उरांव के शव को ग्रामीणों ने गांव के मशना कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार नही करने दिया जानकारी के अनुसार दुखा उरांव जो कि पूर्व में गांव का पहान हुआ करता था धर्म परिवर्तन कर ईसाई बन गया और 2007 में रांची जाकर बस गया था।रविवार को इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई तो परिजनों के द्वारा शव को पैतृक गांव महुवरी लाया गया जहां पर गांव वालों ने अंतिम संस्कार के लिए जगह देने से इनकार कर दिया।उरांव समाज के लोगो का कहना था कि वह ईसाई बन गया था इस लिए हमलोग अपने मशना मे जगह नही देंगे न ही अपने सिमाना में अंतिम संस्कार करने देंगे वहीं ईसाई धर्मावलम्बियों का कहना था कि वह हम लोग के जैसा ईसाई नही था इसलिये अपने कब्रिस्तान में जगह नही देंगे प्रशासन के काफी प्रयास के बाद भी सोमवार को अंतिम संस्कार नही हो सकी।मंगलवार को जिले के पुलिस कप्तान हारिस बिन जमा समेत जिले के कई वरीय पदाधिकारी कैरो थाना व महुवरी गांव पहुंचकर दिशानिर्देश व सुझाव दिए और मामला का हल करने का प्रयास किया परन्तु ग्रामीण अपने जिद पर अड़े रहे। शाम के समय जिला प्रशासन के पहल पर सेरेंगहातु ले जाकर अंतिम संस्कार कराने की बात कही गई और शव को ले जाया गया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के तहत परिवहन विभाग की ओर से पतंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। देश भर में चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सिमडेगा अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में परिवहन विभाग की ओर से पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बखला एवं जिला मोटर या निरीक्षक प्रकाश रंजन के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल हुए, जहां पर सभी लोगों को परिवहन विभाग की ओर से टी-शर्ट एवं टोपी दिया गया, जिसके बाद पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां पर पतंग में सड़क सुरक्षा संबंधित जागरूकता स्लोगन लिखे हुए थे ।मौके पर सभी लोगों को संबोधित करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी सजंय कुमार बखला ने कहा कि लगातार 1 जनवरी 2025 से सड़क सुरक्षा माह जागरूकता कार्यक्रम के तहत कई कार्यक्रम चला जा रही है। इसी कड़ी में पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, मकर संक्रांति के मौके पर इस तरह का आयोजन कर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है। वहीं मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने से दुर्घटना होती है ,इसीलिए सभी लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करनी चाहिए। उन्होंने कहा की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर यानी की दुर्घटना से 1 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचने पर गुड सेमेरिटन को 2000 की पुरस्कार दी जाएगी।

लोहरदगा में पतंगबाजी के माध्यम से सड़क सुरक्षा का दिया संदेश

लोहरदगा। जिला परिवहन विभाग ने मंगलवार को सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत पतंगबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता समाहरणालय मैदान में आयोजित किया गया था। जिसमे शामिल बालक बालिकाओं को पतंग व मांझा लगा हुआ लटाई दिया गया था। सभी ने पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया। इस प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष की आयु के कुल 120 लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंत में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।यह कार्यक्रम सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सुरक्षित यातायात के महत्व को समझाने के लिए एक प्रभावशाली कदम था। मौके पर मोटरयान निरीक्षक (एमवीआई) गौतम गौरव व डीआरएसएम अमृतेश्वर गिरी, रोड इंजीनियर एनालिस्ट कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत हर दिन कुछ न कुछ इवेंट्स किये जा रहे है। इसी क्रम में मंगलवार को पतंगबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा, सड़क दुर्घटना, हिट एंड रन और गुड समैरिटन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। यह कार्यक्रम 31 जनवरी तक चलाया जाएगा। मौके पर आईटी असिस्टेंट दुलार कुजूर, ट्रैफिक इंचार्ज शिव शंकर मरांडी और सुशील कुमार आदि मौजूद थे।

मकर संक्रांति और स्वर्ण जयंती वर्ष का भव्य आयोजन

सिमडेगा। जूनियर कैम्ब्रिज स्कूल, सिमडेगा ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष (1975-2025) और मकर संक्रांति के अवसर पर कोचेडेगा के बांसपहाड़ गांव में भव्य जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर 100 से अधिक बच्चों और अभिभावकों के बीच पुस्तकें वितरित की गईं।कार्यक्रम की शुरूआत भजन और कीर्तन के साथ हुई, जहां स्थानीय संस्कृति और संस्कारों की झलक देखने को मिली। बच्चों और अभिभावकों ने पूरे जोश के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में गणपति बड़ाइक, लखपति बड़ाइक, सुरेंद्र सिंह, राहुल कुमार, चंद्रनाथ बड़ाइक, चामीन महानंद, मनीषा कुमारी, सरिता कुमारी, दशमी देवी, विश्वनाथ सिंह ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने संस्कार,

कार्यकर्ताओ को किसी की नसीहत की जरूरत नहीं : अंजू देवी

लोहरदगा। आजसू के केंद्रीय महासचिव अंजू देवी ने नीरू शांति भगत के इस्तीफे पर बयान जारी कर कहा कि झारखंड आंदोलनकारी बड़े भाई स्वर्गीय,कमल किशोर भगत आजसू पार्टी के जन्मदाता एवं अभिभावक थे और हमेशा हम सभी पार्टी कार्यकताओं का आदर्श,प्रेरणा बने रहेंगे। लेकिन आज उनकी धर्मपत्नी नीरू शांति भगत ने जो आरोप लगाकर पार्टी से इस्तीफा दिया है। उसपर मैं खंडन करते हुए कहना चाहती हूं की निरू शांति स्वयं आंदोलनकारी की पत्नी है और यही आजसू पार्टी ने उन्हें तीन बार प्रत्याशी भी बनाया। लेकिन आज आजसू पार्टी पर आरोप लगाकर पार्टी से इस्तीफा दिया है और पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो को जो नसीहत दे रही है , की पार्टी कार्यकताओं को प्रशिक्षण देना जरूरी है, मैं यही बताना चाहूंगी की हम वही आजसू पार्टी के कार्यकर्ता है जिन्होंने 2009 और 2014 में कमल किशोर दादा को विधायक बनाकर विधानसभा भेजने का काम किये थे। हमारे पार्टी के कार्यकर्ताओ को किसी की नसीहत की जरूरत नहीं है। स्वयं अपने में सुधार करें और पार्टी कार्यकताओं पर तंज कसकर पार्टी से इस्तीफा दिया है मैं उससे पूछना चाहती हूं कल किसी भी पार्टी में जाएगी तो क्या उस पार्टी के कार्यकताओं को मान सम्मान दे पाएगी।

हुरदा में मकर सक्रांति के मौके पर रथयात्रा का हुआ आयोजन

बानो। प्रखंड के हुरदा में मकर संक्रांति के रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा शिव मंदिर परिसर से पूजन के बाद बाजार टॉड, मरानी रोड होते हुए हुरदा के विभिन्न टोला होते हुए सम्पन हुई। रथ यात्रा में भक्त नाचते गाते गाँव भ्रमण में ग्रामीण भाग लिये।

टापूडेगा पंडरी पानी शिव मंदिर में मकर संक्रांति का मनाया गया त्यौहार

सिमडेगा। 14 जनवरी को मंगलवार को टापूडेगा पंडरीपानी शिव एवम बजरंग बली मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी ग्राम के श्रद्धालु मिल जुलकर कर मकर संक्रांति की त्योहार मनाया गया। सुबह से ही मंदिर में सभी श्रद्धालु ने पूजन कर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बौद्धिक प्रमुख लहरू सिंह ,विहिप के महामंत्री कृष्णा शर्मा सह मंत्री सुबोध महतो उपस्थित हुए। सबसे पहले ओमकार एवम विजय महामंत्र से कार्यक्रम का शुरूआत करते हुए विषय मे प्रकाश डालते हुवे मकर संक्रांति का मतलब बताया गया। जैसे भगवन राम कृष्ण ने सम्यक क्रांति के द्वारा मानव समाज के लिए मार्गदर्शन किये ऐसी तरह हम सभी को सम्यक क्रांति लाते हूवे समाज हित मे कार्य करना चाहिए।

एक शाम-आंजन धाम महोत्सव की सफलतापूर्वक संपन्न होने पर बधाई दी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। आंजन धाम समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित दिवाकर पाठक ने आंजन धाम में पिछले दिनों हुए भव्य कार्यक्रम एक शाम-आंजन धाम महोत्सव की सफलतापूर्वक संपन्न होने पर क्षेत्र के सभी सनातनी धर्म के लोगों,प्रेस मीडिया,जिला प्रशासन को बधाई देते हुए आभार जताया है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के जयंती के शुभ अवसर पर आंजन धाम को वैश्विक पहचान दिलाने, जिले में स्थित सभी धार्मिक पौराणिक जगह का कॉरिडोर बने, देश दुनिया के लोग गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, रांची, टूरिज्म के रूप में आए, पूरे क्षेत्र का पर्यटन के माध्यम से सर्वांगीण विकास हो, इसी उद्देश्य को लेकर विगत तीन वर्षों से किया जाने वाला कार्यक्रम एक शाम आंजन धाम महोत्सव भक्ति भाव-हर्षोल्लास के साथ 12 जनवरी को आंजन धाम में संपन्न हुआ। जहां लाखो लोग इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिये। जहां आंजन धाम में 48 घंटे का अखंड हरि कीर्तन,आंजन धाम में रुद्राभिषेक,माँ अंजनी का भव्य पूजन, हनुमान जी का भव्य आरती,करीब 50000 से ऊपर लोग सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किये। जहां लाखों भक्तजन तीन दिवसीय कार्यक्रम में भंडारा महाप्रसाद ग्रहण किये। आंजन धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिवाकर पाठक ने 144 वर्ष के इस महाकुंभ का मकर सक्रांति पर्व सभी के जीवन मे खुशहाली लाये की शुभकामना दी है। कमेटी के सभी लोगों का आभार जताया है। राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द मिश्रा ने बतलाया है आंजन महोत्सव हरेक वर्ष 12 जनवरी को किया जाएगा।

पर्यटक स्थलों का विकास महोत्सव को मुख्य मकसद रहेगा। इसके लिए सभी स्थानों पर जाकर कमेटी द्वारा बैठक कर प्राचीन कहानी, परंपरा संग्रहित की जाएगी,कमिटि द्वारा चयनित धार्मिक जगहों के खयाति-प्रसिद्धि के लिय स्थल पर जाकर ग्रामीणों के साथ सनातन आंदोलन चलाएगी।

लोहरदगा एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वाधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलकूद की तैयारी जोरो से

लोहरदगा राज्य स्तरीय मीट भव्य एवं शानदार होगा : संजय कुमार साहू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वाधान में 1951 से चला आ रहा खेलकूद प्रतियोगिता इस वर्ष 67वीं राज्य स्तरीय मीट का आयोजन ललित नारायण स्टेडियम में दिनांक 17 से 19 जनवरी 2025 तक होना है। इस सम्बन्ध में लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन के संगठन सचिव संजय कुमार साहू ने बताया की झारखंड स्तरीय मीट में झारखण्ड के अन्य जिलों से लगभग 600 से अधिक एथलेटिक लोहरदगा आने की सम्भावना है` लोहरदगा तीन दिन होगा गुलजार और खिलाडियों के स्वागत को लोहरदगा है तैयार, उन्होंने बताया की ललित नारायण स्टेडियम का ट्रैक एंड फील्ड बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है, वही स्मृति खेल पत्रिका निमित्त सारी तैयारी सुनिचित की जा चुकी है। इस सन्दर्भ में दिनांक 17 जनवरी 2025 को 10:30 बजे प्रतियोगिता का उद्घघाटन के मुख्य अतिथि उपायुक्त लोहरदगा डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण (आईएएस), एवं विशिष्ट अतिथि लोहरदगा पुलिस अधीक्षक हारिस बीन जमाँ (आईपीएस) द्वारा सुभारम्भ और उद्घघाटन के साथ मार्च पास्ट की सलामी लेंगे, इसके लिए आयोजन मण्डली के एसोसिएट सचिव किशोर कुमार वर्मा, सैयद जाहिद अहमद, कयूम खान और अजय कुमार डीसी एसपी को आमंत्रित और स्वीकृति प्रदान करा चुके है।

साथ ही कार्यों की मॉनिटरिंग एवं अनुश्रवन मनोज प्रसाद वरीय अधिवक्ता तथा मदन मोहन पांडेय शिक्षाविद्ध कर रहे है, हाजी अफसर कुरैसी जुडो कराटे कराएँगे तो विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल आवासन व्यवस्था कराएँगे, साथ ही नगरपरिषद लोहरदगा के द्वारा फील्ड बनाने में सहयोग निमित्त साधुवाद` वहीँ दिनांक 19 जनवरी 2025 को समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के परिवार और कल्याण तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी होंगे । कार्यक्रम में सबकी भागीदारी सुनिचित करने निमित्त निमंत्रण और आमंत्रित करने का कार्य किया जा रहा है विशेष रूप से उर्स लाइन कान्वेंट बालिका उच्च विद्धयालय, उर्स लाइन शिक्षिका प्रशिक्षण महाविद्यालय लोहरदगा के प्राचार्य कार्यक्रम की तैयारी कर रहे है, उन्होंने बताया की लोहरदगा जिला में उत्सव के रूप में तीन दिवसीय आयोजन को बेहतर बनाने निमित्त पूर्व सांसद तथा एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू द्वारा लगातार प्रयासरत है धीरज प्रसाद साहू लोहरदगा जिला को खेल हब बनाने का लगातार प्रोत्साहित करते रहे है और जिला एथलेटिक एसोसिएशन भी लोहरदगा के शानो शौकत में पीछे नहीं रहा है और न रहेगा इस निमित्त कई बैठकों का दौर चला है तो भी ये खेल उत्सव पुरे लोहरदगा जिला के आम और खास का खेल उत्सव है कहीं कमी हुआ होगा तो अपना जिला का खेल महोत्सव समझते हुए सहयोग हेतु आकांक्षी है ।

मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में ईसाई रीति रिवाज से शव का हुआ अंतिम संस्कार

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र के महुवरी निवासी दुखा उरांव पिता स्व.पकलु उरांव का निधन इलाज के दौरान रिम्स राँची में हो गया था.वही शव को कैरो महुवारी के ग्रामीणों ने गांव के आदिवादी मशना व ईसाई कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार नही करने दिया जा रहा था.जानकारी के अनुसार बताया जाता है की दुखा उरांव जो कि पूर्व में अपने गांव का पहान हुआ करता था.जो बाद में धर्म परिवर्तन कर डुबुक ईसाई बन गया था.तथा 2007 में रांची जाकर बस गया था.रविवार को इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई.तो परिजनों के द्वारा शव को पैतृक गांव महुवरी लाया गया जहां पर गांव वालों ने अंतिम संस्कार के लिए जगह देने से इनकार कर दिया.सरना उरांव समाज के लोगो का कहना था. कि वह ईसाई बन गया था. इसलिए हमलोग अपने मशना मे जगह नही देंगे न ही अपने सिमाना में अंतिम संस्कार करने देंगे वहीं ईसाई धर्मावलम्बियों का कहना था.कि वह हम लोग के जैसा ईसाई नही था.वह डुबुक ईसाई था.इसलिये अपने कब्रिस्तान में जगह नही देंगे वही प्रशासन के लाख प्रयास के बाद भी सोमवार को अंतिम संस्कार नही हो सकी. जिसे मंगलवार को जिले के पुलिस कप्तान हारिश बिन जमा व जिले के वरीय पदाधिकारी कैरो थाना व महुवरी गांव पहुंचकर दिशानिर्देश व सुझाव दिए और मामला का हल करने का प्रयास किया परन्तु ग्रामीण अपने जिद पर अड़े रहे.अंतिम में शाम के समय जिला प्रशासन के पहल पर सेन्हा थाना क्षेत्र के सेरेंगहातु में मजिस्ट्रेट अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार की उपस्थिति में मंगलवार शाम को ईसाई रीति रिवाज से झारखण्ड क्रिश्चियन इकाई लोहरदगा जिला के अगुवाई में फादर सतीश रुंडा के निर्देशन में दुखा उरांव का अंतिम संस्कार किया गया। मौके पर अंचलाधिकारी सेन्हा मोदस्सर नजर मंसूरी,सीओ कैरो कुमारी शिला उरांव, सीओ भंडरा दुर्गा कुमार,बीडीओ कैरो छन्दा भट्टाचार्य,सुजीत तिग्गा,मनोज लकड़ा समेत सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

गुमला के नागेफनी में मकर संक्रांति मेले में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

रथ खींचने की परंपरा बनी मुख्य आकर्षण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला के नागेफनी स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर परिसर में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर विशाल मेला संपन्न हो गया। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र रहा, बल्कि झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और उड़ीसा समेत विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे सांस्कृतिक एकता और भक्ति का महोत्सव बना दिया।

भगवान जगन्नाथ की पूजा और नई फसल की अर्पणा

मेला क्षेत्र में भगवान जगन्नाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने सुख-शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ भगवान के चरणों में अपनी आस्था अर्पित की। इस अवसर पर नई फसल को भगवान जगन्नाथ को चढ़ाने की परंपरा निभाई गई, जो आने वाले वर्ष में समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।

रथ खींचने की परंपरा में उमड़ा जनसैलाब

मेले का मुख्य आकर्षण भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने की परंपरा रही। हजारों श्रद्धालु इस पवित्र अनुष्ठान में शामिल हुए और अपने सामूहिक प्रयास से रथ को खींचा। रथ खींचने की इस प्रक्रिया को शक्ति, एकता और भक्ति का प्रतीक माना जाता है, और इसे देखने और इसमें भाग लेने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं।

नए वर्ष की शुरूआत का प्रतीक

मकर संक्रांति का यह पावन पर्व नागेफनी में नए वर्ष की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु इस दिन को मंगलमय भविष्य और सुखद जीवन के लिए भगवान से आशीर्वाद लेकर मनाते हैं। यह दिन जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश लेकर आता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक

मेले के दौरान न केवल धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजन और लोकनृत्य ने मेले की भव्यता को और बढ़ा दिया।

चैनपुर में मकरसंक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को मकरसंक्रांति का पर्व इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय बाजारों में दूध, दही, तिलकुट, गुड़, चूड़ा, तिल और अन्य पारंपरिक सामग्री की भरपूर बिक्री हो रही थी। इस पावन अवसर पर लोग विशेष रूप से तिल, गुड़ और दही का उपयोग कर रहे थे, और नहा-धोकर खाना खाने की परंपरा को निभा रहे थे, जो इस दिन का विशेष महत्व रखती है।बच्चों में मकरसंक्रांति के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बच्चे रंग-बिरंगी पतंग उड़ाने में व्यस्त थे, और आसमान इस त्योहार के रंग में रंगा हुआ नजर आ रहा था। मंगलवार सुबह से स्थानीय लोग सफी, शंख और अन्य नदियों में आस्था की डुबकी लगाते हुए भगवान भास्कर को जल अर्पित कर रहे थे। नदियों में स्नान करने के बाद, लोग मंदिरों में पूजा-पाठ करते हुए तिल, गुड़ और पैसे का दान कर रहे थे। यह धार्मिक क्रियाकलाप न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग का संदेश भी देता है।

सुंदरीडीह में पौष पूर्णिमा मेला

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी रात, सामाजिक सद्भाव का दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के पालकोट प्रखंड स्थित सुंदरीडीह गांव में पूस पूर्णिमा के अवसर पर मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा किसान मोर्चा के प्रमंडलीय प्रभारी मंगल सिंह भोगता ने किया।

अपने संबोधन में मंगल सिंह भोगता ने सुंदरीडीह गांव की प्राकृतिक सुंदरता और यहां के जलप्रपात की प्रशंसा की। उन्होंने पालकोट को ऐतिहासिक स्थान बताते हुए कहा कि यह अध्यात्म

फाइल फोटो

और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम है। भगवान श्रीराम और वानरराज सुग्रीव के मिलन की पवित्र भूमि पर आयोजित यह मेला सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक है, जो राम राज्य की स्थापना के सपने को साकार करने में सहायक होगा।

कार्यक्रम की शुरूआत ठेठ नागपुरी गायक भरत सिंह ने मदार्नी झुमर राग में वंदना प्रस्तुत कर की। इसके बाद सरगम म्यूजिकल ग्रुप के रवि राम के नेतृत्व में कलाकारों ने रात भर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा। मेले में मिठाई, खिलौने आदि की दुकानों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

मुखिया कमल पहान और भाजपा नेता गुड्डू सिंह ने मेले और मकर संक्रांति की बधाई दी, जबकि संतु दास ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों की उत्साही भागीदारी ने सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक उत्सव के माहौल को और प्रबल किया।

घाघरा में फुटबॉल प्रतियोगिता: एसडीपीओ ने युवाओं को नशा और साइबर अपराध से दूर रहने की दी सलाह

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के रन्हे स्टेडियम में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा और कम्युनिटी पुलिसिंग के संयुक्त तत्वावधान में अनुमंडल स्तरीय एकदिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में घाघरा, बिशुनपुर, गुरदरी और पूसो थाना क्षेत्रों की कुल आठ टीमों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों को पुलिस प्रशासन की ओर से जर्सी, शूज, मोजे और शिन प्रोटेक्टर जैसी आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सुरेश प्रसाद यादव, घाघरा थाना प्रभारी तरुण कुमार, बिशुनपुर थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह, गुरदरी थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह, पूसो थाना प्रभारी और चिल्ड्रन एकेडमी के संस्थापक सह प्राचार्य विजय साहू ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने खिलाड़ियों को पुलिस के विभिन्न कार्यों और उनके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने साइबर क्राइम, सड़क सुरक्षा, नक्सली गतिविधियों और पुलिस भर्ती प्रक्रिया जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। एसडीपीओ ने युवाओं से नशा पान से दूर रहने, मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनने, डायन प्रथा के अंधविश्वास से बचने, साइबर अपराध के प्रलोभन में न पड़ने और बिना लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने की अपील की। चिल्ड्रन एकेडमी के संस्थापक सह प्राचार्य विजय साहू ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ता है। यह फुटबॉल प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करती है, बल्कि विभिन्न थाना क्षेत्रों के खिलाड़ियों को एक-दूसरे को जानने और समझने का अवसर भी देती है। प्रतियोगिता में अनुमंडल क्षेत्र के दूरदराज क्षेत्रों से खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी खेल का आनंद लेने पहुंचे।

न्यूज बॉक्स

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, सुरक्षा पखवाड़े पर उठ रहे हैं सवाल

बसिया(गुमला)। बसिया अनुमंडल मुख्यालय में आज फिर से सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसी तरह आज हुए दूसरे सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग बुरी तरह घायल हो गया है। गत 29 दिसंबर को तीन युवकों की सड़क हादसे में मौत के बाद महज पन्द्रह बीस दिनों के अंदर दुर्घटना के कारण मौत की आठवीं घटना से क्षेत्र सकते में है। बताते चलें कि अभी पूरे गुमला जिले में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। जागरूकता के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान महज पाँच किलोमीटर के दायरे में यहाँ से गुजरने वाले राजकीय उच्च पथ पर नियमित तौर पर हो रही दुर्घटनाओं और इनके कारणों से हो रही मौतों को लेकर यहां सड़क सुरक्षा के आलोक में गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इस बीच यहाँ सोमवार के रात को उच्च पथ पर कोनबीर निवासी शैलेश महापात्र की मौत किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हो गई। इस दुर्घटना के कारण मृतक का सिर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और अनुमान लगाया जा रहा है कि घटनास्थल पर ही उसने दम तोड़ दिया। दूसरी घटना मंगलवार के अपराह्न की है जब किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति सड़क पर बुरी तरह से जख्मी पाया गया। पुलिस को जब इसकी खबर मिली तो स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल लाया गया जहाँ समाचार लिखे जाने तक इस अज्ञात बुजुर्ग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और चिकित्सकों ने उसे उच्च संस्थान के लिए रेफर कर दिया है।

भालू के हमले से ग्रामीण घायल वन विभाग से सुरक्षा की अपील

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के कटिंग पंचायत अंतर्गत सेमलाबरटोली के सेमला टोंगरी में एक भालू ने 45 वर्षीय रंजिता बेक पर हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब रंजिता जंगल से जलावन लकड़ी लाने गई थीं। अचानक हुए इस हमले में रंजिता गंभीर रूप से घायल हो गईं, उनके कान, हाथ, आंख, और माथा सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना रंजिता के परिजनों ने तुरंत काटिंग मुखिया मधुरा मिंज को दी। मुखिया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 108 एंबुलेंस को कॉल किया और घायल रंजिता को प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा।मुखिया मधुरा मिंज ने गांव वालों से अपील की है कि वे सेमला टोंगरी की ओर न जाएं, क्योंकि इलाके में दो जंगली भालू प्रवेश कर चुके हैं। इन भालुओं के कारण जानमाल को खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने वन विभाग से भी आग्रह किया है कि वह इन भालुओं को जंगल से दूर भगाने के उपाय करें और ग्रामीणों को जागरूक करें, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।इस घटना ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है। ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी पशु के संपर्क में आने से बचें। इस मामले में वन विभाग की जल्द कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है ताकि गांववासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ग्रामीणों में गहरी चिंता और भय का माहौल है, और वे वन विभाग की ओर से सुरक्षा उपायों के इंतजार में हैं। रंजिता के परिवार और अन्य ग्रामीणों ने अपनी चिंताओं को व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि स्थिति नियंत्रण में नहीं आई, तो उन्हें अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए और भी कदम उठाने पड़ सकते हैं।

भरनो पुलिस ने किया अंतर-जिला बिजली तार चोर गिरोह का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार

गुमला। भरनो पुलिस ने गुमला एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में अंतर-जिला बिजली तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को गुमला जेल भेजा गया है। यह गिरोह झारखंड के विभिन्न जिलों में बिजली तार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। गिरोह ने 11 दिसंबर 2024 को भरनो थाना क्षेत्र के रायकेरा जंगल से बनटोली तक 11 वोल्ट के बिजली तार काटकर चुरा लिया था। इस घटना के बाद बिजली विभाग गुमला ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुमला एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी और वैज्ञानिक स्रोतों का सहारा लेते हुए लगातार छापेमारी की। अंततः चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिन्होंने पूछताछ में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं:

मुर्शीद बक्स (मुख्य सरगना) - पहाड़केशा, भरनो, सेराज अंसारी - मेलानी, चाँहों, शेख तैफुल उर्फ पप्पू - चचकोपी, बेड़ों, तौसीफ मल्लिक - चचकोपी, बेड़ों।

सिसई प्रखंड क्षेत्र के नागफेनी मेले में चलाया गया टीबी जागरूकता अभियान

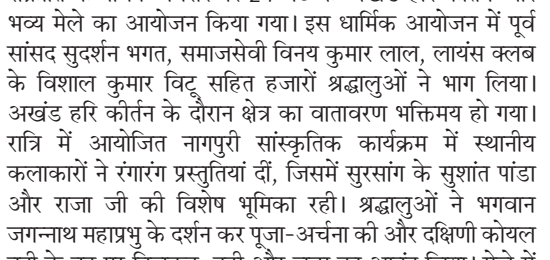

सिसई (गुमला)। गुमला जिले के सिसई प्रखंड अंतर्गत सुप्रसिद्ध नागफेनी मेले में मकर संक्रांति के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता का विशेष अभियान चलाया गया। एनटीईपी (राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम) और पिरामल स्वास्थ्य के संयुक्त प्रयास से 100 डे कैंपेन₹ के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान में धर्मगुरुओं और आमजन को क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूक करते हुए जांच और उपचार की सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि टीबी के लक्षण पाए जाने वाले व्यक्तियों को तुरंत सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में भेजा जाए। सरकारी व्यवस्था में टीबी की सभी प्रकार की जांच, पहचान और दवा पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध है। इसके अलावा, पोषण योजना के अंतर्गत टीबी मरीजों को आर्थिक सहायता दी जाती है और गरीब मरीजों को अन्य सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाता है। सहिया दीदियों के माध्यम से टीबी रोगियों की सहायता के लिए जागरूकता बढ़ाने की अपील की गई। अधिकारियों ने इस अभियान को मेले जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर अधिक प्रभावी और जनकल्याणकारी बताया।

हीरादह में मकर संक्रांति पर 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन और भव्य मेला संपन्न

गुमला। गुमला जिले के रायडीह प्रखंड स्थित हीरादह धाम में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 24 घंटे के अखंड हरि कीर्तन और भव्य मेले का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, समाजसेवी विनय कुमार लाल, लायंस क्लब के विशाल कुमार विट्टू सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अखंड हरि कीर्तन के दौरान क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया। रात्रि में आयोजित नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिसमें सुरसांग के सुशांत पांडा और राजा जी की विशेष भूमिका रही। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और दक्षिणी कोयल नदी के तट पर तिलकुट, दही और चूड़ा का आनंद लिया। मेले में खिलौने, मिठाइयों और तिलकुट की दुकानों की भरमार रही, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की। कतारी (गन्ने) की बिक्री भी आकर्षण का केंद्र रही। मयूरी ट्रस्ट और चैताली कॉलेज के निदेशक बसंत कुमार गुप्ता ने मकर संक्रांति के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं ।

खेत की मिट्टी से बनाया जा रहा है सड़क ग्रामीणों में नाराजगी

कुरडेग। सिमडेगा विधायक भुषण बाड़ा ने ग्रामीण के शिकायत पर कुरडेग प्रखण्ड मुख्यालय से गढ़ियाजोर छत्तीस गढ़ सीमा तक सड़क मरम्मती का काम बन्द करने का आदेश सड़क मरम्मती कार्य करा रहे मुंशी को दूरभाष के माध्यम से दिया। विधायक के आदेश का अवहेलना करते हुए सड़क में काम सुचारू रूप से जारी रहा गौरतलब हो प्रखण्ड मुख्यालय से गड़ियाजोर छत्तीस गढ़ सीमा तक सड़क मरम्मती का काम किया जा रहा है जिसमें सड़क के दोनो किनारों में मोरम मिट्टी की जगह साधारण खेत की मिटी डाली जा रही है। जिसमें ग्रामीणो ने आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे सड़क कमजोर हो जाएगी और फिसलन वाली मिटटी होने से खासकर बरसात के दिनों में सड़क दुर्घटना की आशंका है ।

विकास भारती बिशुनपुर के 42वें स्थापना दिवस पर किसान मेला का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। आज, 14 जनवरी 2025 को विकास भारती बिशुनपुर के 42वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिशुनपुर प्रखंड के सातों गांवों में भव्य किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता प्रबुद्ध किसान रबी उरांव ने की। मेला में किसानों, ग्रामीणों, और बच्चों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया।

इस अवसर पर पदमश्री अशोक भगत ने बताया कि विकास भारती पिछले 42 वर्षों से आदिवासियों के उत्थान और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में विकास कार्यों को लेकर समर्पित है। उन्होंने कहा, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में संस्था ने जो कार्य किया है, उसने ग्रामीणों को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाया है। पहले यहां अंधविश्वास का

बोलबाला था, लेकिन अब विकास की राह पर कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पदमश्री अशोक भगत ने सुझाव दिया कि आगामी किसान मेले का आयोजन महिला समिति के नाम पर हो, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जा सके। यह कदम ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी। कमलाकांत पांडे ने मेले को संबोधित करते हुए बताया कि विकास भारती और ग्रामीणों के सहयोग से सातों गांवों के पहाड़ों पर बांध का निर्माण किया गया। यह कठिन कार्य ग्रामीणों की एकजुटता और पदमश्री भगत के दृढ़ संकल्प से सफल हुआ। बांध के निर्माण ने न केवल जल संकट को कम किया है, बल्कि कृषि में भी क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान डॉ. संजय कुमार ने बताया कि तकनीकी हस्तांतरण के कारण क्षेत्र में कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। जैविक खेती को बढ़ावा देने और कृषि विविधता को अपनाने से किसानों की आय में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

युवाओं को दिया गया नशामुक्ति का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। चैनपुर प्रखंड स्थित परमवीर अल्बर्ट एक्का कॉलेज में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के बीच नशा पान के बढ़ते प्रभाव और युवाओं के इससे प्रभावित होने पर एक परिचर्चा आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव और इसे रोकने के उपायों पर चर्चा करते हुए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया गया। नेहरू युवा केंद्र और राष्ट्रीय सेवा योजना ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की।

कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि नशा पान रोकने के लिए कॉलेज की ओर से लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि

युवा इसके प्रभाव में न आएं। उन्होंने बताया कि युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए ऐसी गतिविधियां आवश्यक हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, नेहरू युवा केंद्र के जिला सन्वयक , राष्ट्रीय सेवा योजना के नोडल पदाधिकारी और बड़ी संख्या मेंछात्र छात्रा उपस्थित थे। यह आयोजन नशा पान की गंभीर समस्या को समझने और उसे समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

चैनपुर में दिनदहाड़े मोटरसाइकिल की चोरी, सुरक्षा पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के चैनपुर मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के पास दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी की घटना ने स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश पैदा कर दिया है। लाइफ लाइन कोचिंग सेंटर के संचालक उपेंद्र कुमार की पैशन प्रो मोटरसाइकिल उस समय चोरी हो गई, जब वे अपने कोचिंग सेंटर में पढ़ा रहे थे।

उपेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल कोचिंग सेंटर के बाहर खड़ी की थी। शाम 4:30 बजे तक वाहन वहीं था, लेकिन 5:00 बजे कोचिंग समाप्त होने पर बाहर आने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। स्थानीय स्तर पर खोजबीन और पूछताछ के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने मौखिक रूप से चैनपुर थाना को सूचना दी है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बावजूद चोरों का इतना दुस्साहस चिंताजनक है। दिनदहाड़े भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

विद्यालय में पीटीएम, मैट्रिक परीक्षा की तैयारी को लेकर अभिभावकों से हुआ संवाद

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। भरनो प्रखंड के मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में सोमवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया।

इस बैठक में विद्यालय की प्रधानाचार्या संगीता कुजूर ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को मैट्रिक परीक्षा की तैयारी के लिए घर में तीन घंटे नियमित अभ्यास करने की आदत डालें, ताकि वे अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकें। प्रधानाचार्या ने बताया कि विद्यालय में हाल ही में प्रीबोर्ड

परीक्षा का आयोजन किया गया था और उसमें विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। अभिभावकों को यह जानकारी दी गई कि बच्चों को अच्छे परिणाम के लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में अर्धवार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में विद्यालय के सभी शिक्षक और अभिभावक उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों की सफलता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पटेल समाज का दनगद्दी में वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन

बोलबा। प्रखंड के पर्यटक स्थल दनगद्दी में जिला स्तरीय पटेल समाज का मिलन सह वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।साथ ही मकर संक्रांति पर्व को लेकर सबों ने एक दूसरे को बधाइयां दी । जिसके बाद समाज के लोगों ने एक महत्वपूर्ण बैठक करते हुए एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया । बैठक की अध्यक्षता वीरेंद्र मंडल के द्वारा किया गया ।

झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा का मिलन समारोह 18 जनवरी को

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा जिला समिति गुमला की एक महत्वपूर्ण बैठक रायडीह प्रखंड परिसर में अध्यक्ष अशोक कुमार भगत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 18 जनवरी 2025 को रायडीह प्रखंड अंतर्गत शंख मोड़ सामुदायिक गतिविधि केंद्र बैरियर बगीचा मंझाटोली में झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा का मिलन समारोह सह चिंतन शिविर कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार सह परिवहन मंत्री दीपक विरुआ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

तैयारी समिति का गठन

कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए तैयारी समिति का गठन किया गया। समिति में रायडीह से अशोक कुमार भगत, घाघरा से लालदेव भगत और नारायण भगत, कामडरा से राजकुमार सिंह और फिरन साहू, बसिया से कृष्णा गोप और सुरेंद्र राम, सिसई से जगदेव उरांव और चंद्रकिशोर उरांव, भरनो से जयराम उरांव, विशुनपुर से लोकनाथ उरांव, और गुमला से मनोज कुमार भगत को शामिल किया गया है।

कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा

बैठक में आंदोलनकारियों को 18 जनवरी को सपरिवार उपस्थित होने का आग्रह किया गया। गाजे-बाजे के साथ मुख्य अतिथि के स्वागत की जिम्मेदारी चुनु घासी और चैतु उरांव को दी गई। स्वागत गीत के लिए पेरपितवा एक्का और शशि सरिता लकड़ा की टीम को जिम्मा सौंपा गया। पेयजल और भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी देवतु उरांव और बुधराम उरांव की टीम को दी गई।

प्रमुख उपस्थिति और संचालन

बैठक का संचालन मकुंद उरांव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन दुर्गा उरांव ने दिया। प्रमुख उपस्थित सदस्यों में अशोक कुमार भगत, मनोज कुमार भगत, दुर्गा उरांव, ओस्विन टोप्पो, गंदिरा उरांव, लालदेव भगत, हरि भगत, लोकनाथ उरांव और अन्य शामिल थे।

कोलेबिरा के भंवरपहाड़गढ़ में मकर संक्रांति पर मेले का हुआ आयोजन

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड अवस्थित प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा पर्यटक स्थल भंवर पहाड़गढ़ में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर भगवान जगरनाथ स्वामी के मंदिर परिसर में श्रद्धालु की भीड़ उमड पड़ी । जहां श्रद्धालुओं के द्वारा पूजन अर्चन कर मेले स्थल तक रथ खींचकर सुख समृद्धि व वैभव कामना की भंवर पहाड़ गढ़ के अमरनाथ सिंह ने कहा कि आजादी से कई एक वर्ष पहले मकर सक्रांति के दिन यहां शिकार खेला जाता था, वही जगन्नाथ नाथ स्वामी मंदिर के पुरोहित मनोज पति बताते हैं इस दिन नई फसल का भोग लगाकर श्रद्धालु भगवान बलभद्र को रथ में बिठाकर रथ खींचते हुए कामना करते हैं हमेशा अन्न धन भंडार भरे रहे और परिवार में सुख समृद्धि की खुशहाली आए इसी को लेकर मकर सक्रांति के दिन कईएक वर्षों से यहां रथ खींचने की परंपरा है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के तहत परिवहन विभाग की ओर से पतंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। देश भर में चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सिमडेगा अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में परिवहन विभाग की ओर से पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बखला एवं जिला मोटर या निरीक्षक प्रकाश रंजन के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल हुए, जहां पर सभी लोगों को परिवहन विभाग की ओर से टी-शर्ट एवं टोपी दिया गया, जिसके बाद पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां पर पतंग में सड़क सुरक्षा संबंधित जागरूकता स्लोगन लिखे हुए थे ।मौके पर सभी लोगों को संबोधित करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी सजंय कुमार बखला ने कहा कि लगातार 1 जनवरी 2025 से सड़क सुरक्षा माह जागरूकता कार्यक्रम के तहत कई कार्यक्रम चला जा रही है। इसी कड़ी में पतंग

फाइल फोटो

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, मकर संक्रांति के मौके पर इस तरह का आयोजन कर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है। वहीं मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने से दुर्घटना होती है ,इसीलिए सभी लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करनी चाहिए। उन्होंने कहा की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर यानी की दुर्घटना से 1 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचने पर गुड सेमेरिटन को 2000 की पुरस्कार दी जाएगी। यदि दो सेमेरिटन को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचते हैं तो दोनों 2 हजार राशि दी जाएगी। इसके अलावा वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट और अपने साथ कागजातों को जरूर रखनी चाहिए, जिससे कि सड़क दुर्घटना ना हो सके। शराब का सेवन ना करें ,इससे दुर्घटना की अधिक संभावना होती है। इसके अलावा तीव्र गति दुर्घटना का कारण होता है ,इस मौके पर आए हुए सभी स्कूली बच्चों ने स्टेडियम के अंदर पतंगबाजी का आनंद लिया। मौके पर मोटरयान निरीक्षक के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम की समापन की। इस मौके पर सड़क सुरक्षा प्रबंधक अजीत कुमार रवि, तकनीकी सहायक नितेश कुमार सहित परिवहन विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

संपादकीय

अव्यवस्था से दांव पर अंतरराष्ट्रीय साख

भारत में आध्यात्मिक जीवन शैली की ओर झुकाव तेजी से बढ़ा है और इसके बाद पारंपरिक के साथ विशेष धार्मिक स्थलों और उत्सवों में शामिल होने वाले लोगों की भीड़ बढ़ी है जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के आस्थावान लोगों की भीड़ भी है।अनेक अंतरराष्ट्रीय वीवीआईपी लोगों के कुंभ मेले में शामिल होने की सूचना है। ऐसे में भारत की साख दांव पर लगी है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2025 की शुरूआत उथल-पुथल भरी हुई है। तमाम दुखद घटनाओं के बीच में आंध्र प्रदेश में हिंदुओं के सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक तिरुपति मंदिर के पास हुई भगदड़ का समाचार भी शामिल है। भगवान श्री वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। वर्ष में दस दिन के लिए खुलने वाले मंदिर के वैकुंठ द्वार के दर्शन को श्रद्धालु काफी शुभ मानते हैं और उनका विश्वास है कि इससे उन्हें स्वर्ग के दैवीय द्वार की झलक मिलेगी। हाल में यहां भक्तों की भीड़ में मची भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई घायल भी हुए। यह हादसा तिरुमाला श्रीवारी बैकुंठ द्वार के टिकट काउंटर के नजदीक विष्णु निवासम के पास 'दर्शन' टोकन के वितरण के दौरान हुआ। बीते साल हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में करीब सवा सौ लोगों की मौत हुई थी और अनेक लोग घायल हुए थे। भारत में धार्मिक आयोजनों में खराब भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा चूक के कारण होने वाली घातक घटनाओं का एक गंभीर ट्रैक रिकॉर्ड है। अगस्त 2024 की वैश्विक कंसल्टिंग फर्म केपीएमजी और पंजाब हरियाणा दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया, भारत में 60 फीसदी से अधिक घरेलू यात्राएं धार्मिक उत्साह के कारण होती हैं। खासकर, कोरोना महामारी के बाद यात्रियों की संख्या में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के साथ आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र में आ गया है। भारत साढ़े चार लाख से ज्यादा धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों का घर है। जम्मू-कश्मीर स्थित वैष्णो देवी मंदिर में 32 से 40 हजार श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करने के लिए आते हैं, जबकि कोविड से पहले प्रतिदिन दस से पंद्रह हजार यात्री प्रतिदिन आते थे। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के लिए प्रतिदिन करीब एक लाख लोग आते हैं, जो महामारी के पहले की तुलना में काफी अधिक है। ठीक ऐसी ही स्थिति दक्षिण में केरल के गुरुवायूर मंदिर की है, जहां छह से सात हजार श्रद्धालु रोजाना पहुंचते हैं, जबकि महामारी से पहले यह संख्या चार हजार के करीब थी। उत्तर प्रदेश के मंदिर वाले शहरों की बढ़ती लोकप्रियता उनकी क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रही है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के पुनर्निर्माण और अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद से इन स्थलों पर, खासकर कोविड के बाद कहीं ज्यादा संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। वर्ष 2023 में अकेले काशी में दस करोड़ से ज्यादा यात्री आए। अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिदिन एक से डेढ़ लाख भक्त दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। आप भले ही धार्मिक न हों, फिर भी आपको यह बात तो स्वीकार करनी होगी कि धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अहम योगदान देते हैं। भारत सरकार ने धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए कई बेहतरीन योजनाएं लागू की हैं। लेकिन मुख्य चुनौती किसी तीर्थ स्थल की भक्तों को धारण करने की क्षमता से जुड़ी है।

महाकुंभ की अनूठी परंपराएं

दिल्ली ब्यूरो

प्रयागराज में गंगा, यमुना, अदृश्य सरस्वती के संगम और उसके 12 किलोमीटर के दायरे में सोमवार 13 जनवरी 2025 से शुरू हुए महाकुंभ मेले में ठंड है, कोहरा है, बारिश की संभावना है। फिर भी, 12 डिग्री ठंड में लगभग डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई, जिनमें बहुतों ने 45 दिनी कल्पवास शुरू किया। कल्पवास के दौरान लोग टेंट में रहते हैं। जो गरीब हैं, वे प्लास्टिक तानकर या ओढ़ कर उसके नीचे सो जाते हैं। कल्पवासियों का स्नान, ध्यान, पूजा भोर होने के पहले से शुरू हो जाता है। सबसे अधिक श्रद्धालु भोर में उस समय डुबकी लगाएंगे, जब तारे आसमान में टिमटिमा रहे होंगे। जहां तक कुंभ और महाकुंभ मेले की उत्पत्ति का सवाल है, तो इसके बारे में कई मिथक प्रचलित हैं। इसकी उत्पत्ति के बारे में कई सिद्धांत हैं। कुछ लोगों का मानना है कि इस उत्सव का उल्लेख वेदों व पुराणों में मिलता है। कुछ का कहना है कि यह बमुश्किल दो शताब्दियों पहले शुरू हुआ। लेकिन आज, यह पृथ्वी पर कहीं भी देखी जाने वाली भक्तों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक है।

कुंभ मेला क्या है और यह समय-समय पर चार शहरों में क्यों आयोजित किया जाता है? अर्धकुंभ और महाकुंभ क्या है? इस त्यौहार की उत्पत्ति क्या है और लाखों लोग इसमें क्यों शामिल होते हैं? हिंदू धर्म के बारे में कई सवालों के जवाब मिथकों, इतिहास और प्राचीन लोगों की स्थायी आस्था के मिश्रण में निहित हैं, जो नदियों जैसे मूर्त जीवनदाताओं के साथ-साथ अदृश्य देवताओं की उदारता पर भी उतना ही भरोसा करते हैं।

कुंभ की पौराणिक उत्पत्ति

संस्कृत शब्द कुंभ का अर्थ है घड़ा या बर्तन। कहानी यह है कि जब देवों (देवताओं) व असुरों (जिसका अनुवाद राक्षसों के रूप में किया जाता है) ने समुद्र मंथन किया, तो धन्वंतरि अमृत या अमरता के अमृत का घड़ा लेकर निकले। यह सुनिश्चित करने के लिए कि असुर इसे न पा सकें, इंद्र के पुत्र जयंत घड़ा लेकर भाग गए। सूर्य, उनके पुत्र शनि, बृहस्पति (ग्रह बृहस्पति) और चंद्रमा उनकी और घड़े की रक्षा करने के लिए साथ गए। जयंत के भागते समय अमृत चार स्थानों पर गिरा - हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक-त्र्यंबकेश्वर। जयंत घड़ा लेकर 12 दिनों तक भागते रहे और चूंकि देवताओं का एक दिन मनुष्यों के एक वर्ष के बराबर होता है, इसलिए सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति की सापेक्ष स्थिति के आधार पर हर 12 साल में इन स्थानों पर कुंभ मेला (पूर्ण कुंभ या महाकुंभ) मनाया जाता है। प्रयागराज और हरिद्वार में हर छह साल में अर्धकुंभ (अर्ध का अर्थ है आधा) भी होता है।

12 साल बाद आयोजित होने वाले उत्सव को पूर्ण कुंभ या महाकुंभ कहा जाता है। ये चारों स्थान नदियों के किनारे स्थित हैं - हरिद्वार में गंगा है, प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती का संगम या मिलन बिंदु है, उज्जैन में क्षिप्रा है और नासिक-त्र्यंबकेश्वर में गोदावरी है। ऐसा माना जाता है कि कुंभ के दौरान इन नदियों में डुबकी लगाने से, आकाशीय पिंडों के विशिष्ट संरेखण के बीच, व्यक्ति के पाप धुल जाते हैं और पुण्य (आध्यात्मिक योग्यता) प्राप्त होती है। कुंभ मेले में साधु और अन्य पवित्र लोग भी एकत्रित होते हैं। साधु अखाड़े बहुत उत्सुकता बढ़ाते हैं और आम लोग उनसे मिल सकते हैं और उनसे सीख सकते हैं। जबकि, हिंदू धर्म में गंगा का महत्व सर्वविदित है। माना जाता है कि क्षिप्रा भगवान विष्णु के वराह (सूअर) अवतार के हृदय से निकली थी। गोदावरी को अक्सर दक्षिण की गंगा कहा जाता है।

कैसे तय होता है कुंभ मेले का स्थान

यह ज्योतिषीय गणना पर निर्भर करता है। कुंभ मेले में 12 साल के अंतराल का एक और कारण यह है कि बृहस्पति को सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 12 साल लगते हैं। कुंभ मेला वेबसाइट के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि या कुंभ राशि (जिसका प्रतीक जल वाहक है) में होता है, और सूर्य और चंद्रमा क्रमशः मेष और धनु राशि में होते हैं, तो कुंभ हरिद्वार में आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति वृषभ राशि में होता है, और सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं (इस प्रकार, मकर संक्रांति भी इसी अवधि में होती है) तो कुंभ प्रयाग में आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में होता है, और सूर्य और चंद्रमा कर्क राशि में होते हैं, तो कुंभ नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आयोजित किया जाता है, यही कारण है कि उन्हें सिंहस्थ कुंभ भी कहा जाता है।

कुंभ के इतिहास पर बहस

कई लोग कुंभ मेले की प्राचीनता के प्रमाण के रूप में स्कंद पुराण का हवाला देते हैं। अन्य लोग सातवीं शताब्दी में प्रयाग में एक मेले का वर्णन करने वाले चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग का उल्लेख करते हैं। बीएचयू के ज्योतिष विभाग के प्रमुख प्रो गिरिजा शंकर शास्त्री ने कहा, किसी भी शास्त्र में कुंभ मेले का उल्लेख निश्चित रूप से नहीं किया जा सकता है, जैसा कि हम आज जानते हैं। जबकि, समुद्र मंथन का वर्णन कई पुस्तकों में किया गया है, लेकिन चार स्थानों पर अमृत के छलकने का वर्णन नहीं किया गया है। कुंभ मेले की उत्पत्ति को समझाने के लिए स्कंद पुराण का व्यापक रूप से हवाला दिया जाता है, लेकिन पुराण के मौजूदा संस्करणों में वे संदर्भ नहीं बचे हैं।

गोरखपुर के गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक, जिसे महाकुंभ पर्व कहा जाता है, का दावा है कि ऋग्वेद में कुंभ मेले में भाग लेने के लाभों का उल्लेख करने वाले श्लोक हैं। कई लोगों का मानना है कि 8वीं शताब्दी के हिंदू दार्शनिक आदि शंकराचार्य ने इन चार आवधिक मेलों की स्थापना की थी, जहां हिंदू तपस्वी और विद्वान मिल सकते थे, चर्चा कर सकते थे और विचारों का प्रसार कर सकते थे, और आम लोगों का मार्गदर्शन कर सकते थे।

'कुंभ मेला, महानतम ब्रह्मांडीय मेले की तीर्थयात्रा' पुस्तक में दुबे ने मुगल काल से लेकर संन्यासी अखाड़ों द्वारा रखे गए अभिलेखों का हवाला देते हुए लिखा है, कुंभ मेला बारहवीं शताब्दी ई. के बाद कभी-कभी आयोजित किया जाने लगा। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई और विश्व इतिहास के एसोसिएट प्रोफेसर कामा मैकलीन ने लिखा है कि हालांकि ह्वेनसांग ने मेले का उल्लेख किया है, लेकिन यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि वह कुंभ मेले का वर्णन कर रहे थे। उनका तर्क है कि माघ मेले (हिंदू महीने माघ में आयोजित होने वाला मेला) का एक प्राचीन स्नान उत्सव प्रयाग में आयोजित किया जाता था, जिसे शहर के पंडितों ने 1857 के विद्रोह के कुछ समय बाद 'कालातीत' कुंभ के रूप में पुनः ब्रांड किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंग्रेज इसमें हस्तक्षेप न करें। हालांकि, सभी इतिहासकार इस बात से सहमत नहीं हैं।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास के सेवानिवृत्त प्रोफेसर व सोसाइटी ऑफ पिल्ग्रिमेज स्टडीज के महासचिव प्रो डीपी दुबे ने कुंभ मेले के बारे में विस्तार से अध्ययन और लेखन किया है। वे लिखते हैं कि हरिद्वार में होने वाला मेला संभवतः पहला कुंभ मेला था, क्योंकि इस मेले के समय बृहस्पति कुंभ राशि में होते हैं। कुंभ की उत्पत्ति उत्तरी मैदानों की महान जीवन शक्ति के रूप में गंगा की पूजा से जुड़ी हुई है। पवित्र नदियों के तट पर मेले वास्तव में एक प्राचीन हिंदू परंपरा है। धीरे-धीरे, यात्रा करने वाले साधुओं ने पवित्र नदियों के तट पर चार कुंभ मेलों का विचार फैलाया, जहां आम आदमी के साथ-साथ संन्यासी भी इकट्ठा हो सकते थे। तीर्थयात्रा के अलावा, इस तरह की विशाल सभाएं प्रभाव और अनुयायी अर्जित करने का अवसर भी प्रदान करती हैं, दुबे ने अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा है।

'कुंभ मेला, महानतम ब्रह्मांडीय मेले की तीर्थयात्रा' पुस्तक में दुबे ने मुगल काल से लेकर संन्यासी अखाड़ों द्वारा रखे गए अभिलेखों का हवाला देते हुए लिखा है, कुंभ मेला बारहवीं शताब्दी के बाद कभी-कभी आयोजित किया जाने लगा। इस धार्मिक उत्सव को आयोजित करने की परंपरा संभवतः भक्ति आंदोलन के उत्कर्ष के दौरान शुरू हुई, जो हिंदू संतों और सुधारकों की एक श्रृंखला द्वारा शुरू किए गए सामाजिक-धार्मिक सुधारों का एक आंदोलन था।

कुंभ में तीर्थयात्री क्या करते हैं? कुछ लोग पापों को धोने के लिए नदी में केवल एक बार स्नान करने आते हैं। कई जिन्हें कल्पवासी कहा जाता है, नदी के किनारे रुकते हैं, ताकि भौतिक संसाधनों को कमाने की दैनिक लड़ाई से ब्रेक लेकर आध्यात्मिक श्रेय कमा सकें। कई लोग यहां विभिन्न प्रकार के दान या वस्त्र आदि देते हैं। किसी भी बड़ी भीड़ के साथ व्यापार का मौका आता है, और मेला स्थानीय समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में भी काम करता है। ऐतिहासिक रूप से, मेला बाजारों में वेनिस के सिक्के और यूरोपीय खिलौने देखे जाने के रिकॉर्ड हैं। कुंभ पर्व एक ऐसा अवसर है जब आम आदमी सामूहिक रूप से पुण्य पाने के इच्छुक लोगों का समूह बनता है। कुछ दिन पवित्र स्नान के लिए विशेष रूप से शुभ होते हैं, जैसे मकर संक्रांति, वसंत पंचमी आदि। यहां घी व अन्य चीजों से भरा कुंभ दान करने से भी पुण्य मिलता है। भक्त पवित्र पुरुषों से मिल सकते हैं और धार्मिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर रहे राकेश पांडे का कहना है कि विभिन्न साधु अखाड़े शिविर लगाते हैं। वे शाही स्नान नामक स्नान के लिए जाते हैं, जिसमें भव्य जुलूस निकलते हैं। अतीत में, इस बात को लेकर झगड़ा हुआ कि कौन सा साधु अखाड़ा पहले स्नान करेगा, जिससे खूनी संघर्ष हुए हैं, इसलिए अब, आम तौर पर एक क्रम पहले से तय होता है। कुंभ मेले ने समाज को संगठित और एकजुट करके इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन दिनों, अगले मेले के समय और स्थल का विज्ञापन करना आसान है, लेकिन सदियों पहले, यह साधु ही थे जो ज्योतिषीय गणना करते थे और इस बात को फैलाते थे। लोग बिना ट्रेन या मोटर चालित वाहनों के, बिना आलीशान टेंट के विकल्प के, केवल आस्था के कारण ही मेले में आते थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, मेले राष्ट्रवादी विचारों को फैलाने का भी एक स्थान था।

आपकी बात

चुनावी जीत की नई इबारत लिखती महिला मतदाता

ललित गर्ग

चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दल महिलाओं को लुभाने के लिये आकर्षक कल्याणकारी योजनाओं एवं मुफ्त की सुविधाएं देने की बढ़-चढ़ कर घोषणाएं करने लगे हैं। महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गईं कल्याणकारी योजनाएं एवं मुफ्त की सुविधाएं अब गेमचेंजर बन रही हैं। महिलाओं के खाते में सीधे नगद ट्रांसफर की जाने वाली स्कीम तो भारत की राजनीति में वोट बटोरने का एक जांचा-परखा एवं सशक्त माध्यम बन गया है। यूं तो लम्बे समय से महिलाओं को लेकर तरह-तरह की घोषणाएं होती रही है लेकिन मध्य प्रदेश में इस योजना की कामयाबी के बाद यही कहानी महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड में दोहरायी गयी है। जिससे चुनावों में लगातार महिला मतदाताओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है और किसी की दल की जीत हार में उसकी भूमिका भी स्पष्ट होती जा रही है। इसी विषय को लेकर एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि महिला केंद्रित योजनाओं के कारण इन महिला मतदाताओं की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 में कुल मतदाता 83.4 करोड़ थे, जो 2024 में बढ़कर 97.8 करोड़ हो गये हैं। इसमें महिला मतदाता की संख्या सबसे ज्यादा बढ़ी है। एसबीआई रिसर्च टीम की रिपोर्ट के मुताबिक देश में अब 100 पुरुष मतदाताओं पर 95 महिला मतदाता की संख्या है। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। महिलाओं का मतदान के प्रति बढ़ता रूझान लोकतंत्र की मजबूती के लिये एक शुभ संकेत है। नये अध्ययन से यह भी खुलासा हुआ है कि महिला साक्षरता में वृद्धि हुई है जिसका सीधा असर महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला मतदाताओं की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में मतदान में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। अब सरकारें बनाने में महिला मतदाताओं की भूमिका लगातार बढ़ती एवं निर्णायक होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन बार के शासनकाल में विकास पर जोर देने के साथ-साथ महिला उत्थान पर भी बहुत ज्यादा ध्यान दिया। महिलाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहन मिल रहा है, स्वतंत्र पहचान मिल रही है और वे राजनीति के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है। मोदी सरकार ने 27 साल से भी ज्यादा इंतजार के बाद पहली बार महिला आरक्षण बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित कराया। इस बीच मोदी सरकार ने महिलाओं को लेकर बनाई गई योजनाओं का नाम भी ऐसे रखा, जो सीधे महिलाओं के दिल को छू रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को गैस सिलिंडर देना, जनधन योजना के तहत खाता खुलवाना, मुस्लिम महिलाओं को लेकर तीन तलाक को कानूनी रूप से खत्म करना जैसे विधेयक ने जहां प्रधानमंत्री मोदी के कद को बढ़ाया वही महिलाओं की राजनीति में सक्रियता एवं मतदान में अधिक हिस्सेदारी को नये पंख दिये हैं।

इन योजनाओं से 20 करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं, 5 करोड़ से ज्यादा स्कूलों छात्राओं और 11 करोड़ से ज्यादा कामकाजी महिलाओं को लाभ पहुंचा है। अब महिलाएं राजनीति एवं राजनेताओं के वजूद को बनाने में महत्वपूर्ण हो गयी है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला मतदाताओं की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी, ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि महिलाओं से जुड़ी योजनाएं एवं उन्हें दी जाने वाली मुफ्त सुविधाएं सत्ता प्राप्ति या वोट हासिल करने का स्वार्थी हथियार न होकर स्थायी प्रभाव व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का जरिया हो। उल्लेखनीय तथ्य है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास हुआ है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं)

फेसबुक वॉल से

X से

आज का दोहा

किसने बोला छुट गया, अभी दुखों का साथ।
सुना कि खुशियाँ घूमतीं, छिपा छिपा कर हाथ।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

अलग बात

क्या बदलने जा रही है देश की राजनीति में मोहन भागवत की भूमिका

केदारनाथ दास
बसिया।

इसे आप व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का ज्ञान समझकर खारिज कर सकते हैं। यह एक अपरिपक्व आकलन या बेसिरपैर की बात भी हो सकती है परन्तु इन सबके बावजूद एक संभावना के तौर पर इसे एकदम से खारिज भी नहीं किया जा सकता कि राष्ट्रपति मुर्मू के उत्तराधिकारी की चर्चा अब जोर पकड़ने लगी है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान राष्ट्रपति मुर्मू गत 22 जुलाई 2022 से इस पद पर हैं और जून 2027 तक नये राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर अधिसूचना का प्रकाशन हो जाना है। इस प्रक्रिया के लिए अभी पर्याप्त समय है फिर भी यदि कहीं चर्चा हो रही हो तो केवल एक अपरिपक्व आकलन, बेसिरपैर की बातें या व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का ज्ञान कहकर इसे खारिज भी नहीं किया जा सकता। ऐसा इसलिए कि गत लोकसभा चुनाव के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में हुए चुनावों में भाजपा की जीत का श्रेय अंततः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दिया गया। अब संघ को करीब से जानने वालों का दावा है कि महाराष्ट्र व हरियाणा में विपरीत सियासी समीकरणों और एंटी इनकम्बैंसी को धत्ता बताते हुए भाजपा को सत्ता दिलाने में संघ ने अहम भूमिका निभाई है और इन दोनों राज्यों में चुनाव की घोषणा से पहले भाजपा का ग्राफ तेजी से नीचे गिर रहा था जिसे संघ ने ही सही दिशा देने का काम किया है। दूसरी ओर, राजनीति के जानकारों का मानें तो चुनावी सफलता के इस क्रम को बरकरार रखने के लिए भाजपा के समक्ष वर्तमान सियासी समीकरण को काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। ऐसा इसलिए कि हिन्दूत्व की धार को कुंद करने की नीयत से कांग्रेस व प्रतिपक्ष ने अब संविधान, जातीय जनगणना और आरक्षण पर लगे पचास प्रतिशत के बैरियर को खत्म करने की बात करते हुए भाजपा के शॉफ्ट हिन्दूत्व के विरुद्ध जातिवाद का एक मजबूत कार्ड सामने कर दिया है। गत लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम भी देखने को मिला जब तमाम लोकप्रियता के बावजूद नरेन्द्र मोदी की सरकार को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके। इन सब बातों से भाजपा कतई अनभिज्ञ नहीं होगी जबकि अभी भाजपा के केन्द्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सवर्ण जाति से हैं। इनके पास मोदी के तौर पर एक ओबीसी प्रधानमंत्री है तो दलित-आदिवासी समाज से राष्ट्रपति मुर्मू का नाम भी शामिल है। जाहिर सी बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रपति चुनावों में भाजपा जातीय समीकरण को फिर से संतुलित करने की गरज से प्रखर हिन्दूत्व का प्रदर्शन भी करना चाहेगी। पार्टी अभी दलीय चुनाव की प्रक्रिया से गुजर रही है परन्तु उपरोक्त राजनैतिक समीकरणों के बीच संभावना यह बन रही है कि पार्टी किसी ऐसे दलित नेता पर दांव खेलेगी जो भाजपा

नेतृत्व के साथ मिलकर काम कर सके। पार्टी संविधान के अनुसार श्री नड्डा का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जा सकता। संभावना के अनुरूप नड्डा के बाद भाजपा का अध्यक्ष न कोई सवर्ण होगा और न ओबीसी। ऐसे में भाजपा यदि किसी दलित पर दांव खेलती है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। इस परिस्थिति में भाजपा की चिंता कोर वोटर के तौर पर चिन्हित सवर्णों को साधने की होगी और भाजपा के पास सवर्ण राष्ट्रपति के चयन का विकल्प चुन सकती है। बताते चलें कि राष्ट्रपति पद के लिए भाजपा के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं है फिर भी वह इसके लिए सवर्ण के नाम से बंधी हुई नजर आ रही है। इधर इन तमाम विकल्पों में से सबसे हैरान करने वाला नाम संघ प्रमुख मोहन भागवत का उभर कर सामने आ रहा है। इसके लिए गिनाए जा रहे कई ऐसे कारणों और राजनीति के वर्तमान दांव पेंच के बीच भाजपा को यह बखूबी पता है कि प्रखर हिन्दूत्व के बूते ही इंडी गठबंधन के जातिवादी राजनीति को कुंद किया जा सकता है। इसी तरह गत लोकसभा चुनाव ने यह साफ कर दिया है कि संघ को अवसर दिए बिना भाजपा के लिए भविष्य की राजनीति थोड़ी मुश्किल है। अब इन तमाम मानकों की बात करें तो सवर्ण जाति से संबंधित मोहन भागवत पर अनायास ही सबकी नजरें टिक रही हैं जबकि संघ प्रमुख श्री भागवत के आचार, विचार व व्यवहार में आए बदलाव से भी इस संभावना को हवा मिलने लगा है। विगत कुछ महिनों से उनके मुस्लिम विरोध वाले बयानों में काफी कमी आई है। इतना ही नहीं, हर मंदिर में मस्जिद न ढूंढने संबंधी उनके बयानों को अब सॉफ्ट हिंदुत्व की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस कड़ी में कभी आरक्षण के विरोध में वक्तव्य देने वाले संघ प्रमुख श्री भागवत के उस बयान को भी देखा जा रहा है जिसके अनुसार जब से आरक्षण आया है, तब से संविधान सम्मत सभी आरक्षणों को संघ पूर्ण समर्थन देता है। इसी प्रकार के ऐसे कई बयान हैं जो संघ की विचारधारा के आलोक में विवादित माने जाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

त्रिवेणी तट पर नागा साधु बने **आकर्षण** का केंद्र

अमृत स्नान को लेकर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, लगे जयकारे

मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमुद्र

महाकुंभ में भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति महापर्व पर महाकुंभ में प्रथम अमृत स्नान में शामिल सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महाकुंभ की कुछ तस्वीरें भी शेयर की। पीएम मोदी ने महाकुंभ को भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'महाकुंभ में भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम! मकर संक्रांति महापर्व पर महाकुंभ में प्रथम अमृत स्नान में शामिल सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, यह हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत स्वरूप है। आज लोक आस्था के महापर्व 'मकर संक्रांति' के पावन अवसर पर महाकुंभ-2025, प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में प्रथम 'अमृत स्नान' कर पुण्य अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु जनों का अभिनंदन!

महाकुंभ के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन मंगलवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर 'जय श्री राम' और 'हर हर महादेव' के नारे लगाए। मकर संक्रांति के इस पावन दिन संगम के घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आस्था और उल्लास का ऐसा नजारा था जिसने हर किसी के मन को भावविभोर कर दिया। स्नान के दौरान हर कोई अपने जीवन को पवित्र और सुखमय बनाने की प्रार्थना करता दिखा। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर पुण्य और मोक्ष की कामना की। मकर संक्रांति भगवान सूर्य को ही समर्पित पर्व है। मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और दिन लंबे व रात छोटी होने लगती है।

वहीं, महाकुंभ 2025 के प्रथम अमृत स्नान के दौरान नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। त्रिवेणी तट पर इन साधुओं की पारंपरिक और अद्वितीय गतिविधियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अमृत स्नान के लिए ज्यादातर अखाड़ों का नेतृत्व कर रहे इन नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक था। कभी डमरू बजाते हुए तो कभी भाले और तलवार लहराते हुए, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन कर रहे थे। अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभायात्रा में कुछ नागा साधु घोड़े पर सवार थे तो कुछ पैदल चलते हुए अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए थे। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने महाकुंभ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया। स्व-अनुशासन में रहने वाले इन साधुओं को कोई रोक नहीं सकता था, लेकिन वे अपने अखाड़ों के शीर्ष पदाधिकारियों के आदेशों का पालन करते हुए आगे बढ़े। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। इधर, महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है।

प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करने की तैयारी है, जिसकी श्रृंखला में पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा स्नान पर सोमवार को श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं गई थीं, जबकि दूसरे दिन यानी मंगलवार को मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान भी पुष्पवर्षा से श्रद्धालु अभिभूत नजर आए। उद्यान विभाग की ओर से पहले दो दिनों के लिए पर्याप्त फूलों की व्यवस्था की गई है। उद्यान विभाग की ओर से इन दो दिनों के लिए 40 क्विंटल से अधिक मात्रा में गुलाब के फूलों का स्टॉक जमा किया गया था।

महाकुंभ के प्रथम अमृत स्नान का शुभारंभ मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हुआ। संगम के त्रिवेणी तट पर लाखों श्रद्धालुओं और साधु-संतों का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर स्नान कर श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को नया आयाम दिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर ही अपने ईष्ट देव की पूजा-अर्चना की। इस पूजन में तिल, खिचड़ी और अन्य पूजन सामग्रियों का उपयोग किया गया। श्रद्धालुओं ने तिल और खिचड़ी का दान कर धर्म लाभ प्राप्त किया। दान-पुण्य के इस क्रम ने पर्व को और पवित्र बना दिया। महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। मकर संक्रांति के इस शुभ अवसर पर अमृत स्नान को जीवन में शुभता और सकारात्मकता लाने का माध्यम माना जाता है। संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर श्रद्धालु अपने पापों का प्रायश्चित करते हैं और पुण्य के साथ मोक्ष की कामना करते हैं।

महाकुंभ में विदेशी श्रद्धालुओं ने कहा, हम धन्य हो गए

महाकुंभ नगर (आईएएनएस)। महाकुंभ में देश से ही नहीं, बल्कि विदेश से भी कई श्रद्धालु आए हैं। यह सभी श्रद्धालु खुद को सौभाग्यशाली बता रहे हैं। उनका कहना है कि वो खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें महाकुंभ में आने का मौका मिला। यहां आकर उन्हें आनंद की अनुभूति प्राप्त हो रही है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। इस बीच, विदेश से आए कई श्रद्धालुओं ने आईएएनएस से बातचीत कर अपने अनुभव साझा किए। इटली से आए डेविड ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया, मुझे यहां आकर आनंद की अनुभूति प्राप्त हो रही है। इसके अलावा, मैं खुद को उजार्वान भी महसूस कर रहा हूं। यह मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर एक अच्छा अनुभव है। हालांकि, मुझसे पहले भी कई लोग अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। सभी के अनुभवों में एक समान बात यह देखने को मिल रही है कि उन्हें यहां आकर दिव्य अनुभूति प्राप्त हो रही है, जो कि अपने आप में हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि मैं आए सभी गुरु और साधुओं के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं। मैं जब वापस स्वदेश लौटूंगा, तो मुझे जो संदेश यहां प्राप्त हुआ है, उसे मैं निश्चित तौर पर अपने देश में अपने लोगों के बीच साझा करूंगा। वहीं, स्पेन से आईं नोएलिया ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, कुंभ में आकर मुझे बहुत अच्छा लगा। यहां की सनातन संस्कृति और परंपराएं देखने का अनुभव बहुत ही अद्भुत है। पूरी दुनिया के लोग यहां आकर इस महान अवसर का हिस्सा बन रहे हैं।

भारत, चीन के बाद एक जगह पर विश्व की तीसरी बड़ी जनसंख्या होंगे 45 करोड़ श्रद्धालु

महाकुंभ बना आध्यात्मिकता व आधुनिकता का सबसे बड़ा संगम

प्रयागराज। महाकुंभ शुरू हो गया, यह 26 फरवरी तक चलेगा। इसमें लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों, कल्पवासियों के आने की संभावना है, जो कि भारत व चीन के बाद तीसरी बड़ी जनसंख्या एक जगह होने का विश्व रिकार्ड बनेगा। इसकी सुरक्षा में एनएसजी से लेकर एटीएस तक तैनात किए गए हैं। लगभग 45 हजार से अधिक पुलिसकर्मी महाकुंभ की सुरक्षा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने महाकुंभ के लिए 6990 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

विश्व के इस सबसे बड़े मेले महाकुंभ की तैयारी से जुड़ी 10 बड़ी बातें ये हैं

1. महाकुंभ के लिए योगी सरकार ने 549 प्रोजेक्ट को लागू किया है। इसके लिए 6990 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया गया है। इन प्रोजेक्ट्स में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर शौचालय तक का निर्माण शामिल है।
2. महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान भी रखा जा रहा है। महाकुंभ में पुलिस और स्टेट कमांडो के अलावा एनएसजी के 200 कमांडो तैनात किए गए हैं। यह कमांडो अत्याधुनिक हथियारों से लैस है। उनके पास हेलीकॉप्टर भी हैं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद के लिए पहुंच सकेंगे। एनएसजी के कुल 200 कमांडो कुंभ की सुरक्षा में लगे हुए हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार की एटीएस भी सुरक्षा में तैनात है।
3. महाकुंभ के लिए 12 किलोमीटर का लंबा घाट बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने खुद कहा था कि सरकार का अनुमान है कि 40 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे, लेकिन व्यवस्था 100 करोड़ की की गई है। योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा था कि मौनी अमावस्या के दिन सबसे अधिक 6 करोड़ लोग डुबकी लगाएंगे, लेकिन हमने 10 करोड़ की व्यवस्था की है।
4. महाकुंभ के लिए योगी सरकार की ओर से हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। यह पुष्प वर्षा एक बार ही नहीं, बल्कि कई बार की जाएगी। प्रयागराज प्रशासन इसके लिए पूरी तैयारी कर चुका है।
5. योगी सरकार के 40 से अधिक मंत्रियों ने 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को कुंभ का निमंत्रण दिया। यह सभी मंत्री खुद निमंत्रण दे रहे थे। सभी मंत्री खुद राज्यों के मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे।
6. योगी सरकार की ओर से कुंभ क्षेत्र में 2300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं, एक बड़ा सा कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से हर एक गतिविधि पर नजर रहेगी।
7. पीएम मोदी ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा, पौष पूर्णिमा पर पवित्र स्नान के साथ ही आज से प्रयागराज की पुण्य भूमि पर महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़े इस दिव्य अवसर पर मैं सभी श्रद्धालुओं का हृदय से वंदन और अभिनंदन करता हूं। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का यह विराट उत्सव आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करें, यही कामना है।
8. महाकुंभ 2025 का आयोजन आध्यात्मिकता व आधुनिकता का संगम बनकर उभर रहा है। यह विश्वभर के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है, जहां विदेशी मीडिया भी इसे कवर करने के लिए विशेष रूप से तैयार है। दुनिया के 105 देशों से मीडिया समूहों ने महाकुंभ के कवरेज और लाइव टेलीकास्ट करने के लिए आवेदन किया है। यूरोपीय देशों के साथ-साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देशों और अफ्रीका के राष्ट्र भी इसके लिए यहां पहुंच रहे हैं।
9. दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स भी महाकुंभ आयोजन में शामिल हो रही हैं। वह न केवल संगम में पवित्र डुबकी लगाएंगी, बल्कि कुछ समय के लिए कल्पवास भी करेंगी।
10. महाकुंभ के लिए 200 चार्टर्ड प्लेन से वीवीआईपी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जबकि, महाकुंभ के लिए केंद्र सरकार ने 3000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें भी चलाई हैं।

महाकुंभ में 'इंजीनियर बाबा' और हर्षा रिछारिया बनीं नजीर

महाकुंभ नगर (आईएएनएस)। प्रोफेशनल लाइफ जी रहे आज के दौर के युवाओं में पुरातन सनातन संस्कृति का आकर्षण लगातार बढ़ता जा रहा है। देश-विदेश में स्थापित एंकर, मॉडल और इंजीनियर जैसे पेशेवर अब भारतीय परंपराओं और अध्यात्म से गहराई से जुड़ रहे हैं। महाकुंभ के दौरान ऐसे तमाम उदाहरण सामने आ रहे हैं। इनमें एक ओर उत्तराखंड की युवती ने ग्लैमर की दुनिया छोड़कर स्वामी कैलाशानंद गिरि से दीक्षा ली, तो दूसरी ओर आईआईटी बांबे के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रहे 'इंजीनियर बाबा' ने विज्ञान के माध्यम से श्रद्धालुओं को अध्यात्म की गहराइयों से परिचित कराया। उत्तराखंड निवासी हर्षा देश और विदेश में ग्लैमर इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं। उन्होंने महाकुंभ में सनातन धर्म की दीक्षा ली। उन्होंने कहा, प्रोफेशनल लाइफ में दिखावे और आडंबर से भरी जिंदगी ने मुझे उबा दिया। मैंने महसूस किया कि वास्तविक सुख और शांति केवल सनातन धर्म की शरण में ही है। स्वामी कैलाशानंद गिरि से दीक्षा लेने के बाद मैंने जीवन का नया अर्थ समझा है। हरियाणा के मूल निवासी और आईआईटी बॉंबे के पूर्व छात्र अभय सिंह को अब 'इंजीनियर बाबा' के नाम से जाना जाता है। वह महाकुंभ में श्रद्धालुओं को विज्ञान और अध्यात्म का अनोखा संगम समझा रहे हैं। उन्होंने एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में अपने गहन ज्ञान का उपयोग करते हुए, कॉपी और डायग्राम के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन और अध्यात्म का महत्व समझाया।

महाकुंभ के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने लिए आने लगा श्रद्धालुओं का रेला

नवीन मेल संवाददाता

वाराणसी। महाकुंभ में मकर संक्रांति पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं का रेला अब काशी की तरफ शुरू हो गया। प्रयागराज के बाद काशी में भी स्नान व बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने की परंपरा है, जिसे बहुत लोग मानते हैं। 15 जनवरी से श्रद्धालुओं की भीड़ काशी में बहुत बढ़ने को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है और इंतजाम में लग गया है। श्रद्धालु गंगा स्नान के साथ ही देवालयों, शिवालयों में दर्शन-पूजन करेंगे। बाबा विश्वनाथ धाम व कालभैरव मंदिर में काफी भीड़ होगी।

महाकुंभ में स्नान के बाद काशी में 10 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। काशी में दर्शन-पूजन व स्नान दान का विशेष महत्व है। इस कारण महाकुंभ में स्नान के बाद श्रद्धालु काशी भी आएंगे। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति एक दिन के अंतर पर पड़ी। इस कारण श्रद्धालुओं का काशी में पलट प्रवाह मंगलवार शाम से होने लगा है, लेकिन बुधवार से बहुत बढ़ने वाली है। इसके लिए मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए मुकम्मल व्यवस्था की गई है। विश्वनाथ मंदिर में पूजन से लेकर दर्शन तक की संपूर्ण व्यवस्था बना दी गई हैं। इस बारे में कालभैरव मंदिर के प्रधान पुजारी मोहित महाराज का कहना है कि प्रशासनिक व्यवस्था के साथ ही मंदिर की ओर से भी दर्शन के लिए तैयारी की गई है। प्रशासन की ओर से तय वीआईपी ही दर्शन करेंगे। गंगा स्नान कर मंदिर में दर्शन करने वालों के लिए कतारबद्ध दर्शन करवाया जाएगा। विशालाक्षी, मंगला गौरी, गौरी केदारेश्वर आदि मंदिरों में भी दर्शन के लिए सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। क्योंकि, महाकुंभ के 45 दिनों तक वहां से स्नान कर काशी लौटने वाले दर्शनार्थियों की रोज ही 15 लाख से अधिक भीड़ होगी। महाकुंभ में तीन अमृत स्नान होंगे। 14 जनवरी को मकर संक्रांति वाला तो बीत गया। अब 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर अमृत स्नान होंगे। इनके अगले दिन भी दोगुनी भीड़ होगी। इसके अलावा महाशिवरात्रि , एकादशी, प्रदोष आदि तिथियों पर भी स्नान के लिए भीड़ होगी।

भाजपा दिल्ली-कश्मीर के साथ समान व्यवहार करती है : राजनाथ

जम्मू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जम्मू के अखनूर इलाके में 108 फुट का राष्ट्रीय ध्वज फहराया और एक विरासत संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के लोगों के दिलों के बीच की दूरी को कम करने के उनके प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली और कश्मीर के साथ समान व्यवहार करती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में टांडा आर्टिलरी ब्रिगेड में नौवें सशस्त्र बल दिग्गज दिवस रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हम आज अखनूर में भूतपूर्व सैनिक दिवस मना रहे हैं। यह हम सभी के लिए बड़ा दिन है। कश्मीर के साथ अतीत में (पिछली सरकारों द्वारा) अलग व्यवहार किया गया जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र के हमारे भाई-बहन दिल्ली से उस तरह जुड़ नहीं पाए जैसा उन्हें होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि हम कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच 'दिलों की दूरी' को पाटने का काम कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अखनूर में वेटरन्स डे समारोह यह साबित करता है कि अखनूर का हमारे दिलों में उतना ही स्थान है जितना दिल्ली का है। राजनाथ सिंह ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध को याद करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध लड़ा गया। भारत ने पाकिस्तानी सेना के प्रयासों को विफल करने में सफलता पाई थी।

नीतीश कुमार परिवार के सदस्य, उनके लिए तो दरवाजा हमेशा खुला है : मीसा

पटना। पाटलिपुत्र की सांसद मीसा भारती ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को परिवार का सदस्य बताते हुए इशारों-इशारों में साथ आने का निमंत्रण भी दे दिया। बिहार में एक ओर जहां मकर संक्रांति के मौके पर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालयों और नेताओं द्वारा चूड़ा-दही भोज का आयोजन किया गया, वहीं राजद की सांसद मीसा भारती ने कहा कि लालू यादव और नीतीश कुमार के बीच भाइयों का रिश्ता है। उन्हें बुलाने की क्या जरूरत है। वे तो खुद भी आ सकते हैं। मीसा भारती ने आगे कहा कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। हालांकि, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राबड़ी आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल नहीं होने पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे अभिभावक हैं। उनके लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। नीतीश जब भी आना चाहें, उनका स्वागत है। हम लोगों के दरवाजे किसी के लिए भी खुले रहते हैं। राजद के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने भी मकर संक्रांति के मौके पर 10, सर्कुलर रोड आवास पर चूड़ा-दही भोज आयोजित किया। राबड़ी आवास पर भी लोगों ने चूड़ा-दही भोज का आनंद लिया। भाजपा, लोजपा (रामविलास), कांग्रेस कार्यालय में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें कि कुछ दिनों पहले राजद के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जदयू से गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए महागठबंधन के दरवाजे बंद हो चुके हैं। उनसे हाथ मिलाना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। हालांकि, राजद के अध्यक्ष लालू यादव ने नीतीश कुमार को साथ आकर काम करने का ऑफर दिया था।

महाकुंभ में टूटेंगे सारे रिकॉर्ड

नवीन मेल संवाददाता। प्रयागराज

महाकुंभ में हज से 200 गुना व अमेरिकी जनसंख्या से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इसके चलते विश्व में कहीं किसी आयोजन में, मेले में जुटे लोगों के अब तक बने सभी रिकॉर्ड टूटेंगे। इसमें एक जगह इतनी संख्या में जुटने और 45 दिन तक इस तरह ठंड में स्नान, ध्यान, पूजा पाठ करने का विश्व का अब तक कुंभ का भी सारा रिकॉर्ड टूटेगा। जहां तक विश्व में सबसे ज्यादा आबादी वाले देश का सवाल है, तो इसमें नंबर वन हो गया है भारत। जबकि, आकार के मामले में यह कई देशों से बहुत पीछे है। भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़, दूसरे नंबर पर चीन की जनसंख्या लगभग 142 करोड़, तीसरे नंबर पर अमेरिका की जनसंख्या लगभग 36 करोड़, चौथे स्थान पर इंडोनेशिया की जनसंख्या लगभग 23 करोड़ है। प्रयागराज महाकुंभ में इस बार लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। बीते 13 जनवरी को महाकुंभ शुरू होने के दिन ही लगभग 1 करोड़ 65 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई थी। वर्ष 2019 के अर्धकुंभ में लगभग 21 करोड़ श्रद्धालु आए थे, जिसमें सबसे व्यस्त दिन पर लगभग 50 मिलियन लोगों ने आनुष्ठानिक स्नान किया था। इस बार महाकुंभ में 45 दिनों में प्रयागराज में कम से कम 400 मिलियन लोगों के आने की उम्मीद है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से भी ज्यादा है। यह संख्या बीते वर्ष वार्षिक हज यात्रा के लिए सऊदी अरब के मुस्लिम पवित्र शहरों मक्का और मदीना में आए 2 मिलियन तीर्थयात्रियों से लगभग 200 गुना ज्यादा है।

यह महोत्सव भारतीय अधिकारियों के लिए हिंदू धर्म, पर्यटन और भीड़ प्रबंधन को प्रदर्शित करने की एक बड़ी परीक्षा है। इस धार्मिक आयोजन के लिए नदियों के किनारे एक विशाल मैदान को 3,000 से ज्यादा रसोई और 1,50,000 शौचालयों से सुसज्जित एक विशाल टेंट सिटी में बदल दिया गया है। 25 खंडों में विभाजित व 40 वर्ग किलोमीटर में फैले इस टेंट सिटी में आवास, सड़कें, बिजली और पानी, संचार टावर और 11 अस्पताल भी हैं। शहर की दीवारों पर हिंदू धर्मग्रंथों की कहानियों को दर्शाते भित्ति चित्र बनाए गए हैं। इस आयोजन के लिए भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं के परिवहन के लिए नियमित ट्रेनों के अलावा 90 से अधिक विशेष ट्रेनें भी शुरू की हैं, जो लगभग 3,300 चक्कर लगाएंगी। कानून व्यवस्था के लिए शहर में करीब 50,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं, जो 2019 से 50% अधिक है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए और भीड़ को कंट्रोल करने के लिए 2,500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें से कुछ एआई द्वारा संचालित हैं। भारत के नेताओं ने देश के हिंदुओं के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करने के लिए इस त्योहार का लाभ उठाया है, जो भारत की 143 करोड़ आबादी का लगभग 80% हिस्सा है।

● हज से 200 गुना व अमेरिकी जनसंख्या 36 करोड़ से ज्यादा आएंगे श्रद्धालु

दिसंबर 2024 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए जसप्रीत बुमराह और एनाबेल सदरलैंड

नई दिल्ली(हि.स.)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को दिसंबर 2024 के लिए मंगलवार को क्रमशः आईसीसी पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। शीर्ष क्रम के टेस्ट गेंदबाज बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में बेहतरीन गेंदबाजी की और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता। बुमराह ने साथी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस और डेन पैटरसन को पीछे छोड़ते हुए दूसरी बार प्लेयर ऑफ द मंथ का ताज जीता। अंतरराष्ट्रीय मंच पर बुमराह का यादगार वर्ष ऑस्ट्रेलिया में और अधिक उत्कृष्ट प्रयासों के साथ समाप्त हुआ, उन्होंने दिसंबर के तीन टेस्ट मैचों में 14.22 की औसत से 22 विकेट लिए। बुमराह ने एडिलेड में 61 रन देकर चार विकेट लिए।इसके बाद ब्रिस्बेन टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 76 रन पर छह विकेट और दूसरी पारी में 18 रन पर तीन विकेट लिए। मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 57 रन देकर पांच विकेट लिए। आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ, जसप्रीत बुमराह ने कहा, मैं दिसंबर के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर रोमांचित हूँ। व्यक्तिगत प्रशंसा के लिए चुना जाना हमेशा सुखद होता है, और आपके प्रयासों के लिए पहचाना जाना हमेशा अच्छा होता है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अब तक की सबसे करीबी प्रतिस्पधाओं में से एक थी, और वहां जाकर अपने देश के लिए प्रदर्शन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद तिरुपति बालाजी के दर पहुंचे नीतीश कुमार रेड्डी

- तिरुपति बालाजी की शरण में पहुंचे नीतीश कुमार रेड्डी
- घुटनों के बल नीतीश कुमार रेड्डी ने चढ़ी सीढ़ियां
- ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए किया टेस्ट में डेब्यू
- विशाखापत्तनम एयरपोर्ट पर हुआ शानदार स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर नीतिश कुमार रेड्डी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया और सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया। इसका आभार जताने के लिए वह प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए घुटनों के बल तिरुमाला पहाड़ी की चोटी पर सीढ़ियां चढ़ीं। विशाखापत्तनम के रहने वाले ऑलराउंडर को श्रीवारी मेट्टू या पहाड़ी मंदिर तक जाने वाले पैदल मार्ग से घुटनों के बल सीढ़ियां चढ़ते देखा गया। नीतिश कुमार के घुटनों के बल चलने के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किए गए। 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया। भक्त आमतौर पर मन्नत पूरी करने के लिए तिरुमाला की पहाड़ियों पर चढ़ते हैं। पहाड़ियों तक जाने के लिए दो पैदल रास्ते हैं। नितीश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शानदार शुरूआत की। युवा ऑलराउंडर ने अपने पहले दौरे में शतक लगाकर महफिल लूट ली। आठवें स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए, ऑलराउंडर ने मेलबर्न में चौथे टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने बॉक्सिंग डे टेस्ट में 114 रन बनाए। यह उनके लिए एक खास पल था क्योंकि उनके पिता मुत्यालु रेड्डी, मां मानसा, बहन तेजस्वी और चाचा सुरेंद्र स्टैंड्स में मौजूद थे। हालांकि भारत ने सीरीज 1-3 से गंवा दी, लेकिन नीतीश ने 37.25 की औसत से 298 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया। वह सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 44 ओवर में पांच विकेट भी चटकाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2-32 रहा।

टी-20 क्रिकेट में वापसी को तैयार जेम्स एंडरसन

लंदन(हि.स.)। इंग्लिश तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अपना पेशेवर खेल कैरियर फिर से शुरू करेंगे। लंकाशायर के साथ एक साल के अनुबंध विस्तार पर सहमति जताने के बाद एक दशक से अधिक समय में वह अपना पहला टी-20 मैच खेलने के लिए तैयार हैं। जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने विदाई टेस्ट मैच के बाद से एंडरसन ने कोई मैच नहीं खेला है, उसके बाद वह इंग्लैंड के बैकरूम स्टाफ में सलाहकार के तौर पर शामिल हो गए। खेलना जारी रखने की अपनी इच्छा जाहिर करने के बाद, उन्होंने दिसंबर में आईपीएल नीलामी में हिस्सा लिया। हालांकि उन्हें कोई खरीददार नहीं मिल सका और अब उन्होंने ईसीबी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की समाप्ति के बाद काउंटी चैंपियनशिप और टी20 ब्लास्ट में खेलने के लिए लंकाशायर के साथ एक डील साइन की है। एंडरसन ने एक बयान में कहा, मैं लंकाशायर के साथ इस अनुबंध पर हस्ताक्षर करने और अगले सत्र में फिर से पेशेवर क्रिकेट खेलना शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस क्लब ने मेरे जीवन में तब से बहुत बड़ी भूमिका निभाई है जब मैं किशोर था, इसलिए रेड रोज पहनने और लाल और सफेद गेंद दोनों क्रिकेट में टीम की मदद करने का अवसर मिलना एक ऐसा अवसर है जिसका मैं वास्तव में बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी फिटनेस के स्तर को ऊंचा रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं और सर्दियों के दौरान इंग्लैंड के साथ कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान नियमित रूप से गेंदबाजी करना जारी रखा है, जिसका उद्देश्य अप्रैल में काउंटी सत्र शुरू होने पर मैदान पर उतरने में सक्षम होना है। मुझे एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना बहुत पसंद है और इस गर्मी में फिर से हमारे सदस्यों और समर्थकों के सामने गेंदबाजी करने का मौका मिलना वास्तव में विशेष होने वाला है।

ऑस्ट्रेलिया में हार के बाद बीसीसीआइ सख्त

क्रिकेटर्स के परिवार के लिए बने कड़े नियम अलग-अलग ट्रेवल करने पर भी रोक

नई दिल्ली। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारतीय टीम के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-1 से हराया था। सीरीज हारने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब एक्शन में आ गया है। उन्होंने कुछ नई गाइडलाइंस जारी की हैं। दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसके तहत विदेश दौरे के दौरान खिलाड़ियों के लिए परिवार से मिलना काफी कम हो जाएगा।अब से किसी भी खिलाड़ी की पत्नी पूरे दौरे के लिए नहीं रह पाएंगी। 45 दिनों के भारतीय टीम के दौरे के दौरान पत्नी या परिवार के सदस्य अधिकतम 14 दिन तक ही रह सकते हैं। हालांकि क्रिकेटर परिवार के सदस्यों की मौजूदगी चाहते हैं। लेकिन बीसीसीआई ने खेल पर उनका अधिकतम ध्यान केंद्रित करने के लिए यह निर्णय लिया है।आगामी सीरीज से, बीसीसीआई ने पूरी टीम के साथ यात्रा करना अनिवार्य कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान, खिलाड़ियों को एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग ट्रेवल करते देखा गया था। लेकिन अब इसकी अनुमति नहीं होगी। किसी भी खिलाड़ी को व्यक्तिगत यात्रा की अनुमति नहीं होगी और उन्हें पूरी टीम के साथ ही ट्रेवल करना होगा।

अब कब एक्शन में नजर आएगी टीम इंडिया?

22 जनवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैच की रोमांचक टी20 सीरीज का आगाज होने वाला है। पहला टी20 मुकाबला कोलकाता में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 3 मैच की वनडे सीरीज ठीक चैंपियंस ट्रॉफी से पहले खेली जाएगी। इंग्लैंड से टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का तो ऐलान हो गया है। हालांकि वनडे स्क्वाड का आना अभी बाकी है। हो सकता है कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का स्क्वाड एक साथ आए। रिपोर्ट्स हैं कि 18 या 19 जनवरी को मेगा आईसीसी इवेंट के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो सकता है।

भारत ने फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली(हि.स.)। भारतीय फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने दूसरे लीग मैच में इंग्लैंड पीडी को 29 रनों से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। कटुनायके के एफटीजेड क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस मैच ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए टीम के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 191 रनों का लक्ष्य रखा। राजेश कन्नूर ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया, वे पीडी टूनामेंट में शतक बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए, उन्होंने नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी में रविंद्र संते ने भी अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 24 गेंदों पर 45 रन जोड़े, जिससे भारत ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। स्कोर का बचाव करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने सटीक प्रदर्शन किया। राधिका और जीतेंद्र की शुरूआती सफलताओं ने इंग्लैंड की गति को पटरी से उतार दिया, जबकि रविंद्र संते ने 24 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जिससे भारत ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। हालांकि इंग्लैंड के विल फ्लिन ने 41 गेंदों पर 87 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर शानदार वापसी की, लेकिन टीम 162 रनों पर सिमट गई। टूनामेंट में भारतीय टीम के सफर को डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) और स्वयं नामक संगठन का समर्थन प्राप्त है, जो सुलभता और समावेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वयं ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि विकलांग खिलाड़ियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं और अवसर मिलें, जिससे वे उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 लगातार बड़ा होता जा रहा : वकार यूनिस

दुबई(हि.स.)। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 शनिवार को शुरू हो चुका है। लीग में दुनिया के कुछ शीर्ष क्रिकेटरों के साथ यूएई के होनहार खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। टूनामेंट को अपना समर्थन देने वाले दिग्गजों में से एक प्रतिष्ठित पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वकार यूनिस हैं, जो लगातार तीसरे सीजन के लिए कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। वकार यूनिस ने प्रतियोगिता के बढ़ते स्वरूप की प्रशंसा की और यूएई के क्रिकेटरों के बेहतरीन प्रदर्शनों को उजागर करते हुए इसे देश की क्रिकेट प्रगति का प्रमाण बताया। प्रतियोगिता के असाधारण विकास, रोमांचक शुरूआत और इसके आशाजनक भविष्य की प्रशंसा करते हुए पाकिस्तानी दिग्गज ने कहा कि डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 बड़ा और बड़ा होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में वह सब कुछ है जो इसे शीर्ष टूर्नामेंटों में से एक बनने के लिए चाहिए।

बोपन्ना और निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर बाहर

मेलबर्न(हि.स.)। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके नए कोलंबियाई जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी से पहले दौर में हारकर ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल स्पर्धा से बाहर हो गए हैं। बोपन्ना और निकोलस को करीब दो घंटे तक चले मैच में 5-7, 6-7(5) से हार का सामना करना पड़ा। मैच में बोपन्ना और निकोलस की जोड़ी ने शुरूआत अच्छी और शुरूआती गेमों में अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, स्पेनिश जोड़ी ने धीरे-धीरे गति प्राप्त की तथा खेल में निरंतरता का प्रदर्शन किया। निर्णायक क्षण सेट के अंत में आया जब मार्टिनेज और मुनार की स्पेनिश जोड़ी ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी मुकाबला टक्कर का रहा लेकिन अंततः टाइब्रेकर में स्पेनिश जोड़ी ने जीत दर्ज की। इससे पहले, भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी सोमवार को दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से सीधे सेटों में हारकर पहले दौर से बाहर हो चुके हैं।

डेनमार्क के फुटबॉलर साइमन केर ने लिया संन्यास

कोपेनहेगन(हि.स.)। डेनमार्क के फुटबाल खिलाड़ी साइमन केर ने राष्ट्रीय टीम के साथ 132 मैच खेलने के बाद सोमवार को संन्यास ले लिया। उन्होंने एक साक्षात्कार में संन्यास लेने के अपने फैसले का खुलासा किया। एफसी मिडट्जिलैंड से आने के बाद, केरने 2020 में एसी मिलान में शामिल होने से पहले पलेर्मो, रोमा, सेविला के लिए खेला है और 2022 में रॉसोनेरी को स्कुडेटो जीतने में मदद की है। राष्ट्रीय टीम में, केरने 2009 में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और विश्व कप के तीन संस्करणों और तीन यूरोपीय चैंपियनशिप सहित छह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेला। 35 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल गर्मियों में एसी मिलान के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से किसी क्लब के बिना है। पूरा साक्षात्कार इस सप्ताह के अंत में जारी किया जाएगा, लेकिन स्निपेट से पता चला है कि अनुभवी खिलाड़ी लंबे समय से इस निर्णय के बारे में सोच रहे थे। हालांकि उनका करियर बहुत शानदार नहीं रहा, लेकिन 2021 में डेनमार्क और फिनलैंड के बीच यूरोपीय चैंपियनशिप के मुकाबले में केरको काफी प्रशंसा मिली। जब क्रिश्चियन एरिक्सन मैदान पर गिर पड़े, तो टीम के कप्तान केरसबसे पहले उनकी स्थिति की जांच करने वाले थे।

व्यापार/लाइफ व साइंस

अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक कोयला आयात 3.1 फीसदी हुआ कम : कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली(हि.स.)। भारत का कोयला आयात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में 3.1 फीसदी तक कम हो गया है। विदेशी कोयले पर निर्भरता घटाने और घरेलू कोयले का उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों से अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान देश के कोयला आयत में गिरावट दर्ज की गई है।

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि कोयला आयात कम करने की सरकार की पहल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 7 महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित्त वर्ष की उक्त अवधि के दौरान 15.4 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था, जबकि इस वित्त वर्ष में 14.3 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया है, कोयला आयात में 3.1 फीसदी की कमी है।

मंत्रालय ने कहा कि कोयला के आयात में इस कमी के बावजूद भारत में कोयला आधारित बिजली उत्पादन में अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक 3.87 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। गैर-विनियमित क्षेत्र (बिजली क्षेत्र को छोड़कर) में अधिक गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में साल-दर-साल 8.8 फीसदी की गिरावट आई। इस अवधि में थर्मल पावर प्लांट के आयात में 19.5 फीसदी की तीव्र कमी आई है। हालांकि, बिजली क्षेत्र के लिए कोयले का आयात, विशेष रूप से आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए, 38.4 फीसदी की वृद्धि हुई हे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21.71 मीट्रिक टन से बढ़कर 30.04 मीट्रिक टन हो गया है,

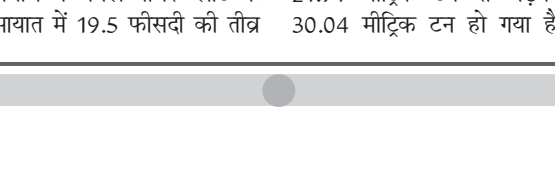

हल्दी का उत्पादन पांच साल में दोगुना कर 20 लाख टन करने का लक्ष्य

नई दिल्ली(हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने और अगले 5 साल में उत्पादन दोगुना कर करीब 20 लाख टन करने में मदद करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही।

डेल्टा ऑटोकॉर्प की लिस्टिंग से निवेशक गदगद

आईपीओ निवेशकों को 30 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली(हि.स.)। डेल्टिक ब्रांड के नाम से इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी डेल्टा ऑटोकॉर्प की आज स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 34.62 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 175 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 183 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 167.65 के स्तर तक भी आ गया। दोपहर 12 बजे ये शेयर 30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 169 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। डेल्टा ऑटो कॉर्प का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 342.18 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 178.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 624.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 314.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 50.54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हुए हैं। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर फेब्रिकेशन प्लांट और पेंटिंग प्लांट बनाने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

क्वाड्रेंट फ्यूचर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली(हि.स.)। भारतीय रेलवे के लिए काम करने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 290 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी 374 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 370 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर 380.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 31.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है। क्वाड्रेंट फ्यूचर का 290 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था।

मोबाइल में नहीं है इंटरनेट तो कैसे करें यूपीआइ पेमेंट ?

एजेंसी/ नई दिल्ली। आज के डिजिटल युग में यूपीआइ हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। चाहे शॉपिंग के लिए भुगतान करना हो या किसी रेस्टोरेंट में खाना, हममें से ज्यादातर लोगों ने कैशलेस लेन-देन को अपनाया है और ऑनलाइन पेमेंट पर काफी ज्यादा निर्भर हैं। हालांकि, ये लेन-देन इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर करते हैं। अगर किसी भी समय इंटरनेट काम करना बंद कर देता है, तो इससे भुगतान में बाधा आ सकती है और असुविधा हो सकती है। लेकिन अब, आप यूपीआइ का इस्तेमाल कर सकते हैं और इंटरनेट कनेक्शन के बिना भी भुगतान कर सकते हैं।

पेमेंट के लिए यूएसएसडी कोड का उपयोग कैसे करें?

- अपने बैंक में पंजीकृत मोबाइल नंबर से *99# डायल करें।
- अपने फोन स्क्रीन पर संबंधित नंबर का चयन करके अपनी पसंदीदा भाषा चुनें।
- इच्छित बैंकिंग सुविधा का चयन करें, जैसे मनी ट्रांसफर, शेष राशि की जांच, या लेनदेन देखना।
- पैसा ट्रांसफर करने के लिए, 01 टाइप करें और भेजें दबाएं।
- पैसे भेजने का तरीका चुनें, जैसे मोबाइल नंबर, यूपीआई आईडी, सहेजा गया संपर्क या कोई अन्य विकल्प और भेजें दबाएं।
- यदि मोबाइल नंबर विकल्प का उपयोग कर रहे हैं, तो प्राप्तकर्ता का नंबर दर्ज करें और भेजें दबाएं।
- पेमेंट राशि दर्ज करें और भेजें दबाएं।
- वैकल्पिक रूप से, पेमेंट के लिए एक टिप्पणी जोड़ें।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री राज्यपाल से मिले

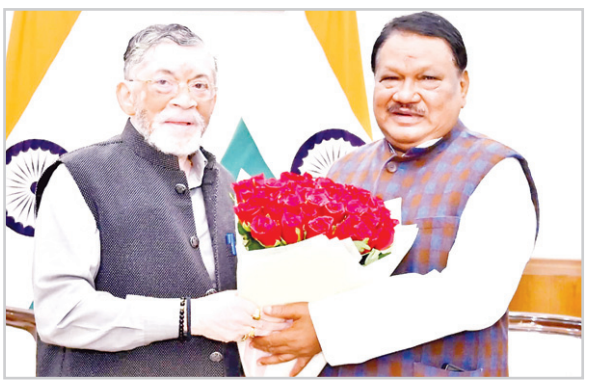

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री ने राज्यपाल को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। वार्ता के क्रम में जनजातीय समाज के उत्थान व विकास हेतु केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं राज्य में उनके प्रभावी कार्यान्वयन के संदर्भ में चर्चा हुई।

रांची से कुंभ के लिए 16 जनवरी से एक मार्च तक 10 ट्रेनों का होगा परिचालन

अधिक से अधिक संख्या में करें कुंभ यात्रा : सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले के लिए 16 जनवरी से एक मार्च तक रांची रेल मंडल से 10 ट्रेनों का परिचालन होगा। विभिन्न क्षेत्रों से आकर यह ट्रेनें रांची रेलवे स्टेशन से गुजरेंगी, जहां बड़ी संख्या में रांची के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे।

रांची से या रांची होकर अधिक से अधिक ट्रेनों का परिचालन कुंभ के लिए हो, इस निमित्त रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर उनसे चर्चा की थी। उनसे आग्रह किया था कि कुंभ ट्रेनों का परिचालन रांची के रूट से किया जाए। इससे रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोडरमा, चतरा, लातेहार, पुरुलिया, जमशेदपुर, सरायकेला खरसावां सहित कई जिलों के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे। विभिन्न तिथियां को कुंभ के लिए चलने वाली यह विशेष ट्रेन यहां के यात्रियों के तीर्थाटन को सुगम बनाएंगी। रक्षा राज्य मंत्री ने इन ट्रेनों के परिचालन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार प्रकट किया है।

सेठ ने कहा कि यह पहला अवसर है जब रांची को कुंभ मेला के लिए इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों की सौगात मिली है। हर ट्रेन का परिचालन रांची स्टेशन होकर ही होगा और पर्याप्त संख्या में यहां से इन्हें सीटें भी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं हो, इसे लेकर रेलवे हर प्रकार की व्यवस्था कर रहा है। इन सभी ट्रेनों में सामान्य क्लास, स्लीपर क्लास और एसी क्लास की बोगियां भी उपलब्ध होगी। रांची से सफर करने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त आरक्षित सीटों की व्यवस्था होगी। रक्षा राज्य मंत्री ने लोगों से आग्रह किया है कि 12 वर्षों के बाद लगने वाले इस महाकुंभ में अधिक से अधिक सनातनियों को जाना चाहिए और सनातन के इस महापर्व में भाग लेना चाहिए।

इन ट्रेनों का होगा परिचालन

- रांची से टूंडला (08067/08968) के लिए कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी।
- भुवनेश्वर से टूंडला (08425) कुंभ मेला स्पेशल 22 जनवरी, 05, 19 और 25 फरवरी।
- टूंडला से भुनेश्वर (08426) कुंभ मेला स्पेशल 24 जनवरी, 07, 21 और 28 फरवरी।
- टिटिलागढ़ से टूंडला (08314) कुंभ मेला स्पेशल 16 और 23 जनवरी, 06, 20 फरवरी व 25 फरवरी।
- टूंडला से तितलागढ़ (08313) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 25 जनवरी, 08 और 22 फरवरी व 01 मार्च।
- तिरुपति से बनारस (07107) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 08, 15 और 22 फरवरी।
- बनारस से विजयवाड़ा (07108) कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी, 10, 17 और 24 फरवरी।
- नरसापुर से बनारस (07109) कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी, 2 फरवरी।
- बनारस से नरसापुर (07110) कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी और 3 फरवरी को चलेगी।

इन ट्रेनों का कुल परिचालन 38 बार होगा।

परामर्शदात्री समिति के सदस्य ने रांची और हटिया स्टेशन का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्रीय उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के नवनियुक्त सदस्य सतीश सिन्हा ने मंगलवार को हटिया व रांची स्टेशन का जायजा लिया। उन्होंने हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक समेत अन्य प्लेटफार्मों की यात्री सुविधाओं एवं सफाई आदि की जानकारी ली। उन्होंने कमियों को दूर करने का निर्देश रेल अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ मेले को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी ली।

इस पर उन्होंने अधकारियों से कहा कि लगातार चेकिंग करें कोई बिना ड्रेस कोड या आइडी नंबर लगाए काम न करें। यदि ऐसा करते पकड़ा जाए तो जुर्माना लगाएं। हटिया व रांची स्टेशनों के निरीक्षण के दौरान सतीश सिन्हा ने यात्री सुविधाओं में सुधार को लेकर कई सुझाव व निर्देश दिए। दोनों स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मौके पर हटिया स्टेशन मैनेजर ध्रुव कुमार, सीआइ विकास कुमार, अनुराग कुमार, भाजपा हटिया मंडल अध्यक्ष राम मनोज साहू, दुर्गेश कुमार, तरुण कुमार दास आदि उपस्थित थे।

यात्रियों की सुरक्षा पर दें विशेष ध्यान

रांची रेल मंडल से खुलने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेनों के संबंध में जानकारी ली। सिन्हा ने कुंभ मेला से संबंधित स्टाल व बैनर लगाकर यात्रियों को पूरी जानकारी देने का निर्देश दिया। ताकि कुंभ जाने वाले यात्रियों को ट्रेनों के आने-जाने सहित अन्य जानकारियां ठीक से मिल सके। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। वहीं प्लेटफार्म पर मौजूद खाने-पीने के स्टॉल पर कार्य करने वाले बिना ड्रेस कोड व आइडी लगाए काम कर रहे हैं।

मुंबई में आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे में शामिल हुए रक्षा राज्य मंत्री, कहा

पूर्व सैनिकों के कल्याण को प्रतिबद्ध है मोदी सरकार

- *आपका बलिदान, आदर्श, अनुशासन, ईमानदारी, समर्पण अनुकरणीय है*
- *इनके कल्याण के लिए 1,24,000 करोड़ से अधिक खर्च किए*
- *मुंबई में पूर्व सैनिकों से मिल, राष्ट्र सेवा में उनके समर्पण के लिए आभार प्रकट किया*

नवीन मेल संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। 9वें आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे पर मुंबई में स्थित नौसेना डॉकयार्ड मेमोरियल में वीर बलिदानियों को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर, नमन किया। रक्षा राज्य मंत्री ने ऐसे सभी पूर्व सैनिकों से संवाद किया। उनके कुशल से पूछा और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

संजय सेठ ने कहा कि राष्ट्र की सेवा में आपका सर्वोच्च बलिदान, आदर्श, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति ईमानदारी और वफादारी हर देशवासी के लिए अनुकरणीय है। सभी पूर्व सैनिक हमारे गौरव हैं। इनके कल्याण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पिछले 10 वर्षों में भूतपूर्व सैनिक व उनके परिवार के कल्याण के लिए मोदी सरकार ने 1,24,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। उन्होंने कहा कि हम सम्मान उन्हें दे रहे हैं, जिन्होंने अपना जीवन देश के नाम किया। संवाद उनसे कर रहे, जो सदैव देश के लिए समर्पित रहे।

आज मुंबई में ऐसे वेटरन्स से संवाद कर, सुखद अनुभूति हो रही है। आपसे मिलकर मन गौरव से प्रफुल्लित है। राष्ट्र की रक्षा को जीवन समर्पित करने वाले वीरों से मिलना मेरे जीवन का अविस्मरणीय पल है। सैन्यसेवा से सेवानिवृत होने के बाद भी आगे इनका जीवन सुगम हो, भविष्य के लिए इन्हें चिंता नहीं हो, इसे लेकर हमारी सरकार संवेदनशील है। यह गौरव की बात है कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में वेटरन्स डे मनाया जा रहा है। यह देश की सेवा में समर्पित हमारे कर्त्तव्यपरायण वीरों का सम्मान है।

रांची रेलमंडल की आठ ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच

रांची। यात्रियों की सुविधा के लिए रांची रेलमंडल से चलने वाली आठ ट्रेनों में अस्थाई रूप से कोच संयोजन में वृद्धि होगी। इसमें रांची-आरा एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च, आरा-रांची में 16 जनवरी से एक अप्रैल, रांची-गोड्डा एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च तक, गोड्डा-रांची एक्सप्रेस में 16 जनवरी से एक अप्रैल तक, रांची-बनारस एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च तक, बनारस-रांची एक्सप्रेस में 16 जनवरी से एक अप्रैल तक, राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च, जयनगर-राउरकेला में 16 जनवरी से एक अप्रैल तक द्वितीय श्रेणी स्लीपर का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।

लापता दो सगी बहनों के घर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, बंधाया ढांढस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शहर के हिंदपीढ़ी से गायब दो सगी बहनों के परिजनों से मिलने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी उनके आवास पहुंचे। अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले को लेकर गंभीर हैं। सरकार पूरी कोशिश कर रही है। सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। जल्द दोनों लड़कियों को वापस लाया जाएगा। इरफान अंसारी के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अजय नाथ शाहदेव और शहजादा अनवर आदि भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि युवतियों के चाचा ने पुलिस को बताया था कि दोनों बहनें 11 जनवरी की दोपहर 12.30 बजे घर से कांटाटोली के समीप मंगल टावर स्थित आधार केंद्र जाने के लिए निकली थीं। इसके बाद दोपहर के करीब 1.20 बजे एक भतीजी ने फोन कर पिता से कहा कि ऑटो चालक ने उनसे मोबाइल और पर्स छीन लिया है। जबरन कहीं दूसरी जगह पर ले जा रहा है। इतना बोलने के बाद फोन कट गया। दोबारा फोन करने पर फोन बंद मिला। इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बाद में पुलिस को दोनों का आखिरी लोकेशन ओरमांझी में मिला था। मामले में हिंदपीढ़ी थाना लगातार जांच-पड़ताल कर रही है।

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ एसएन पाठक हुए सेवानिवृत्त

जज बनना नौकरी नहीं, लोगों को न्याय देने का मिशन : जस्टिस पाठक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ एसएन पाठक सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। हाईकोर्ट की पूर्णपीठ ने उन्हें विदाई दी। जस्टिस पाठक ने कहा कि जज बनना कोई नौकरी नहीं, बल्कि यह लोगों को न्याय देने का मिशन है। न्याय सिर्फ दिखाने के लिए नहीं, बल्कि होते दिखना चाहिए। मैंने हमेशा न्याय देने की बेहतर कोशिश की है, ताकि समाज को इसका फायदा मिल सके। विदाई समारोह में बोलते हुए जस्टिस पाठक भावुक भी हो गए। उन्होंने कहा कि वह आईपीएस बनना चाहते थे। लेकिन, नियति उन्हें कानून के क्षेत्र में लेकर आई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अधिवक्ताओं और राज्य के अधिकारियों से हमेशा सहयोग मिला।

जस्टिस पाठक ने कहा कि वह मूलतः बक्सर के रहने वाले हैं। लॉ की पढ़ाई के बाद पटना हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। वर्ष 2000 में झारखंड बनने के बाद वह झारखंड हाईकोर्ट प्रैक्टिस करने के लिए आए। वर्ष 2010 में उन्हें वरीय अधिवक्ता बनाया गया। तब उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह हाईकोर्ट के जज बनेंगे। जस्टिस पाठक की पत्नी सरकारी शिक्षिका हैं। उनका बेटा, बेटी और बहू कानून के क्षेत्र में ही काम कर रहे हैं। इस दौरान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने कहा कि जस्टिस पाठक के कई फैसले समाज के लिए बेहतर साबित हुए हैं। इस अवसर पर महाधिवक्ता राजीव रंजन, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राजेंद्र कृष्ण, पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार, नवीन कुमार, धीरज कुमार सहित सभी वकील और हाई कोर्ट के कर्मी मौजूद थे।

रोजगार सृजन से क्षेत्रीय भाषाओं का होगा संरक्षण : डॉ शिम्पी चतुर्वेदी

रांची। गोस्सनर कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित सात दिनी संकाय संवर्द्धन के आखिरी दिन मंगलवार को पहले सत्र में उषा मार्टिन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ शिम्पी चतुर्वेदी ने भाषा और सांस्कृतिक विरासत पर चर्चा की। कहा कि भाषा की विविधता को स्वीकार कर, इसका संरक्षण करना चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं को रोजगार से जोड़कर इसकी सुरक्षा की जा सकती है। दूसरे सत्र में कॉलेज के शासी निकाय के सचिव डॉ सीएसपी लुगुन ने कहा, शिक्षकों को अपना शैक्षणिक कौशल बढ़ाकर अनुशासन और संयम पर भी ध्यान देना चाहिए। कॉलेज की प्रोफेसर इंचार्ज इलानी पूर्ति बोलीं, हर विद्यार्थी की मौलिक प्रतिभा को पहचानकर इसे विकसित करने की जरूरत है। कहा कि विद्यार्थियों को मन और हृदय को नियंत्रित करना और आत्मसंयम का गुण सिखाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार कर सकें। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

महेंद्र सिंह का 20वां शहादत दिवस कल

दीपंकर भट्टाचार्य होंगे मुख्य अतिथि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाकपा माले महेंद्र प्रसाद सिंह का 20वां शहादत दिवस 16 जनवरी को मनाएगा। पूरे राज्य में जन-सभा एवं गोष्ठी की जाएगी। भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम बगोदर में जनसभा के साथ होगी। इसके मुख्य अतिथि भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य होंगे। 20वें शहादत दिवस के अवसर पर भाकपा माले जोहार झारखंड संकल्प अभियान के तहत युवाओं के लिए रोजगार, सार्वजनिक-सरकारी क्षेत्रों के निजीकरण पर रोक, ठेका मजदूरों व स्कीम वर्करों के लिए उचित वेतन एवं कार्य-सुरक्षा, पेसा एवं पांचवीं अनुसूची लागू करने, एवं मोदी सरकार से झारखंड के बकाये के भुगतान के लिए संघर्ष को तेज करने के मुहिम को तेज किया जाएगा। महेंद्र सिंह के 20वें शहादत दिवस के अवसर पर राज्य में 17 जनवरी से 22 जनवरी के बीच धनबाद, जामताड़ा, रांची, हजारीबाग एवं गढ़वा में कंवेंशन किए जाएंगें। महेंद्र सिंह के शहादत दिवस की तैयारी में विभिन्न जिलों में पार्टी की कई टीमें 18 दिसंबर से पदयात्रा कर रही है। शहादत दिवस के अवसर पर महेंद्र सिंह के गांव खंभरा में भी उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण होगा। इन कार्यक्रमों में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के अतिरिक्त, पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक एवं केंद्रीय व राज्य कमिटियों के सदस्य भी शिरकत करेंगे।

150 वर्ष का हुआ मौसम विज्ञान विभाग, आयोजित हुए कई कार्यक्रम

20-25 वर्षों से जलवायु में तेजी से हो रहा है बदलाव : मौसम निदेशक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मौसम विज्ञान विभाग के सफलतापूर्वक 150 वर्ष पूरे होने की खुशी में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर में मंगलवार को कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अगले दिन भी जारी रहेगा। वहीं मौसम केंद्र रांची के तत्वावधान में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंगलवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। बच्चों के बीच पेंटिंग, ड्रॉइंग, रंगारंग कार्यक्रम और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मौसम विभाग केंद्र रांची में देर शाम तक चलने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौसम निदेशक अभिषेक आनंद ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 20-25 वर्षों से जलवायु तेजी से बदल रही है। ऐसी स्थिति में कोई कार्य बेहतर ढंग से नहीं हो पा रहे हैं। मौसम खराब होने का प्रभाव तेजी से पड़ता है। खराब मौसम में कोई कार्य नहीं हो सकता है। वहीं जहां का मौसम अच्छा होगा और जलवायु अनुकूल होगी, वहां लोगों का आना-जाना बढ़ेगा और वहां की आबादी भी बढ़ने लगेगी, क्योंकि लोग वहां के मौसम को पसंद करते हैं।

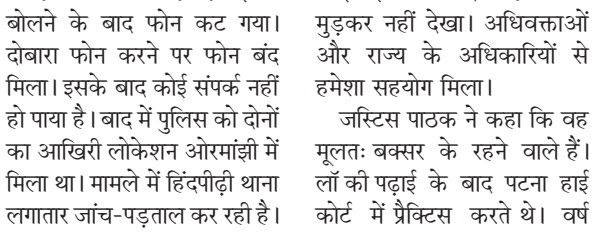

जब तक माप नहीं करते, मौसम की जानकारी नहीं देते

1953 में बीआईटी मेसरा में मेनुअल एडजेस्टमेंट की शुरूआत हुई। जब तक हम माप नहीं करते, तब तक मौसम की जानकारी नहीं देते। जब माप कर लेते हैं, तब उसकी जानकारी देते हैं। गर्मी में हवा का लो प्रेशर, वहीं ठंड में हवा का हाई प्रेशर होते हैं और कई प्रकार के जलवायु परिवर्तन होते हैं। इसके लिए मौसम विभाग में विभिन्न यंत्र लगाए गए हैं, जिनसे मौसम की जानकारी हम प्रदान करते रहते हैं।

वर्षा कब होगी, रडार से पता करके बताते हैं

वर्षा कब होने वाली है, कितनी होगी, यह सब रडार से पता कर हम बताते हैं। झारखंड के 24 जिलों में ऑटोमेटिक मशीनें लगी हैं।खराब मौसम की जानकारी न मिलें तो विमान दुर्घटना का खतराएयरपोर्ट के पास मौसम विभाग का कार्यालय हमेशा होना चाहिए, क्योंकि विमान को पल-पल की जानकारी देनी पड़ती है। राज्य में 200 किमी तक की मौसम की जानकारी इस तकनीक के माध्यम से दी जाती है। सुपर कंप्यूटर में सभी डाटा डाले जाते हैं। यदि मौसम खराब होने की जानकारी विमान चालक को नहीं दी जाती, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

झारखंड में बिजली अधिक गिरती है

मौसम खराब होने पर बच्चों के स्कूलों में छुट्टी कर दी जाती है। 13 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टी की गई थी और शिक्षा विभाग ने मौसम केंद्र से जानकारी ली थी। उन्हें बताया गया था कि स्कूलों के जूनियर क्लास के बच्चों की छुट्टी कर देना उचित उपाय होगा। मौसम विज्ञान निदेशक ने बच्चों को यह भी बताया कि झारखंड में बिजली ज्यादा गिरती है। विशेष रूप से बादल और बारिश के मौसम में पेड़ के नीचे खड़े होकर नहीं रुकना चाहिए, क्योंकि ऐसी जगह बिजली गिरने का खतरा ज्यादा होता है।

विजयी बच्चे हुए पुरस्कृत

मौसम विभाग की विभिन्न प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय, सुरेंद्रनाथ सेंट्रल स्कूल और अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पेंटिंग, ड्रॉइंग, गीत-संगीत और अन्य प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर मौसम केंद्र रांची के सभी वैज्ञानिक, कर्मचारी, स्कूल के छात्र और शिक्षकगण मौजूद थे।

डीएवी ग्रुप के स्कूल में आज से मिलेंगे नामांकन फॉर्म

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डीएवी कपिल देव सहित शहर के कई डीएवी स्कूलों में 11वीं में नामांकन के लिए बुधवार को आवेदन फॉर्म मिलने लगेंगे। डीएवी बरियातू एसआर डीएवी स्कूल में भी आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। डीएवी हेहल में भी आवेदन फॉर्म मिलना एक-दो दिन में शुरू होगा। डीएवी ग्रुप के सभी स्कूलों में आवेदन शुल्क 1500 रुपए है। मालूम हो कि डीपीएस, सरला बिरला आदि स्कूलों में नामांकन फॉर्म पहले से मिल रहे हैं। बोर्ड परीक्षा के परिणाम आने से पहले स्कूलों में 11वीं में प्रोविजिनल नामांकन लिया जाएगा। परिणाम आने के बाद नामांकन कंफर्म किया जाएगा। इसके अलावा 30 से 40 प्रतिशत सीट पर रिजल्ट आने के बाद सीधा नामांकन लिया जाएगा।

पूर्व मंत्री राजा पीटर सड़क हादसे में बाल-बाल बचे

रांची-टाटा मार्ग पर कंटेनर ने मारी टक्कर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची-टाटा मार्ग पर कांची नदी के पुल के समीप झारखंड के पूर्व मंत्री राजा पीटर की कार को कंटेनर ने सामने से टक्कर मार दी। राजा पीटर बाल-बाल बच गए हैं। उनको हल्की चोट आयी है। सड़क हादसे में कार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। कंटेनर का ड्राइवर टक्कर मारने के बाद भागने लगा। इसकी सूचना राजा पीटर ने तमाड़ पुलिस को दी। इसके बाद ड्राइवर को तमाड़ के पास पकड़ लिया गया।

सड़क हादसे के संबंध में पूर्व मंत्री राजा पीटर ने बताया कि वे तमाड़ से बुंडू एसबीआई बैंक जा रहे थे। इसी बीच रांची-टाटा मार्ग पर कांची पुल के समीप सिंगल लेन में सामने से आ रही कंटेनर ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी है। उन्होंने कहा कि अनहोनी थी, जो टल गयी। वे सुरक्षित हैं।

कंटेनर का ड्राइवर टक्कर मारने के बाद घटनास्थल से भागने लगा। पूर्व मंत्री राजा पीटर ने तत्काल तमाड़ पुलिस को इसकी सूचना दी। तमाड़ पुलिस सूचना मिलते ही एक्शन में आयी और भागते कंटेनर ड्राइवर को तमाड़ के पास पकड़ लिया। तमाड़ के थाना प्रभारी रोशन कुमार झा सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। कंटेनर के ड्राइवर और खलासी को पुलिस ने पकड़ लिया है। तमाड़ थाने में उनसे पूछताछ की जा रही है।

लॉस एंजिल्स आग के कारण ऑस्कर पुरस्कार के नामांकन की घोषणा टली

लॉस एंजिल्स (हि.स.)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स क्षेत्र के जंगलों में लगी भीषण आग के कारण 97वें ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामांकन की घोषणा को लगभग एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज अकादमी ने कहा कि अब नामांकन की घोषणा 23 जनवरी को की जाएगी। यह घोषणा अकादमी की वेबसाइट पर सीईओ बिल क्रेमर और अध्यक्ष जेनेट यांग ने संयुक्त रूप से सोमवार को की। सीईओ क्रेमर और यांग ने कहा कि इस आग से लॉस एंजिल्स में भारी तबाही हुई है। अकादमी कठिनाई के समय में प्रभावित लोगों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है। अकादमी ने महसूस किया है कि नामांकन की घोषणा की तारीख को आगे बढ़ाना आवश्यक है। अकादमी के कार्यकर्ता अग्रिम पंक्ति पर आगे आकर राहत और बचाव कार्य कर रहे हैं। अकादमी राहत प्रयासों का हिस्सा बनने वाले कार्यकतार्ओं को सम्मानित करेगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध में केरल के एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। रूस में एक भारतीय नागरिक की मौत के बाद भारत ने संघर्ष क्षेत्र में रूसी सेना में काम कर रहे अन्य भारतीयों को जल्द वापस भेजने की अपनी मांग दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमें केरल के एक भारतीय नागरिक की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बारे में पता चला है, जिसे जाहिर तौर पर रूसी सेना में सेवा देने के लिए भर्ती किया गया था। केरल का एक अन्य भारतीय नागरिक, घायल हो गया है और उसका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

- **भारत ने संघर्ष क्षेत्र से बाकी भारतीयों की जल्द वापसी की मांग दोहराई**

भूतपूर्व सैनिक हमारे नायक व देशभक्ति के प्रतीक हैं : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सशस्त्र सेना वेटरंस डे (भूतपूर्व सैनिक दिवस) पर देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बहादुर महिलाओं और पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिक हमारे नायक और देशभक्ति के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, सशस्त्र सेना वेटरंस डे पर, हम उन बहादुर महिलाओं और पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमारे देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान, साहस और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। हमारे दिग्गज नायक हैं और देशभक्ति के प्रतीक हैं। हमारी सरकार ने हमेशा दिग्गजों के कल्याण के लिए काम किया है और हम आने वाले समय में भी ऐसा करते रहेंगे।

पीएम आज मुंबई में 3 नौसैनिक युद्धपोत राष्ट्र को करेंगे समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के तीन अग्रणी युद्धपोत (आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर) राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जनवरी को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री दिन में करीब 10:30 बजे मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के तीन अग्रणी युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद दिन में करीब 3:30 बजे वे नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

राजौरी में नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग विस्फोट में छह सैनिक घायल

राजौरी। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा के भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में छह सैनिक घायल हो गए। घायल सैनिकों को इलाज के लिए राजौरी के आर्मी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। उनकी हालत स्थिर है और उन्हें मामूली चोट आई हैं। घायल सैनिकों की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई है। सूत्रों के मुताबिक नियमित गश्त के दौरान सेना का एक दल गलती से एक बारूदी सुरंग पर चला गया।

इजरायल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के थमने की संभावना बढ़ी

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पूर्व गाजा में युद्धविराम संभव

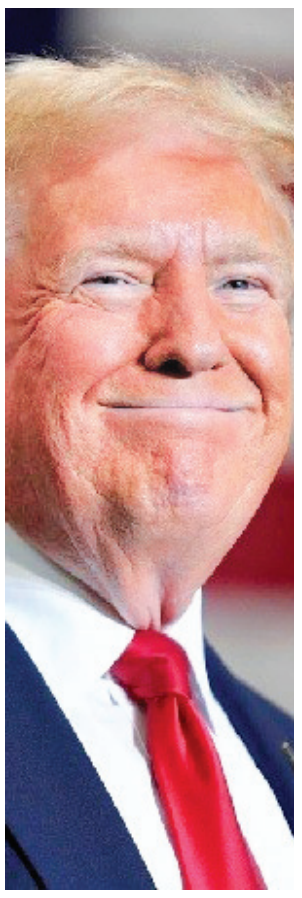

कतर ने दोनों पक्षों के सामने प्रस्तुत किया तैयार मसौदा

दोहा (हि.स.)

गाजा में इजरायल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के थमने की संभावना बढ़ गई है। कतर की कोशिश है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले युद्धविराम समझौता लागू हो जाए। कतर ने दोनों पक्षों के सामने तैयार मसौदा प्रस्तुत किया है। इस पर अगले सप्ताह हस्ताक्षर होने की संभावना है। कतर ट्रिब्यून के अनुसार, अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने लुसैल पैलेस स्थित अपने कार्यालय में गाजा पट्टी में युद्धविराम वार्ता के लिए पहुंचे हमास के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह प्रतिनिधिमंडल डॉ खलील अल के नेतृत्व में इन दिनों दोहा में है। अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने प्रतिनिधमंडल से युद्धविराम वार्ता की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस बीच, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को वाशिंटन में कहा कि गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौता करीब है। इसे राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम सप्ताह में अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाइडेन ने रविवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। वह इस मामले के मध्यस्थ कतर के अमीर से भी बातचीत करेंगे। सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जल्द ही मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बातचीत करेंगे।

इजरायली मंत्री ने सीजफायर डील पर जताया है विरोध

तेल अवीव (आईएएनएस)। इजरायल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम और फिलिस्तीनी ग्रुप की तरफ से बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के लिए समझौता वार्ता अंतिम स्तर पर है। उम्मीद जताई जा रही है कि आज ही समझौते का ऐलान हो सकता है। इस बीच सीजफायल डील के लिए नेतन्याहू सरकार के भीतर से ही विरोध शुरू हो गया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने सरकार की तरफ से युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताने की सूरत में इस्तीफा देने की धमकी दी है। उन्होंने वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच से भी उनका साथ देने की अपील की है। अब प्रश्न यह है कि क्या इन दोनों मंत्रियों का विरोधी रुख नेतन्याहू सरकार को डील करने से रोक पाएगा। रिपोर्ट में इजरायल के विदेश मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक एलन लील के हवाले से कहा गया, इस स्तर पर, यह स्पष्ट है कि ये दो मंत्री - बेन-ग्विर और स्मोट्रिच, और शायद कुछ अन्य - डील के खिलाफ मतदान करेंगे। लेकिन, यह भी स्पष्ट है कि बहुमत समझौते के पक्ष में ही होगा। लील ने कहा, अभी सवाल यह है कि क्या वे इस्तीफा देंगे, (और) सरकार छोड़ देंगे।' उनके मुताबिक, 'मुझे नहीं लगता कि ग्वीर और स्मोट्रिच के पास ऐसा कोई विकल्प है, क्योंकि केंद्र की पार्टियां समझौत के मुद्दे पर नेतन्याहू का समर्थन करेंगी। इसलिए यह सब नेतन्याहू पर निर्भर करता है। अगर नेतन्याहू को लगता है कि वे गठबंधन में अपने असली सहयोगियों को खो रहे हैं, तो वे सौदे से हट सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह यथार्थवादी है। इजरायल के विदेश मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक ने कहा, मुझे लगता है कि नेतन्याहू दोनों मंत्रियों के बिना ही इस समझौते को पारित करने के लिए आगे बढ़ेंगे, अगर वे दोनों सरकार छोड़ देते हैं, तो वे संसद के अधिक सदस्यों के साथ सरकार को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। इसलिए मेरा अनुमान है कि वे दोनों मंत्री इसके खिलाफ वोट करेंगे, लेकिन सरकार नहीं छोड़ेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेन ग्वीर ने संभावित समझौते को 'भयानक' बताया। उन्होंने दावा किया की उनका इस्तीफा अकेले नेतन्याहू को गाजा समझौते पर हस्ताक्षर करने पर फिर से सोचने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है।

> *इजरायल के दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने सरकार की तरफ से युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताने की सूरत में इस्तीफा देने की धमकी दी है।*

तीन अलग-अलग लक्ष्य पूरी सटीकता के साथ ध्वस्त

स्वदेशी 'नाग' मिसाइल का जैसलमेर में सफल परीक्षण

- **जैसलमेर के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया टेस्ट**
- **मिसाइल भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार**

'फायर एंड फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है 'नाग' मिसाइल

नाग मिसाइल 'फायर एंड फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है, जिसका मतलब है कि इसे एक बार दागने के बाद दोबारा निर्देशित करने की आवश्यकता नहीं होती। इस मिसाइल में इंफ्रारेड तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो लांच से पहले लक्ष्य को लॉक करती है और फिर उसे सटीकता से नष्ट कर देती है। इसकी मारक क्षमता 4 किलोमीटर तक है, और यह दुश्मन के टैंकों और सैन्य वाहनों को चंद सेकंडों में नष्ट कर सकती है।

जैसलमेर (आईएएनएस)

भारत ने अपनी तीसरी पीढ़ी की स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ, जो पाकिस्तान सीमा के नजदीक है। भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह परीक्षण संपन्न हुआ। इस परीक्षण के दौरान मिसाइल ने तीन अलग-अलग लक्ष्यों को पूरी सटीकता के साथ ध्वस्त किया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नाग मिसाइल अब भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मिसाइल 230 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से अपने लक्ष्य पर प्रहार करती है और चार किलोमीटर दूर स्थित दुश्मन को मात्र 17-18 सेकंड में नेस्तनाबूद कर सकती है।

सैन्य सूत्रों के अनुसार, नाग मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 300 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया है। इसका पहला सफल परीक्षण वर्ष 1990 में हुआ था और इसके बाद से कई बार इसका परीक्षण किया जा चुका है। जुलाई 2019 में भी पोखरण फायरिंग रेंज में इसका परीक्षण किया गया था। साथ ही, वर्ष 2017, 2018 और 2019 में भी इसमें नई तकनीक जोड़ने के लिए परीक्षण किए गए थे। नाग मिसाइल डीआरडीओ के एकीकृत मिसाइल विकास कार्यक्रम का हिस्सा है और यह भारतीय सेना की ताकत को कई गुना बढ़ाएगी। नाग एमके-2 भारतीय सेना के लिए एक अत्याधुनिक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है, जो हल्की और हर मौसम में कार्य करने में सक्षम है। इसका वजन लगभग 45 किलो है और इसकी लंबाई 6 फीट 1 इंच है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ और भारतीय सेना को बधाई दी है। इस सफलता से भारत की रक्षा क्षमताओं में एक नया अध्याय जुड़ा है, और भारतीय सेना अब और भी ज्यादा मजबूत हो गई है।

बांग्लादेश में बैन हुई कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी'

मुंबई (आईएएनएस)

कंगना रनौत के निर्देशन में तैयार बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इमरजेंसी' बांग्लादेश में बैन कर दी गई है। भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों की वजह से पड़ोसी देश ने यह फैसला लिया। फिल्म 'इमरजेंसी' 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में घोषित इमरजेंसी पर आधारित है। मामले से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, बांग्लादेश में 'इमरजेंसी' की स्क्रीनिंग रोकने का फैसला भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों से जुड़ा है। यह प्रतिबंध फिल्म की थीम से कम और दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनावपूर्ण संबंधों की वजह से है। 'इमरजेंसी' 1971 के बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय सेना और इंदिरा गांधी की सरकार की भूमिका और शेख मुजीबुर्रहमान को दिए गए समर्थन को दर्शाती है, जिन्हें 'बांग्लादेश का जनक' कहा जाता है। फिल्म में बांग्लादेशी चरमपंथियों के हाथों मुजीबुर्रहमान की हत्या को भी दिखाया गया है, इसके कारण माना जाता है कि बांग्लादेश में फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया। भारत के सिनेमाघरों में 'इमरजेंसी' तीन दिनों में रिलीज होने को तैयार है। 17 जनवरी को रिलीज होने के लिए तैयार 'इमरजेंसी' भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना को दिखाती है। वर्तमान में भारत और बांग्लादेश के बीच अस्थिर राजनयिक संबंध देखने को मिल रहे हैं।

हालांकि, पड़ोसी देश बांग्लादेश में बैन का सामना करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में 'इमरजेंसी' अकेली नहीं है। इससे पहले 'पुष्पा 2' और 'भूल भुलैया 3' जैसी फिल्मों को भी बांग्लादेश में रिलीज करने से रोक दिया गया था।

ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड फरवरी में जाएंगे नेपाल

काठमांडू। ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड ने वर्ष 2025 के अपने विदेश दौरे की शुरुआत नेपाल से करने की घोषणा की है। वे 4 फरवरी को एक हफ्ते के लिए नेपाल दौरे पर आएंगे। ब्रिटेन के शाही परिवार की वेबसाइट पर राजकुमार एडवर्ड के नेपाल दौरे की जानकारी साझा की गई है। एडवर्ड के साथ उनकी पत्नी सोफी के भी नेपाल आने की जानकारी दी गई है। हालांकि, उनके दौरे को लेकर नेपाल सरकार की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

हमने अदालतों पर विश्वास खो दिया है : बुशरा बीबी

- **इमरान खान की पत्नी ने आतंकवाद विरोधी अदालत के जज से कही यह बात**

इस्लामाबाद (हि.स.)

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने मंगलवार को एक न्यायाधीश से कहा, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। उनकी यह टिप्पणी न्यायाधीश ताहिर अब्बास सिपरा की अध्यक्षता वाली आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) में एक मामले की सुनवाई के दौरान आई। यह मामला रेंजर्स कर्मियों पर एक वाहन चढ़ाने के आरोप से संबंधित था। 'जियो न्यूज' चैनल के अनुसार, सुनवाई के दौरान जज ने बुशरा से कहा, इसमें कुछ समय लगा है, लेकिन कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। इस पर बुशरा बीबी ने जवाब दिया, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। न्यायाधीश सिपरा ने इस पर असहमति जताते हुए आश्वासन दिया, हर जगह ऐसा नहीं है। न्याय प्रणाली अपनी खामियों के बावजूद काम कर रही है। अगर यह ध्वस्त हो गई, तो समाज का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। आप अन्य सुनवाई में भी मेरे सामने पेश हुई हैं।

पीटीआई संस्थापक की पत्नी ने कहा, देश में कानून है लेकिन न्याय नहीं है। पीटीआई संस्थापक को संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए जेल में डाल दिया गया है। हमने जो कुछ सहा है, उससे कानून में हमारा विश्वास पूरी तरह से टूट गया है। दलीलों के बाद कोर्ट ने रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में बुशरा को अंतरिम जमानत दे दी और राहत की अवधि 7 फरवरी तक बढ़ा दी। इसके अलावा, संघीय राजधानी इस्लामाबाद में एक अन्य अदालत ने डी-चौक विरोध प्रदर्शन से संबंधित 13 मामलों में बुशरा को अंतरिम जमानत प्रदान की।

मकर संक्रांति पर अमित शाह ने उड़ाया पतंग

अहमदाबाद (आईएएनएस)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को अहमदाबाद के घाटलोढ़िया इलाके स्थित शांति निकेतन सोसाइटी पहुंचे, जहां उन्होंने संक्रांति पर्व मनाया। गुजरात में संक्रांति को उत्तरायण कहा जाता है और इस दिन लोग पतंग उड़ाते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अपनी पत्नी के साथ शांति निकेतन सोसाइटी पहुंचे, जहां उन्होंने पतंग उड़ाया। वहीं, भाजपा प्रवक्ता एग्रेश दवे ने इस संबंध में आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मकर संक्रांति के मौके पर आज गुजरात में पतंग महोत्सव में शिरकत करने आए थे। इस दौरान, उन्होंने महोत्सव में हिस्सा लिया। उन्होंने कई लोगों से बातचीत की। इस खास मौके पर यहां के विधायक और मेयर भी उपस्थित रहे। इस दौरान यहां के लोगों ने अमित शाह का अद्भुत तरीके से अभिवादन किया और उन्होंने भी लोगों के साथ मिलकर पतंग महोत्सव का आनंद उठाया।

डीएनए रिपेयर से पता चलेगा रेडियोथेरेपी के बाद कैसे मरती हैं कैंसर कोशिकाएं

कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने में मिलेगी मदद

सिडनी (आईएएनएस)

- **उपचार में सुधार और सफल इलाज की दर में वृद्धि के लिए नए द्वार खुल सकते हैं**

ऑस्ट्रेलियाई रिसर्च से पता चला है कि डीएनए की मरम्मत से यह पता लग सकता है कि रेडियोथेरेपी के बाद कैंसर कोशिकाएं कैसे मरती हैं। एक नए रिसर्च में मिली यह जानकारी कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। इससे कैंसर इलाज में सफलता की दर का भी पता चलेगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सीएमआरआई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रेडियोथेरेपी के बाद कैंसरग्रस्त ट्यूमर कोशिकाएं कैसे मरती हैं, यह जानने के लिए सिडनी के चिल्ड्रन मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमआरआई) के वैज्ञानिकों ने लाइव सेल माइक्रोस्कोप तकनीक के जरिए रेडिएशन थेरेपी की और इसके बाद एक सप्ताह तक इरेडिएट सेल्स पर रिसर्च किया।

सीएमआरआइ जीनोम इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख टोनी सेसरे ने कहा, हमारे रिसर्च का परिणाम आश्चर्यजनक है। परिणाम में सबसे खास बात डीएनए की मरम्मत है, जो आमतौर पर स्वस्थ कोशिकाओं की रक्षा करती है, यह बताती है कि रेडियोथेरेपी के बाद कैंसर कोशिकाएं कैसे मरती हैं। उन्होंने बताया, डीएनए की मरम्मत करने वाली प्रक्रियाएं यह पहचान सकती हैं कि कब बहुत अधिक क्षति हुई है, जैसे कि रेडियोथेरेपी से, और कैंसर कोशिका को यह निर्देश दे सकती है कि कैसे डेड होना है। जब विकिरण (रेडिएशन) से डीएनए क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो उसे 'होमोलॉग्स रीकांबिनेशन' नामक एक विधि से रिपेयर किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि इस प्रक्रिया के दौरान कैंसर कोशिकाएं प्रजनन (सेल डिवीजन या माइटोसिस) के समय मर जाती हैं। सेसारे ने कहा कि कोशिका विभाजन के दौरान मृत कोशिकाओं को नोटिस नहीं किया जाता है और इम्यून सिस्टम इसे अनदेखा कर देता है, इसलिए जरूरी इम्यून प्रतिक्रिया सक्रिय नहीं हो पाती है। हालांकि, अन्य मरम्मत विधियों के माध्यम से रेडिएशन-क्षतिग्रस्त डीएनए से निपटने वाली कोशिकाएं विभाजन से बच गईं, और उन्होंने कोशिका में डीएनए रिपेयर बाइप्रोडक्ट भी रिलीज किए। उन्होंने कहा, कोशिका के लिए ये बाइप्रोडक्ट वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण की तरह दिखते हैं और फिर कैंसर कोशिका के इस तरह से मृत होने से इम्यून सिस्टम सतर्क हो जाता है, जो हम नहीं चाहते हैं। टीम ने बताया कि होमोलॉग्स रीकांबिनेशन को बंद करने से कैंसर कोशिकाओं के मृत होने या खत्म होने का तरीका बदल गया, जिससे प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया मजबूत बन गई।

शोधकर्ताओं ने कहा कि इस खोज से उन दवाओं का उपयोग संभव हो जाएगा जो होमोलॉग्स रिकांबिनेशन को रोकती है, जिससे रेडियोथेरेपी से उपचारित कैंसर कोशिकाओं को इस तरह से मरने के लिए मजबूर किया जा सके कि प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर के अस्तित्व के बारे में सचेत किया जा सके जिसे नष्ट करने की आवश्यकता है। सीएमआरआइ के बयान में आगे कहा गया कि नेचर सेल बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित ये निष्कर्ष उपचार में सुधार और सफल इलाज की दर में वृद्धि के लिए नए अवसर खोल सकता है।

आसाराम को हाईकोर्ट से भी मिली 31 मार्च तक अंतरिम जमानत

जोधपुर (हि.स.)

अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौनाचार के आरोप में जोधपुर की सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी अंतरिम जमानत मिल गई है। आसाराम की ओर से सजा स्थगन व जमानत के लिए पेश याचिका पर आज सुनवाई हुई। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर आसाराम को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जोधपुर रेप केस मामले में 75 दिन की अंतरिम जमानत दे दी है।

मंगलवार को जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ के आदेशानुसार आसाराम 31 मार्च 2025 तक जेल से बाहर रहकर अपना इलाज करवा सकेंगे। इस दौरान आसाराम को अपने किसी भी अनुयायी से मिलने की अनुमति नहीं होगी, ना ही वे मीडिया में कोई बयान जारी सकेंगे। पूरे 24 घंटे वह तीन पुलिसकर्मियों की निगरानी में रहकर अपना इलाज पूरा करवा सकेंगे, जिसका खर्चा आसाराम को उठाना होगा।